MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 14 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-310

...और बिछ गईं लाशें

ट्रैवलर-ट्रंक टक्कर, 24 मरे

काजीरंगा, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

असम के काजीरंगा में हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। गोलाघाट जिले के रंगाजन इलाके में तेज रफ्तार ट्रैवलर और कंटेनर ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 लोग घायल हुए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।



यह दुर्घटना शुक्रवार दोपहर करीब 3 से 3:30 बजे के बीच हुई। ट्रैवलर बोकाखाट से नगांव की ओर जा रहा था, जबकि कंटेनर ट्रक अपर असम की तरफ बढ़ रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैवलर का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और कई यात्री वाहन के अंदर फंस गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया।

27 यात्रियों की क्षमता, सवार थे 45 लोग

हादसे में तेज रफ्तार और निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने की आशंका सामने आई है। पुलिस के अनुसार, यात्री वाहन में करीब 45 लोग सवार हो सकते थे, हालांकि यात्रियों की वास्तविक संख्या की पुष्टि अभी नहीं हुई है। वाहन की निर्धारित बैठक क्षमता केवल 27 यात्रियों की थी। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्नील डेका ने बताया कि दुर्घटना के बाद पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों को निकालने के लिए नौ एंबुलेंस लगाई गईं। घायलों को पहले कोहोरा मॉडल अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को बोकाखाट, गोलाघाट और जोरहाट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया।

पहले भी ओवरस्पीडिंग के लिए कटे थे 12 चालान

हादसे में शामिल ट्रैवलर के चालान का रिकॉर्ड भी सामने आया है। गोलाघाट जिला परिवहन कार्यालय के एक अधिकारी के अनुसार, इस वाहन का पहले भी कई बार तेज रफ्तार से वाहन चलाने के लिए चालान किया गया था। 3 मार्च को जोरहाट में 102 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन चलाने पर 4 हजार रुपये का चालान किया गया था। इसके अलावा काजीरंगा क्षेत्र में भी तेज रफ्तार के लिए कई चालान काटे गए थे। वाहन पर कुल 12 चालान थे, जिनकी राशि 38,500 रुपये बताई गई है। ये सभी चालान जमा किए जा चुके हैं। हालांकि, 4 हजार रुपये का एक अन्य चालान बकाया बताया गया है। वाहन का पंजीकरण नंबर एएस 02 एसी 6690 है। इसके चालक की पहचान अब्दुल मजीद के रूप में हुई है।

इस दुर्घटना में कई कॉलेज विद्यार्थियों की भी मौत हुई है। बताया गया कि वे कक्षाएं समाप्त होने के बाद अपने घर लौट रहे थे। प्रशासन ने अब तक 14 मृतकों की पहचान की जानकारी दी है। इनमें ज्योति माझी, दर्पणा माझी, 12 वर्षीय अनुराग गोआला, चालक अब्दुल मजीद, सहायक सुभाष, राशिद अली, हाफिजा खातून, फरहाना यास्मीन, केआर लोभो, अमजद अली, बुलबुल अली, बेबी करमाकर, दामिनी घटोवार और दीपाली रोंगफार शामिल हैं। शेष मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

मुख्यमंत्री आज जाएंगे घटनास्थल
प्रधानमंत्री ने किया मुआवजे का ऐलान

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना सरकार की पहली प्राथमिकता है। ▶8पर

उम्र 30 की, फेफड़े 50 के!



नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

कल्पना कीजिए कि किसी व्यक्ति की उम्र महज 30 साल है, लेकिन उसके फेफड़े 50 साल के व्यक्ति जितनी ही क्षमता से काम कर पा रहे हैं। सुनने में यह अजीब लग सकता है, लेकिन यह हकीकत है। देश के जाने-माने फेफड़ा प्रत्यारोपण सर्जन डॉ. अरविंद कुमार ऐसे मरीजों को देख चुके हैं, जिनके फेफड़ों की कार्यक्षमता उनकी वास्तविक उम्र के मुकाबले काफी कम हो चुकी है। शरीर की उम्र भले ही 30 साल हो, लेकिन फेफड़ों की स्थिति 50 साल के व्यक्ति जैसी हो गई है। डॉक्टर इसके पीछे बढ़ते वायु प्रदूषण को एक बड़ी वजह मानते हैं।

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र जैसे शहरों में रहने वाले लोगों के लिए यह चिंता और गंभीर है, क्योंकि यहां हर साल लोगों को लंबे समय तक जहरीली हवा में सांस लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। सवाल यह है कि क्या प्रदूषण चुपचाप हमारे फेफड़ों को समय से पहले बूढ़ा कर रहा है? क्या बिना किसी लक्षण के भी फेफड़ों की क्षमता कम हो सकती है? इन सवालों के जवाब जानने के लिए आजतक डॉट इन ने मेदांता-द मेडिसिटी अस्पताल के इंस्टीट्यूट ऑफ चेस्ट सर्जरी एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार से बातचीत की।

जांच में सामने आ रही फेफड़ों की घटती क्षमता

डॉ. अरविंद कुमार बताते हैं कि फेफड़ों की उम्र का अंदाजा उनकी कार्यक्षमता से लगाया जाता है। इसके लिए पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट और स्पाइरोमेट्री जैसी जांच की जाती हैं। जांच में पता चला है कि कई लोगों में कम उम्र में ही फेफड़ों की क्षमता काफी घट गई है। यह दर्शाता है कि लोगों के फेफड़े समय से पहले बूढ़े हो रहे हैं।

उम्र बढ़ने के साथ फेफड़ों की क्षमता में कुछ कमी आना सामान्य है, लेकिन प्रदूषण, धूम्रपान और अन्य कारणों से यह गिरावट कम उम्र में ही होने लगी है। कई मरीज ऐसे हैं, जिनकी उम्र 30 साल है, लेकिन उनके फेफड़े 50 साल के व्यक्ति जैसे हो गए हैं।

प्रदूषण से कैसे होता है फेफड़ों को नुकसान?

डॉ. अरविंद कुमार के अनुसार, प्रदूषण फेफड़ों को काफी नुकसान पहुंचाता है। प्रदूषित हवा में मौजूद छोटे-छोटे कण सांस के जरिए फेफड़ों में पहुंचते हैं और वहां गंभीर असर डालते हैं। ये बारीक कण सांस की नलियों में सूजन और जलन पैदा कर सकते हैं। इससे खांसी, गले में परेशानी और सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। प्रदूषण का संपर्क कम होने पर इन लक्षणों में सुधार भी हो सकता है, लेकिन लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने से फेफड़ों की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। इससे अस्थमा से लेकर सीओपीडी जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। चिंता की बात यह है कि प्रदूषण से होने वाला नुकसान कई मामलों में स्थायी हो सकता है।

वायु गुणवत्ता सुधरने से नुकसान ठीक हो जाता है?

प्रदूषण को लेकर एक आम धारणा है कि सर्दियां समाप्त होते ही खतरा भी खत्म हो जाता है, लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं है। प्रदूषण से होने वाला नुकसान हमेशा एक जैसा नहीं होता। कुछ प्रभाव अस्थायी होते हैं, जबकि कुछ मामलों में फेफड़ों को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है। लंबे समय तक प्रदूषण के संपर्क में रहने से फेफड़ों की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है।

यह जरूरी नहीं है कि फेफड़ों को नुकसान होने पर हर व्यक्ति को तुरंत इसके लक्षण महसूस हों। ▶8पर

राहुल सड़कछाप!

मोदी से संसद में बहस की चुनौती



नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सार्वजनिक बहस की मांग पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जिस चर्चा की बात कर रहे हैं, वह सड़क पर नहीं, बल्कि संसद में होनी चाहिए।

विनोद तावड़े ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान के अनुसार प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के बीच किसी भी विषय पर चर्चा संसद में होती है, सड़क पर नहीं। जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों के बीच तर्क-वितर्क, प्रश्न-उत्तर और संवाद संसद में होने से संविधान की गरिमा बनी रहती है।

तावड़े ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी से अपनी 'सड़कछाप राजनीति' बंद करने और आगामी संसद सत्र में आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चर्चा करने की अपील की।

इससे पहले राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर आमने-सामने सार्वजनिक बहस की चुनौती दी थी। शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी' सत्र के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वह प्रधानमंत्री के ▶8पर

शरीफ मुंगेरी सपने : 2075 तक छठी अर्थव्यवस्था



नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भले ही आज विदेशी कर्ज, महंगाई और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की शर्तों के बीच संघर्ष कर रही हो, लेकिन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की नजरें अब 50 साल आगे की तस्वीर पर हैं। गोल्डमैन सैक्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान वर्ष 2075 तक दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इस अनुमान ने पाकिस्तान की राजनीति में उत्साह पैदा कर दिया है और शहबाज शरीफ भी इस भविष्यवाणी को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। गोल्डमैन सैक्स की यह रिपोर्ट वर्ष 2022 की है। उस समय पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति और भी खराब थी। इसके बावजूद शहबाज शरीफ अब इस रिपोर्ट के आधार पर पाकिस्तान की भविष्य की आर्थिक तस्वीर दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं। इस्लामाबाद में शुक्रवार, 13 नवंबर को आयोजित पाकिस्तान मिनरल्स इन्वेस्टमेंट फोरम में शहबाज शरीफ ने कहा कि गोल्डमैन सैक्स के आकलन के अनुसार वर्ष 2075 तक पाकिस्तान दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस अनुमान में एक बदलाव करते हुए कहा कि यह लक्ष्य 2075 में नहीं, बल्कि 2050 से पहले ही हासिल कर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि यह बेहद चुनौतीपूर्ण समय और कठिन सफर है। कभी-कभी ऐसा होता है कि आप मुस्कुराना चाहते हैं, लेकिन आपको आह भरनी पड़ती है। कभी-कभी स्वास्थ्य भी साथ छोड़ देता है, लेकिन यही वह महत्वपूर्ण समय होता है जब थोड़ा आराम तो करना चाहिए, मगर हार नहीं माननी चाहिए। यही हमारी सोच है और इसी के दम पर पाकिस्तान दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक महान देश बनेगा।

तीन साल पुरानी रिपोर्ट, 50 साल आगे का सपना

दरअसल, गोल्डमैन सैक्स ने दिसंबर 2022 में 'द पाथ टू 2075' नाम से एक शोध रिपोर्ट जारी की थी। इसमें 104 देशों की अर्थव्यवस्थाओं के भविष्य का अनुमान लगाया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2075 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में चीन पहले, भारत दूसरे, अमेरिका तीसरे, इंडोनेशिया चौथे और नाइजीरिया पांचवें स्थान पर हो सकते हैं। पाकिस्तान को छठे स्थान पर रखा गया था। इसके बाद मिस्र का स्थान बताया गया था।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि वर्ष 2075 तक पाकिस्तान का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) करीब 12.7 ट्रिलियन डॉलर और प्रति व्यक्ति जीडीपी 27,100 डॉलर तक पहुंच सकता है। हालांकि, यह अनुमान तभी संभव बताया गया है, जब पाकिस्तान में उचित आर्थिक नीतियां और मजबूत संस्थागत व्यवस्था कायम हो।

आबादी बनेगी ताकत या चुनौती?

गोल्डमैन सैक्स के इस अनुमान के पीछे पाकिस्तान की तेजी से बढ़ती आबादी एक बड़ी वजह है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान, नाइजीरिया और मिस्र जैसे देशों की आबादी में वृद्धि उन्हें आने वाले दशकों में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की कतार में पहुंचा सकती है। लेकिन केवल आबादी बढ़ने से कोई देश अमीर नहीं बन जाता। ▶8पर

मेड इन पाक ज़हर!

नांदेड़ में लाखों के ब्यूटी प्राडेक्ट जब्त



नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

बनाने का दावा करने वाले सौंदर्य उत्पाद सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। महाराष्ट्र के नांदेड़ में जब्त किए गए 'मेड इन पाकिस्तान' लेबल वाले सौंदर्य उत्पादों में खतरनाक स्तर पर जहरीली भारी धातुएं पाई गई हैं। सरकारी प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट में इन उत्पादों में पारा और आर्सेनिक की मात्रा निर्धारित सीमा से काफी अधिक मिली है।

पुलिस ने करीब चार महीने पहले, 9 जुलाई को नांदेड़ के मक्का गली इलाके में अफराह कलेक्शन (अफराह टूर्स एंड ट्रैवल्स) पर छापेमारी कर करीब 39.69 लाख रुपये के सौंदर्य उत्पाद जब्त किए थे। इसके बाद इन उत्पादों के नमूने जांच के लिए सरकारी प्रयोगशाला भेजे गए थे।

पुलिस के मुताबिक, प्रयोगशाला की जांच में दो सौंदर्य क्रीम में पारे की मात्रा निर्धारित सीमा से कई गुना अधिक पाई गई। 'पार्ले 24 कैरेट गोल्ड ग्लिम ब्यूटी क्रीम' में 48,453.44 पार्ट्स पर मिलियन (पीपीएम) पारा मिला, जबकि सौंदर्य प्रसाधन नियमों के तहत इसकी अनुमत सीमा 1 पीपीएम है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 26^0
न्यूनतम : 19^0

तालिबान-रूस करीब

पाक बेचैन, बदल रहे समीकरण



नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

रूस और तालिबान के बीच बढ़ती नजदीकी ने दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में नए समीकरण पैदा कर दिए हैं। कभी अफगानिस्तान में तालिबान पर अपना प्रभाव रखने वाला पाकिस्तान अब काबुल के बदलते कूटनीतिक संबंधों को लेकर चिंतित है। रूस न केवल तालिबान सरकार को आधिकारिक मान्यता दे चुका है, बल्कि उसके साथ व्यापार, निवेश और सैन्य सहयोग बढ़ाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। इससे तालिबान को पाकिस्तान पर अपनी निर्भरता कम करने का एक नया विकल्प मिल रहा है। इस बढ़ती नजदीकी की ताजा तस्वीर 12 नवंबर को देखने को मिली, जब रूस के उपप्रधानमंत्री एलेक्सी ओवरचुक 70 से अधिक कारोबारी प्रतिनिधियों के साथ काबुल पहुंचे। इस प्रतिनिधिमंडल में रूस की कई कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल थे। ओवरचुक ने तालिबान सरकार के नेता मोहम्मद हसन अखुंद और आर्थिक मामलों के उपप्रधानमंत्री अब्दुल गनी बरादर से मुलाकात की। बातचीत का मुख्य एजेंडा व्यापार और निवेश रहा। तालिबान ने रूसी कंपनियों को खनन, बुनियादी ढांचे, कृषि, परिवहन और औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश का न्योता दिया। अफगानिस्तान ने रूसी कंपनियों के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र विकसित करने तथा सड़क और रेल परियोजनाओं में सहयोग की संभावनाएं भी रखीं। ▶8पर

छठ घमासान : राज ठाकरे की पोस्ट पर विवाद



नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

छठ पूजा को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे की सोशल मीडिया पोस्ट पर कांग्रेस की ओर से समर्थन दिए जाने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने इस मामले में कांग्रेस और राज ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि इस तरह का व्यवहार ही उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर कर रहा है।

दिल्ली में इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए मनोज तिवारी ने कहा, इसी तरह के व्यवहार की वजह से वे अपने पतन की ओर बढ़ रहे हैं। आज महाराष्ट्र में इन लोगों की बात कौन सुनता है? कोई मराठी मानुष इन्हें महत्व देने को तैयार नहीं है और इसकी वजह भी इनके ऐसे ही काम हैं।

मनोज तिवारी ने कहा कि छठ पूजा को लेकर लोगों का समर्थन काफी अधिक है। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का उल्लेख करते हुए कहा कि वह छठ के बड़े भक्त हैं और छठ व्रत करने वालों के लिए सभी जरूरी इंतजाम कर रहे हैं। राज ठाकरे की सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कांग्रेस की ओर से समर्थन दिए जाने के बाद यह मामला राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है।

मनोज तिवारी ने कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाते हुए इसे महाराष्ट्र में उसके राजनीतिक प्रभाव से जोड़कर देखा। इस बयान के बाद छठ पूजा को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

खरना आज, 36 घंटे निर्जला व्रत



लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा का आज दूसरा दिन है। इस दिन खरना मनाया जाता है। छठ व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखते हैं और शाम को विधि-विधान से पूजा करने के बाद गुड़ की खीर का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके साथ ही उनका 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाता है, जो उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद ही समाप्त होता है। खरना का संबंध शुद्धिकरण और पवित्रता से है। इस दिन घर की साफ-सफाई से लेकर प्रसाद बनाने और पूजा करने तक प्रत्येक कार्य में विशेष शुद्धता एवं ▶8पर



बलूच विद्रोहियों ने पुल उड़ाकर पाक के भूगोल और रणनीतिक रीढ़ को किया कमजोर

देश की अर्थव्यवस्था को लगा बड़ा झटका, सेना का आना-जाना भी हुआ मुश्किल

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हालात बद से बदतर हो गए हैं, जहां के मस्तुंग जिले में बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा-करांची नेशनल हाईवे पर बने मुख्य पुल को बम से उड़ा दिया। इस धमाके ने पाकिस्तान के भूगोल और उसकी रणनीतिक रीढ़ को कमजोर कर दिया है। इस घटना के बाद देश के दो सबसे बड़े शहर और व्यापारिक केंद्र, क्वेटा और करांची का सड़क संपर्क पूरी तरह ठप हो गया, जिससे पाकिस्तानी सेना का सामान आना-जाना मुश्किल हो गया है और देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगा है।

पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसियों में इस बात को लेकर हड़कंप मचा है कि विद्रोही सुरक्षा के कड़े पहरे को धता बताकर इस स्तर के हमलों को कैसे अंजाम दे रहे हैं। इस पुल के उड़ने के राजनीतिक और रणनीतिक मायने बहुत गहरे हैं। क्वेटा बलूचिस्तान की राजधानी है और करांची पाकिस्तान का सबसे बड़ा वाणिज्यिक हब और बंदरगाह है। इन दोनों को जोड़ने वाली यह जीवनरेखा बंद होने से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को अरबों का नुकसान हो रहा है। साथ ही, बलूचिस्तान के उबड़-खाबड़ और पहाड़ी इलाकों में सेना की आवाजाही और हथियारों की आपूर्ति इसी रास्ते से होती थी, जो अब पंगु हो गई है। यह हमला अलगाववादियों के बढ़ते हौसले और उनके मनोवैज्ञानिक युद्ध का स्पष्ट उदाहरण है।

रिपोर्ट के मुताबिक क्वेटा-तफ्तागान रेल और सड़क मार्ग काफी लंबा और दुर्गम है, जो व्यापारिक ट्रकों और सैन्य काफिलों के लिए व्यावहारिक नहीं है। कुछ छोटे और जर्जर ग्रामीण रास्ते हैं, लेकिन वे भारी सैन्य वाहनों, टैंकों और वाणिज्यिक कंटेनरों का वजन उठाने में सक्षम नहीं हैं।

हवाई मार्ग केवल आपातकालीन सैन्य आवाजाही और चुनिंदा वीवीआईपी मूवमेंट के लिए ही उपयोग किया जा सकता है, भारी माल की आपूर्ति के लिए यह आर्थिक रूप से संभव नहीं है।

यह हमला बलूच विद्रोहियों की लंबे समय से चली आ रही नाराजगी का परिणाम है। वे आरोप लगाते हैं कि पाकिस्तानी सरकार और सेना उनके इलाके से गैस, सोना, तांबा और अन्य खनिज संपदा लूट रही है, जबकि बलूच जनता को बदले में केवल गरीबी और दमन मिलता है। इसी वजह से वे लगातार सरकारी ठिकानों, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे से जुड़े प्रोजेक्ट्स, रेलवे लाइनों और ऐसे रणनीतिक पुलों को निशाना बनाते रहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

एआई चिप्स की दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी में होने जा रहा है बड़ा बदलाव, एनवीडिया में नेतृत्व संकट गहराया



बीजिंग। दुनिया की सबसे बड़ी एआई चिप निर्माता कंपनियों में शामिल एनवीडिया इस समय सिर्फ अपने कारोबार और तकनीकी उपलब्धियों को लेकर नहीं, बल्कि अपने नेतृत्व के भविष्य को लेकर भी चर्चा में है। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ जेंसेन हुआंग को लेकर सामने आ रही नई रिपोर्टों ने कारपोरेट जगत में हलचल मचा दी है। मामला अब केवल उनकी निजी जिंदगी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि कंपनी के प्रशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, निवेशकों के भरोसे और दुनिया की एआई दौड़ से जुड़ गया है। ताजा घटनाक्रम में वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया है कि एनवीडिया का बोर्ड जेंसेन हुआंग को सीईओ पद से हटाने की तैयारी कर रहा है। वहीं, न्यूयार्क टाइम्स की एक अन्य रिपोर्ट में कंपनी की महिला अधिकारी किम्बर्ले पावेल के साथ उनके कथित संबंधों का भी जिक्र किया गया है। हालांकि, बोर्ड की ओर से हुआंग को हटाने का कोई अंतिम फैसला सार्वजनिक रूप से घोषित नहीं किया गया है। इस पूरे विवाद की शुरुआत एलिस हुआंग नाम की एक कारोबारी महिला के साथ जेंसेन हुआंग के कथित संबंधों की खबर से हुई थी। एलिस सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड से जुड़ी रही हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को कथित तौर पर उनके चीन की खुफिया एजेंसी से संबंध होने का संदेह है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में वैन नदी में गिरी, 11 यात्रियों की मौत



इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। गिलगित-बाल्टिस्तान प्रांत के घिजर जिले में एक यात्री वैन के यासीन नदी में गिर जाने से 11 लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। इस यात्री वैन का ड्राइवर गिलगित से घिजर जाते वक्त यासीन घाटी में मोर्काह पुल के पास नियंत्रण खो बैठा। पलभर में वैन पलटते हुए यासीन नदी में जा गिरी। डान की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने शुरुआत में बताया कि बचाव दलों ने 10 यात्रियों के शव निकाले, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। इस दौरान तीन घायल यात्रियों को भी बचा लिया। सभी को इलाज के लिए गुपिस सिविल अस्पताल ले जाया गया। बाद में पुलिस ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि वैन सवार यासीन घाटी के रहने वाले हैं। प्रांत के मुख्यमंत्री अमजद हुसैन ने इस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। सनद रहे, पिछले हफ्ते गिलगित से इस्लामाबाद जा रही एक बस हजारा मोटर-वे पर हवेलीयन इंटरचेंज के पास एक डंपर से टकरा गई थी, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए थे। एक दिन पहले, पंजाब के पाकपट्टन के पास एक यात्री बस और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए थे।

कैंसर के इलाज की नई संभावनाओं को लेकर जगी उम्मीद

सिडनी। वैज्ञानिकों ने मधुमक्खी के जहर पर एक ऐसा शोध किया है, जिससे कैंसर के इलाज की नई संभावनाओं को लेकर उम्मीद जगी है। इस शोध में मधुमक्खी के जहर में मौजूद मेलिटिन नामक तत्व ने ब्रेस्ट कैंसर की कुछ आक्रामक कोशिकाओं पर उल्लेखनीय असर दिखाया है। इसमें मेलिटिन नामक पेप्टाइड पर खास ध्यान दिया गया, जो मधुमक्खी के जहर में पाया जाने वाला एक प्रमुख तत्व है। आस्ट्रेलिया के हैरी पर्किन्स इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल रिसर्च और यूनिवर्सिटी आफ वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने मधुमक्खी के जहर पर गहन अध्ययन किया। प्रयोगशाला में किए गए परीक्षणों में, इस मेलिटिन ने ब्रेस्ट कैंसर की कुछ आक्रामक कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने और उन्हें नष्ट करने की क्षमता दिखाई। वैज्ञानिक अब यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि इस असर का इस्तेमाल भविष्य में प्रभावी इलाज के लिए कैसे किया जा सकता है। शोध में ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर और एचईआर2 से जुड़े कैंसर की कोशिकाओं पर मधुमक्खी के जहर और मेलिटिन का परीक्षण किया गया। ये ब्रेस्ट कैंसर के ऐसे प्रकार हैं जिनमें इलाज की रणनीति बीमारी की विशेषताओं के आधार पर तय की जाती है और अक्सर इनका इलाज करना अधिक चुनौतीपूर्ण होता है। प्रयोगशाला में, मेलिटिन ने कैंसर कोशिकाओं की बाहरी झिल्ली को तेजी से नुकसान पहुंचाया, जिससे उनकी वृद्धि रुक गई और वे नष्ट हो गईं। कुछ परीक्षणों में यह असर बहुत कम समय में ही दिखाई दिया। वैज्ञानिकों ने यह भी देखा कि मेलिटिन को कुछ कीमोथेरेपी दवाओं के साथ मिलाने पर कैंसर कोशिकाओं पर क्या असर पड़ता है। शुरुआती प्रयोगों में, कुछ संयोजनों से कैंसर कोशिकाओं के खिलाफ असर बढ़ने के संकेत मिले, जिससे भविष्य में इलाज के नए और अधिक प्रभावी तरीके विकसित करने की संभावना पर शोध हो रहा है।

बांग्लादेश में अमेरिकी राजदूत ने भारतीय उच्चायुक्त से मुलाकात की

ढाका (बांग्लादेश)

देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिसंबर में स्वदेश वापसी की घोषणा से गरमाए माहौल के बीच यहां बांग्लादेश में अमेरिकी राजदूत ब्रेंट टी. क्रिस्टेंसन ने भारतीय उच्चायोग में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी से मुलाकात की। अमेरिकी दूतावास के एक सूत्र ने इस मुलाकात की पुष्टि की, लेकिन यह नहीं बताया कि दोनों राजनयिकों के बीच क्या बातचीत हुई। सूत्र ने कहा, मैं बस इतना बता सकता हूं कि यह मुलाकात सुबह हुई।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट में इस मुलाकात की संक्षिप्त सूचना के साथ यह कहा गया कि यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब राजनीतिक माहौल काफी गरमाया हुआ है। ढाका लंबे समय से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। हसीना 5 अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं। शेख हसीना ने खुद दिसंबर में स्वदेश लौटने का वादा किया है। उल्लेखनीय है कि राजदूत क्रिस्टेंसन इस साल 12 जनवरी को ढाका पहुंचे थे, जबकि उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी इस साल जून में आए हैं।

ढाका ट्रिब्यून की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, शेख हसीना की वजह से पनपे विवाद के कारण बांग्लादेश-भारत के बीच द्विपक्षीय तंत्र ठप पड़ गया है। एक अधिकारी ने माना कि बांग्लादेश और भारत के बीच पानी, व्यापार, सीमा प्रबंधन सहित 40 से अधिक मसलों पर विचार-विमर्श बंद हो गया है। दोनों देशों के बीच 17-18 नवंबर को ढाका में होने वाला पांचवां काउंसलर संवाद रद हो गया है।

हालांकि नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के मंत्री (प्रेस) सैदुर रहमान ने कहा कि इस संवाद को उस अनुरोध के आने से एक हफ्ते पहले ही स्थगित कर दिया गया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र से जुड़ी बात कही गई। संवाद के रद्द होने का शेख हसीना की देश वापसी की किसी भी घोषणा से कोई लेना-देना नहीं है।

बांग्लादेश-भारत के संवाद तंत्र की शुरुआत 2017 में हुई थी। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच काउंसल मामलों, वीजा और आपसी कानूनी सहायता पर बातचीत का एक नियमित जरिया बनाकर लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करना था। दोनों देशों के बीच संवाद की तैयारियों के तहत 3 नवंबर को ढाका में विदेश मंत्रालय में एक अंतर-मंत्रालयी बैठक हुई थी। इस संवाद में सीमा पार के मुद्दों, सीमा प्रबंधन, वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने, एक-दूसरे के देश में हिरासत में लिए गए नागरिकों की वापसी, मछुआरों की रिहाई और उन्हें वापस भेजने आदि विषयों पर चर्चा होनी थी। संवाद का चौथा दौर 29 मई 2024 को नई दिल्ली में हुआ था।



अमेरिकी सामानों पर टैरिफ बढ़ाने का फैसला चीन ने टाला

बीजिंग। चीन ने अमेरिकी सामानों के आयात पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अपने फैसले को अगले दो महीने के लिए टाल दिया है। फिलहाल पूर्व की तरह 10 प्रतिशत शुल्क लागू रहेगा। चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव कम करने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह बदलाव 10 नवंबर 2026 से प्रभावी होगा। चीन के वित्त मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका से आने वाले सामानों पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत शुल्क लगाने के फैसले को दो महीने के लिए निलंबित किया जा रहा है। इस दौरान अमेरिकी आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू रहेगा। मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच वाशिंगटन में हुई बैठक के बाद बनी सहमति के तहत लिया गया है। इस फैसले का उद्देश्य दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के नतीजों को लागू करना और व्यापारिक संबंधों में तनाव कम करना है। चीन के बयान के मुताबिक, स्टेट काउंसिल ने अमेरिका से आयात होने वाले सामानों पर अतिरिक्त शुल्क से जुड़े उपायों में बदलाव को मंजूरी दी है। यह बदलाव कस्टम टैरिफ आयोग की ओर से जारी पहले के फैसलों के तहत किया गया है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध पिछले कुछ समय से टैरिफ और अन्य आर्थिक प्रतिबंधों को लेकर तनावपूर्ण रहे हैं। अतिरिक्त शुल्क बढ़ाने या घटाने के फैसले का असर दोनों देशों के कारोबारियों, आयातकों और निर्यातकों पर पड़ सकता है। ऐसे में दो महीने के लिए अतिरिक्त 24 प्रतिशत शुल्क रोकने को व्यापारिक बातचीत के लिए राहत के तौर पर देखा जा रहा है। इससे पहले सितंबर में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तीन दिवसीय दौरे के दौरान व्यापारिक मुद्दों पर सहमति बनी थी। व्हाइट हाउस की फैक्ट शीट के अनुसार, दोनों पक्षों ने करीब 30 अरब अमेरिकी डालर मूल्य के सामान के व्यापार के लिए अनुकूल टैरिफ व्यवस्था पर सहमति जताई थी। इसके साथ ही दोनों देशों के शीर्ष स्तर पर संवाद को फिर से शुरू करने की बात भी सामने आई थी। दोनों देशों ने व्यापारिक संबंधों को बेहतर बनाने के लिए यूएस-चाइना बोर्ड आफ ट्रेड और यूएस-चाइना बोर्ड आफ इन्वेस्टमेंट को सक्रिय किया है।

इस बीच, जल बंटवारे को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद और सीमा पार जल प्रबंधन से जुड़ी नई चुनौतियां और भी गंभीर होती जा रही हैं। गंगा जल संधि के संबंध में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 3 नवंबर को कहा कि उनके पास एक संयुक्त नदी आयोग है। उन्होंने कहा, गंगा सहित सीमापार की सभी नदियों पर चर्चा करने के लिए यही वह व्यवस्थित तंत्र है। जहां तक इस मामले में किसी और प्रगति की बात है, तो मेरे पास अभी कोई नई जानकारी नहीं है। गंगा जल संधि दिसंबर में समाप्त होने वाली है। इसलिए बांग्लादेश के सामने एक ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने की चुनौती है, जिसमें पानी का बंटवारा न्यायसंगत और टिकाऊ हो। साथ ही, उसे अन्य साझा नदियों पर भी सहयोग को मजबूत करना होगा।

जेलेंस्की से मिले अमेरिकी दूत, रूस के राष्ट्रपति पुतिन से हुई वार्ता की जानकारी दी



डबलिन (आयरलैंड)

अमेरिकी दूत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामादजेरेड कुशनर एवं स्टीव विटकोफ आयरलैंड पहुंचे। दोनों ने यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मास्को में हुई अपनी पिछली बातचीत के बारे में जानकारी दी। दोनों अबू धाबी में रूस, यूक्रेन और अमेरिका के वार्ताकारों के बीच हुई दो दिनों की बातचीत के बाद डबलिन पहुंचे। फरवरी के बाद यह अपनी तरह की पहली बातचीत है, जो किसी ठोस नतीजे के बिना खत्म हुई।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, डबलिन में बैठक के बाद जेलेंस्की ने पत्रकारों से कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई बातचीत बहुत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा, इससे उम्मीद बढ़ी है कि हम इस युद्ध को खत्म कर पाएंगे। इस बैठक के बाद एक और बैठक होगी और हर बैठक का कोई न कोई नतीजा निकलना चाहिए, जो हमें शांति के और करीब ले जाए।

विटकोफ और कुशनर के साथ मौजूद जेलेंस्की ने यह भी कहा कि हाल ही में युद्धबंदियों की अदला-बदली पर बनी सहमति, युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक की सबसे बड़ी अदला-बदली होगी। उन्होंने इसे एक वास्तविक परिणाम बताया। इस अवसर पर कुशनर ने कहा कि यूक्रेन के लिए युद्ध के बाद की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम चल रहा है। इससे पहले मास्को से रवाना होने से ठीक पहले विटकोफ ने व्नुकोवो हवाई अड्डे पर कहा, मुझे लगता आज कुछ प्रगति हुई है। लोगों को नहीं लगा था कि हम त्रिपक्षीय बातचीत फिर से शुरू कर पाएंगे, लेकिन हमने इसे फिर से शुरू कर दिया है। हमने एक नई बैठक भी तय कर ली है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप यही देखना चाहते हैं। विटकोफ ने यह भी संकेत दिया कि यूक्रेन संघर्ष पर होने वाली अगली बातचीत में यूरोपीय प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। उन्होंने पत्रकारों से कहा, वे हमारे साझेदार हैं और उनका इसमें शामिल होना महत्वपूर्ण है। बाद में कुशनर ने भी इसी बात को दोहराया। जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद उन्होंने कहा, यूरोपीय लोगों की मौजूदगी के बिना हम इस समझौते को पूरा नहीं कर सकते।

नाटो का शिखर सम्मेलन 2027 में अल्बानिया में नहीं होगा : प्रधानमंत्री रामा



ब्रुसेल्स। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का अगला सालाना शिखर सम्मेलन 2027 में अल्बानिया में आयोजित नहीं होगा। अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की तारीख को लेकर सदस्य देशों के बीच अभी सहमति नहीं बनी है। हालांकि, 2028 में शिखर सम्मेलन आयोजित होने की स्थिति में इसकी मेजबानी अल्बानिया कर सकता है। यूरोपीय नेताओं की बैठक में शामिल होने के लिए डबलिन रवाना होने से पहले रामा ने कहा कि सम्मेलन कब होगा, इस पर अभी साझा रुख नहीं बन पाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निश्चित है कि 2027 में शिखर सम्मेलन नहीं होगा। रामा ने कहा कि यदि 2028 में सम्मेलन आयोजित किया जाता है तो उसकी मेजबानी तिराना करेगा। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इस बात की ओर इशारा किया गया था कि अल्बानिया में नाटो शिखर सम्मेलन आयोजित करने की योजना पर अनिश्चितता के बादल छा सकते हैं। इसकी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन का विरोध और अल्बानिया के कम रक्षा खर्च को लेकर नाटो के कुछ सदस्य देशों की नाराजगी बताई गई थी। गौरतलब है कि जून 2025 में हेग में हुए नाटो शिखर सम्मेलन की घोषणा में सदस्य देशों ने कहा था कि उनकी अगली बैठक 2026 में तुर्किये में होगी और उसके बाद अल्बानिया में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

धरती का चक्कर लगाता था एलियन ग्रैविटी से फंस गया जाल में

वाशिंगटन

हमारी पृथ्वी को अंतरिक्ष से एक नया, अस्थायी साथी मिल गया है। वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि एस्टेरायड 2026 क्यूक्यू8 नामक करीब एक मीटर का यह चट्टानी पिंड कुछ समय के लिए हमारी पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के जाल में फंस गया है और अब इसकी परिक्रमा कर रहा है। यह खगोलीय घटना किसी साइंस-फिक्शन फिल्म सी प्रतीत होती है, जहां पृथ्वी को एक मिनी-मून मिल गया है। यह रहस्यमयी चट्टान, एस्टेरायड 2026 क्यूक्यू8, अगस्त में एक खगोलशास्त्री द्वारा पहली बार देखी गई थी। शुरुआती दौर में इसे लेकर भ्रम की स्थिति थी कि यह प्राकृतिक पिंड है या मानव निर्मित अंतरिक्ष मलबा।

हालांकि, आगे की गणनाओं और विस्तृत अध्ययन से इसके प्राकृतिक खगोलीय पिंड होने की संभावना सामने आई। अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ के माइनर प्लैनेट सेंटर ने बाद में इसकी मौजूदगी की आधिकारिक पुष्टि की, जिसके अनुसार यह चट्टानी पिंड अप्रैल से ही पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में है। जानकारों के मुताबिक, एस्टेरायड 2026 क्यूक्यू8 पृथ्वी से लगभग 5 लाख 68 हजार किलोमीटर की दूरी तक आ सकता है। यह दूरी हमारे असली चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की औसत दूरी (लगभग 3 लाख 84 हजार किलोमीटर) से भी काफी अधिक है। इसका अर्थ है कि यह नया मिनी-मून हमारे चंद्रमा से भी दूर रहकर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है। अपने छोटे आकार (महज एक मीटर व्यास) और



अत्यधिक दूरी के कारण, यह पिंड नंगी आँखों से दिखाई नहीं देगा।

पृथ्वी के लिए संभावित खतरे पर भी सवाल उठे थे, लेकिन विशेषज्ञों के आकलन के अनुसार, फिलहाल इससे पृथ्वी पर किसी बड़े खतरे की आशंका नहीं है। यह पृथ्वी से सुरक्षित दूरी पर अपनी यात्रा जारी रखे हुए है। वैसे भी, एस्टेरायड 2026 क्यूक्यू8 हमेशा के लिए पृथ्वी का उपग्रह नहीं बनने वाला है। पृथ्वी के आसपास लगभग डेढ़ चक्कर पूरा करने के बाद यह अपनी राह बदल देगा और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से बाहर निकल जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि यह एस्टेरायड लगभग हर दस साल में पृथ्वी के करीब से गुजरता है, लेकिन इस बार पहली बार पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण ने इसे अस्थायी रूप से अपने साथ खींच लिया है। एस्टेरायड 2026 क्यूक्यू8 भले ही आकार में छोटा हो, लेकिन इसकी मौजूदगी वैज्ञानिकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे अस्थायी उपग्रहों का अध्ययन करके वैज्ञानिक पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण, एस्टेरायड की कक्षाओं और सौरमंडल में छोटे पिंडों की आवाजाही को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। यह अध्ययन हमें यह भी जानने का मौका देता है कि कोई अंतरिक्षीय चट्टान किस तरह अपनी सूर्य-केंद्रित कक्षा से निकलकर कुछ समय के लिए किसी ग्रह की गुरुत्वाकर्षण शक्ति में प्रवेश कर सकती है।

सैन फ्रांसिस्को सुपीरियर कोर्ट में पांच प्रमुख एआई डेवलपर्स के खिलाफ मुकदमा

वाशिंगटन (अमेरिका)

संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के प्रमुख शहर सैन फ्रांसिस्को की सुपीरियर कोर्ट में गैर-लाभकारी समूहों के एक गठबंधन ने पांच प्रमुख आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेवलपर्स के खिलाफ मुकदमा दायर किया। इनका मकसद इन कंपनियों को एआई माडल विकसित करने से रोकना है। आरोप है कि इन कंपनियों ने जानबूझकर ऐसी तकनीक का निर्माण किया है, जो मानवता के लिए विनाशकारी जोखिम पैदा करती है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह मुकदमा सैन फ्रांसिस्को सुपीरियर कोर्ट में अलायंस फार सिक्योर एआई ने दायर किया है। इसमें इरिप्लेसेबल एजुकेशन फंड, पब्लिक सिटीजन और हीट इनिशिएटिव जैसे वकालत करने वाले समूह भी शामिल हैं। मुकदमे में एंथ्रोपिक, गूगल, मेटा, ओपनएआई और स्पेसएक्सएसआई को नामजद किया गया है।



अलायंस फार सिक्योर एआई के सीईओ ब्रेंडन स्टीनहाउसर ने बयान में कहा, इनके अधिकारियों ने सालों से हमें चेतावनी दी है कि उनके अपने अत्याधुनिक माडल विनाशकारी जोखिम पैदा करते हैं। उन्होंने कहा, इसके बावजूद वे लगातार और भी अधिक शक्तिशाली एआई विकसित करने और उसे बाजार में उतारने की होड़ में लगे हैं। वे खुद मानते हैं कि वे इसे भरोसेमंद तरीके से नियंत्रित नहीं कर सकते। अब तो वे एआई के अनुसंधान और विकास का काम भी खुद एआई को ही सौंप रहे हैं।

मुकदमे में नामजद टेक कंपनियों ने टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। यह कानूनी कार्रवाई एआई सुरक्षा को लेकर व्यापक चिंताओं के बीच सामने आई है। हाल ही में सार्वजनिक रूप से ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें एआई एजेंट अनियंत्रित हो गए और उन्होंने बिना किसी अनुमति के काम किए।

गैर-लाभकारी समूहों का तर्क है कि एआई कंपनियां ऐसी तकनीक विकसित कर रही हैं, जिसे नियंत्रित न कर पाने की बात वे खुद स्वीकार कर चुकी हैं। मुकदमे के अनुसार, जैसे-जैसे ये कंपनियां भविष्य के प्लेटफार्म विकसित करने के लिए इनसानी दखल के बिना अपने ही एआई माडल पर अधिक निर्भर होती जाएंगी, यह जोखिम और भी बढ़ सकता है। इस प्रक्रिया को रिकर्सिव सेल्फ-इंप्रूवमेंट कहा जाता है।

मुकदमे में कहा गया है, प्रतिवादियों को पता है कि ये सिस्टम हमेशा उनके इरादों के मुताबिक काम नहीं करते हैं। साथ ही, प्रतिवादियों को यह भी पता है कि उनके एआई सिस्टम को नियंत्रित करने और उनसे होने वाले नुकसान को रोकने का कोई भरोसेमंद तरीका मौजूद नहीं है। गैर-लाभकारी संगठनों ने एआई कंपनियों के अधिकारियों की उन पुरानी टिप्पणियों का भी जिक्र किया है, जिनमें उन्होंने अपनी तकनीक से होने वाले संभावित नुकसान को स्वीकार किया था। उदाहरण के लिए 2015 में ओपेनएआई के सीईओ सैम आल्टमैन ने कहा था कि एआई की वजह से संभवत: दुनिया का अंत हो सकता है। 2025 में ही एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो एमोडेई ने कहा कि इस बात की 25 फीसद संभावना है कि एआई के विकास से विनाशकारी परिणाम सामने आ सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जैसे-जैसे उनकी तकनीक की सुरक्षा को लेकर जांच-पड़ताल बढ़ रही है, टेक लीडर्स ने सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। अक्टूबर में, आल्टमैन, एमोडेई और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क सहित एआई कंपनियों के प्रमुखों ने पूरे उद्योग में एआई के विकास की गति को धीमा करने का समर्थन किया। यह बात तब सामने आई जब एंथ्रोपिक के एक कर्मचारी ने कहा कि इस बात की 10 फीसद संभावना है कि एआई सभी इनसानों को खत्म कर सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आप अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। दाम्पत्य जीवन मे नयापन होगा चहरे पर मुस्कुराहट होगी । बच्चों के साथ गौशाला मे जाकर सेवा करें और दान करें

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए शाकाहारी भोजन की आदत अपनाए । अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आज न सिर्फ़ अजनबियों से, बल्कि दोस्तों से सावधान रहने की ज़रूरत भी है। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। किसी साझीदारी वाले व्यवसाय में जाने से बचें – क्योंकि मुमकिन है कि भागीदार आपका फ़ायदा उठाने की कोशिश करें। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे- साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं । अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। परिवार के सदस्यों की बातों को नजरअंदाज करना आप को नुकसानदेह साबित हो सकती हैं पहली प्राथमिकता परिवार को देनी चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धन का आगमन आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। उदास न हों, कभी-कभी विफल होना कोई ख़राब बात नहीं है। वक्त के साथ चलना आपके लिए अच्छा है लेकिन साथ ही आपको यह समझना भी जरुरी है कि जब कभी आपके पास खाली समय हो अपने करीबियों के साथ वक्त बिताएं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। जिससे शाम का वक्त बहुत ही खुशनुमा बितेगा आप एकदम रिलैक्स फील करेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। शाम ढलते-ढलते कोई आकस्मिक प्यारभरा झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। बच्चों की पढाई पर आप को बहुत मेहनत करनी पडेगी , अन्यथा बच्चों को भविष्य मे अधिक परिश्रम करना पडेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। आपकी क़ामयाबी में महिलाएँ अहम किरदार अदा करेंगी, चाहे आप किसी भी क्षेत्र में क्यों न हों। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे- और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। आपके जीवनसाथी की सेहत आपको चिंता में डाल सकती है। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। कार्यक्षेत्र में समझ-बूझ के उठाए गए आपके क़दम फलदायी होंगे। इससे आपको समय पर योजनाएँ पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही नई परियोजनाएँ शुरू करने के लिए सही समय है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 नवंबर 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 11:25 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा रात्रि 08:24 तक
योग : शूल अहोरात्र
करण : बव प्रात: 10:04 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 03:11 तक
सूर्योदय : 06:20, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:11 सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा))

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सौभाग्य-लाभ-पांडव पंचमी , नेहरु जयंती , बालदिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थानी ब्राह्मण समाज का दीपावली स्नेह सम्मेलन हर्षोल्लास के साथ संपन्न

निजामाबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी निजामाबाद में राजस्थानी ब्राह्मण समाज एवं ब्राह्मण युवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में दीपावली स्नेह सम्मेलन का आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश एवं मां गायत्री की पूजा-अर्चना, माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी बैजनाथ शर्मा का राजस्थानी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अशोक दायमा ने पुष्पमाला पहनाकर एवं राजस्थानी साफा पहनाकर स्वागत किया। तत्पश्चात सभी पदाधिकारियों का भी माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

राजस्थानी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अशोक दायमा ने अपने संबोधन में दीपावली महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी अतिथियों एवं उपस्थित समाजबंधुओं का स्वागत किया।

समाज के मंत्री जुगल किशोर पांडे ने दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए समाज का वार्षिक विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने विवरण में गत वर्ष आयोजित दीपावली स्नेह सम्मेलन, परशुराम जयंती तथा शृंगी ऋषि शोभायात्रा के स्वागत के दौरान पुष्पवर्षा एवं शीतल पेय की व्यवस्था सहित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समाज के विद्यार्थियों को 115 जाति प्रमाण पत्र जारी करवाए गए।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में ब्राह्मण समाज सहित सभी समाजों को राजनीतिक दलों के प्रति सतर्क रहने और अपनी एकता बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) अधिनियम तथा आरक्षण का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष की सभी पार्टियों की ओर से अब निजी नौकरियों में भी आरक्षण की बातें की जा रही हैं। ऐसे में सभी को सावधान रहने और एकजुटता बनाए रखने की आवश्यकता है।

मुख्य अतिथि बैजनाथ शर्मा ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली उमंग, उत्साह और दीपों का पर्व है। यह लक्ष्मीजी की समुद्र मंथन से उत्पत्ति



का पावन पर्व है। उन्होंने समाज में एकता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उन्हें मुख्य अतिथि बनाकर जो सम्मान दिया गया है, उसके लिए वे समाज के सदैव ऋणी रहेंगे।

ब्राह्मण युवा मंच के संचालक किशोर तिवारी ने मारवाड़ी भाषा में अपने संबोधन के माध्यम से युवाओं से प्रत्येक सामाजिक कार्य में आगे रहकर भागीदारी निभाने तथा समाज की एकता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज राजस्थान से आए थे। उन्होंने वहां युद्ध लड़े और विजय प्राप्त की, लेकिन यहां आकर हम एकजुट नहीं रहते। इसलिए सभी को एकता बनाए रखनी चाहिए।

ब्राह्मण समाज के संरक्षक सीताराम पांडे ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए समय और अनुशासन का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति और चपरासी को समान रूप से देखा जाता है।गौरी शंकर दायमा ने कहा कि दीपावली हिंदुओं का बहुत बड़ा त्योहार है। दीपावली से पहले सभी लोग अपने घरों और दुकानों की साफ-सफाई कर उन्हें रंगों एवं दीपों से सजाते हैं। इससे सकारात्मकता का संचार होता है। इस अवसर पर मां लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है।

ब्राह्मण समाज के संरक्षक घनश्याम व्यास ने अपने संबोधन में कहा कि ब्राह्मणों पर हजारों वर्षों से लगातार अत्याचार होते रहे हैं। उन्होंने मुगल काल एवं सेंट जेवियर्स का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्राह्मणों ने अनेक कठिनाइयों का सामना किया है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण स्वाभिमानी होता है और गरीब होने पर भी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाता। उन्होंने समाज से गरीब ब्राह्मण परिवारों की गुप्त रूप से सहायता करने का आग्रह किया, ताकि सहायता प्राप्त करने वाले व्यक्ति का नाम सार्वजनिक न हो।

उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम, एससी-एसटी अधिनियम एवं आरक्षण के विरोध में ब्राह्मण समाज को आंदोलन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के भविष्य के लिए सभी को एकजुट होकर दक्षिण भारत में आंदोलन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि उत्तर भारत में इस संबंध में आंदोलन चल रहा है।

हिंदी के सहायक प्राध्यापक पवन पांडे ने ब्राह्मण युवाओं से सरकारी नौकरियों में आने के लिए मेहनत करने और अच्छी शिक्षा प्राप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने पर सरकारी नौकरी प्राप्त करने की संभावना रहती है। उन्होंने कहा कि उनके अनुसार सरकारी नौकरियों में 50 प्रतिशत पद सामान्य वर्ग के लिए रहते हैं, जिनमें योग्य उम्मीदवार अपनी मेहनत से नौकरी प्राप्त करते हैं, जबकि शेष पद आरक्षण के अंतर्गत आते हैं।

उन्होंने द्रोणाचार्य एवं एकलव्य के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि द्रोणाचार्य द्वारा एकलव्य का अंगूठा लेने की बात वामपंथी दुष्प्रचार है। उन्होंने कहा कि द्रोणाचार्य ने दो अंगुलियों से बाण चलाना सिखाया था।

संजय पुरोहित ने दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निजाम ने व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मारवाड़ी समाज के लोगों को निजामाबाद बुलाया था। उन्होंने 'बटोगे तो कटोगे' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल ब्राह्मण समाज ही नहीं, बल्कि पूरे हिंदू समाज की एकता के लिए आवश्यक है। उन्होंने सभी से एकजुट रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के मंच पर उपाध्यक्ष सत्यनारायण नागला, उपमंत्री अशोक शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेश पुरोहित एवं उपसंचालक अनिल उपाध्याय (बिट्टू) उपस्थित थे। इस अवसर पर राजस्थानी ब्राह्मण समाज की कार्यकारिणी के सदस्य महावीर दायमा, प्रवीण व्यास, पवन गौड़, राजेंद्र पांडे, श्याम जोशी, राजेश व्यास एवं गोपाल महाराज उपस्थित थे। राजस्थानी ब्राह्मण युवा मंच के उपमंत्री शुभम दायमा, कोषाध्यक्ष राम जीवन व्यास तथा कार्यकारिणी सदस्य नितिन दायमा, विनोद पांडे, एडवोकेट विक्रम व्यास, दिनेश पांडे, तरुण उपाध्याय, मनमोहन उपाध्याय, विकास व्यास एवं नितेश जोशी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर तेलंगाना सरकार द्वारा कमल दायमा को शंभु लिंगेश्वर मंदिर के निदेशक पद पर नियुक्त किए जाने पर शॉल एवं माला पहनाकर तथा स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कैलाश शर्मा को सहायक रिजर्व उपनिरीक्षक (एआरएसआई) पद पर पदोन्नति मिलने पर शॉल एवं माला पहनाकर तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा नितिन दायमा एवं ओंकार महाराज का भी शॉल एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया।कार्यक्रम का सफल मंच संचालन सतीश व्यास ने किया, जबकि उपाध्यक्ष सत्यनारायण नागला ने आभार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य बंधुओं, महिलाओं एवं युवाओं ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया। अंत में सहभोज का आयोजन किया गया।



हैदराबाद निवासी श्री धनराज जी शिवप्रसाद व्यास द्वारा श्री सिखवाल भवन, पाली मारवाड, राजस्थान में आयोजित अन्नकूट कार्यक्रम में भाग लेते हुए स्थानीय विधायक भीमराज भाटी, विप्र युवा महासभा अध्यक्ष कनिष्क शर्मा, पूर्व नगरपालिका चेयरमैन कुसुम सोनी का स्वागत करते हुए शिवप्रसाद व्यास व अन्य समाज बंधु। अवसर पर समाजबंधुओं ने छप्पनभोग के दर्शन कर अन्नकूट प्रसाद का लाभ लिया।

जवाहर बाल भवन के पुनरुद्धार की उठी मांग

बच्चों के भविष्य के लिए तेलंगाना सरकार तत्काल बजट जारी करे

गोल्डन एलीफेंट बाल फिल्म महोत्सव फिर शुरू करने की अपील

फ़ोटो : जवाहर बाल भवन

हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के नामपल्ली स्थित ऐतिहासिक जवाहर बाल भवन आज अपने पुनरुद्धार, आधुनिकीकरण और सरकारी ध्यान की प्रतीक्षा कर रहा है। बच्चों की रचनात्मकता, शिक्षा और सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित यह संस्थान व्यापक नवीनीकरण की आवश्यकता महसूस कर रहा है। 23 जून 1966 को स्थापित जवाहर बाल भवन बच्चों को सीखने, नई चीजों की खोज करने और अपनी प्रतिभा को निखारने के अवसर प्रदान करने की गौरवशाली विरासत का प्रतीक रहा है।

तेलंगाना सरकार को जवाहर बाल भवन के बुनियादी ढांचे के पुनरुद्धार, कक्षाओं एवं गतिविधि केंद्रों के नवीनीकरण तथा आधुनिक बाल शिक्षण सुविधाओं की स्थापना के लिए तत्काल विशेष बजट आवंटित करना चाहिए। इसके अंतर्गत विज्ञान एवं नवाचार किट, कंप्यूटर, डिजिटल शिक्षा सुविधाएं, कला सामग्री, संगीत वाद्ययंत्र, खेल उपकरण तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों से संबंधित आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए, ताकि बच्चों को आधुनिक सुविधाओं के साथ अपनी प्रतिभा विकसित करने का अवसर मिल सके।



इसके साथ ही प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव (आईसीएफएफआई) अर्थात गोल्डन एलीफेंट को पुनः शुरू करना भी अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए ललिता कला तोरणम को प्रमुख प्रस्तावित आयोजन स्थल बनाया जाना चाहिए। सरकार को 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती एवं बाल दिवस के अवसर पर पब्लिक गार्डन्स में बाल सांस्कृतिक कार्यक्रमों और फिल्म प्रदर्शन की गौरवशाली परंपरा को पुनर्जीवित करने की दिशा में कदम उठाना चाहिए।

इस संबंध में माननीय मुख्यमंत्री तथा पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा और सिनेमैटोग्राफी विभागों के मंत्रियों को संयुक्त रूप से पुनरुद्धार कार्यक्रम शुरू करना चाहिए। इसके लिए पर्याप्त बजट आवंटित करने के साथ ही निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्यों को पूरा करने और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष समिति का गठन किया जाना चाहिए। बच्चे केवल औपचारिक समारोहों के हकदार नहीं हैं, बल्कि उन्हें सुचारु रूप से संचालित शैक्षणिक संस्थानों, आधुनिक शिक्षण सुविधाओं, रचनात्मक अवसरों और जीवंत सांस्कृतिक वातावरण की आवश्यकता है। जवाहर बाल भवन और गोल्डन एलीफेंट बाल फिल्म महोत्सव का पुनरुद्धार पंडित जवाहरलाल नेहरू के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होने के साथ-साथ तेलंगाना की भावी पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य में एक महत्वपूर्ण निवेश साबित होगा।

760 विद्यार्थियों की संख्या देखकर प्रसन्न हुए सांसद वमसी कृष्णा



पेद्दापल्ली, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पेद्दापल्ली के सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की बड़ी संख्या देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विद्यालय के विकास के लिए सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) निधि से आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सांसद वामसी कृष्णा ने कहा कि विद्यालय में 760 विद्यार्थियों का होना कोई सामान्य बात नहीं है। यह स्थानीय लोगों, सरपंच एवं विद्यालय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से हासिल की गई एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सभी संबंधित लोगों को हृदय से बधाई दी। उन्होंने विद्यालय में लगभग 100 विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध होने को भी सराहनीय बताया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने विद्यालय एवं छात्रावास से संबंधित विभिन्न समस्याओं और आवश्यकताओं को सांसद के ध्यान में लाया। सांसद ने अनुरोध किया कि विद्यालय एवं छात्रावास से जुड़ी सभी समस्याओं और आवश्यकताओं का विस्तृत विवरण लिखित रूप में उन्हें उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि विद्यालय के विकास एवं आवश्यक सुविधाओं के लिए वे अपने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) कोष से अवश्य सहायता प्रदान करेंगे।

कोंडागट्टू में चंदनोत्सव एवं महा संप्रोक्षण कल से



पेद्दापल्ली, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री अंजनेयस्वामी देवस्थानम, कोंडागट्टू में इस माह 15 से 20 नवंबर तक आयोजित होने वाले श्री स्वामी के चंदनोत्सवम एवं महा संप्रोक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तेलंगाना राज्य विधानसभा के अध्यक्ष श्री गद्दाम प्रसाद को मंदिर प्रशासन की ओर से विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। मंदिर प्रशासन ने उन्हें कार्यक्रम में शामिल होकर स्वामी के दर्शन करने तथा आशीर्वाद प्राप्त करने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर मंदिर प्रशासन के अधिकारियों ने विधानसभा अध्यक्ष को उत्सव का विशेष निमंत्रण पत्र सौंपा और कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया। इस दौरान मंदिर के कार्यकारी अधिकारी श्री अंजना रेड्डी, अधीक्षक श्री सुनील कुमार, वैदिक विद्वान श्री राजेश्वर शर्मा, उप मुख्य पुजारी श्री अनिल कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

नशा-मुक्ति में सबकी भागीदारी जरूरी : अंबर किशोर झा



पेद्दापल्ली, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के तहत पेद्दापल्ली जोन पुलिस की ओर से नशा-मुक्त भारत एवं ऑपरेशन परिवर्तन अभियान के अंतर्गत नंदना गार्डन में विद्यार्थियों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा और पेद्दापल्ली डीसीपी भुक्या राम रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर ने कहा कि पेद्दापल्ली जिले को नशा-मुक्त बनाने के लिए पुलिस, शिक्षकों, अभिभावकों और समाज के सभी लोगों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की गतिविधियों और व्यवहार पर नजर रखने तथा शिक्षण संस्थानों में जागरूकता समितियां गठित करने की अपील की। उन्होंने बताया कि सिंगरेनी मेडिकल कॉलेज में नशा मुक्ति केंद्र के माध्यम से नशे के आदी लोगों को उपचार एवं काउंसलिंग की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने नशे के आदी युवाओं से स्वेच्छा से उपचार कराने और उन्हें अपराधी समझने के बजाय सुधारने में सहयोग करने का आग्रह किया। साथ ही नशे की सप्लाई, बिक्री और सेवन में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।कार्यक्रम में डीसीपी भुक्या राम रेड्डी, एसीपी जी. कृष्णा, सीआई प्रवीण कुमार, यातायात निरीक्षक श्रीनिवास, महिला पुलिस स्टेशन निरीक्षक रमेश बाबू, एसआई राजशेखर, ग्रामीण एसआई मधुकर, श्वेता सहित अन्य उपस्थित रहे।

एमएलसी स्नातक मतदाता पंजीकरण को लेकर बैठक आयोजित

हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा एंडोमेंट सेल, खैरताबाद विधानसभा की बैठक हिमायतनगर स्थित संयोजक कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में आगामी एमएलसी चुनावों के मद्देनजर स्नातक मतदाता पंजीकरण अभियान, संगठन को मजबूत बनाने तथा प्रत्येक डिवीजन में टीमों के गठन पर चर्चा की गई। तेलंगाना राज्य सह-संयोजक निरंजन देसाई एवं संयुक्त संयोजक शिवप्रसाद ने कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी निभाने और अधिक से अधिक स्नातक मतदाताओं का पंजीकरण कराने का आह्वान किया। हैदराबाद सेंट्रल जिला संयोजक पोचाला प्रसाद ने अभियान को सफल बनाने पर जोर दिया। खैरताबाद विधानसभा संयोजक धीरेंद्र बियानी ने पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी देते हुए प्रत्येक डिवीजन में एमएलसी नामांकन सहायता केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा तथा आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में म्थोटा मल्लिकार्जुन, संतोष, महेश, ज्योति, नीलेश कलंत्री, शेखर, राजू, सुनीता, राघवेंद्र सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।



जानें महाभारत में छुपे इस अदभूत रहस्य को



महाभारत और रामायण में कई रहस्य छुपे हुए हैं। युधिष्ठिर के राज में प्रजा को किसी भी चीज की कोई कमी नहीं थी। किंवदंतियों की मान्यता अनुसार कि एक दिन देवऋषि नारद मुनि महाराज युधिष्ठिर के समक्ष प्रकट हुए और कहने लगे कि आप सभी पांडव यहां प्रसन्नतापूर्वक रह रहे हैं, लेकिन वहां स्वर्गलोक में आपके पिता बहुत दुखी हैं। देवऋषि के ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने इसका कारण पूछा, तो देवऋषि ने कहा, 'वे अपने जिंदा रहते हुए राजसूय यज्ञ करवाना चाहते थे लेकिन ऐसा वे कर नहीं सके इसलिए दुखी हैं।

महाभारत और रामायण में कई रहस्य छुपे हुए हैं। ऐसा ही एक रहस्य है महाभारत में। यह उस समय की बात है, जब युद्ध में पांडवों ने कौरवों पर विजयश्री प्राप्त कर ली थी और पांडव हस्तिनापुर में सुखपूर्वक जीवन गुजार रहे थे। युधिष्ठिर के राज में प्रजा को किसी भी चीज की कोई कमी नहीं थी। किंवदंतियों की मान्यता अनुसार कि एक दिन देवऋषि नारद मुनि महाराज युधिष्ठिर के समक्ष प्रकट हुए और कहने लगे कि आप सभी पांडव यहां प्रसन्नतापूर्वक रह रहे हैं, लेकिन वहां स्वर्गलोक में आपके पिता बहुत दुखी हैं।

देवऋषि के ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने इसका कारण पूछा, तो देवऋषि ने कहा, 'वे अपने जिंदा रहते हुए राजसूय यज्ञ करवाना चाहते थे लेकिन ऐसा वे कर नहीं सके इसलिए दुखी हैं। महाराज युधिष्ठिर आपको आपके पिता की आत्मा की शांति के लिए यह यज्ञ करवाना चाहिए।' नारदजी के ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने अपने पिता की आत्मा शांति के लिए राजसूय यज्ञ करने की घोषणा की। इसके लिए उन्होंने नारदजी के परामर्श पर भगवान शिव के परम भक्त ऋषि पुरुष मृगा को आमंत्रित करने का फैसला लिया। ऋषि पुरुष मृगा जन्म से आधे पुरुष शरीर के तथा नीचे से उनका पैर मृग का था, लेकिन वे कहां रहते थे यह किसी को पता नहीं था।

किंवदंति अनुसार ऐसे में युधिष्ठिर ने उन्हें ढूंढकर यज्ञ में आमंत्रित करने के लिए भीम को इसकी जिम्मेदारी सौंपी। भीम अपने बडे भ्राता की आज्ञा का पालन करते हुए ऋषि पुरुष मृगा को खोजने निकल पडे। खोजते-खोजते वे घने जंगलों में पहुंच गए। जंगल में चलते वक्त भीम को मार्ग में हनुमानजी दिखाई दिए जिन्होंने भीम के घमंड को चूर किया। यह कथा तो आपको मालूम ही है। भीम भी पवनपुत्र हैं, इस नाते भीम हनुमानजी के भाई हुए। भीम ने लेटे हुए हनुमानजी को बंदर समझकर उनसे अपनी पूंछ हटाने के लिए कहा। तब बंदर ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर वह उसकी पूंछ हटा सकता है तो हटा दे, लेकिन भीम उनकी पूंछ हिला भी नहीं पाए। तब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि यह कोई साधारण बंदर नहीं है। यह बंदर और कोई नहीं, बल्कि हनुमानजी थे। भीम ने यह जानकर हनुमानजी से क्षमा मांगी। भीम ने हनुमानजी को अपने जंगल में भटकने का उदेश्य बताया। कुछ विचार करने के बाद हनुमानजी ने भीम को अपने शरीर के 3 बाल दिए और कहा कि इन्हें अपने पास रखो संकट के समय में ये तुम्हारे काम आएंगे।

भीम ने हनुमानजी के वे 3 बाल अपने पास सुरक्षित रख लिए और चल पडे ऋषि मृगा को ढूंढने। कुछ दूर जाने के बाद ही भीम को भगवान शिव के परम भक्त पुरुष मृगा मिल गए, जो महादेव शिव की स्तुति कर रहे थे। भीम ने उनके पास जाकर उन्हें प्रणाम किया तथा अपने आने का प्रयोजन बताया। इस पर ऋषि पुरुष मृगा भी उनके साथ चलने को राजी हो गए, लेकिन उन्होंने एक शर्त रख दी। पुरुष मृगा ने यह शर्त रखी कि तुम्हें मुझसे पहले हस्तिनापुर पहुंचना होगा, नहीं तो मैं तुम्हें खा जाऊंगा। भीम ने थोडी देर विचार करने के बाद ऋषि पुरुष मृगा की शर्त स्वीकार कर ली। शर्त स्वीकार करने के बाद वे अपनी पूरी शक्ति के साथ हस्तिनापुर की और दौडने लगे। बहुत दूर तक भागते-भागते भीम ने जब पीछे की ओर यह जानने के लिए देखा कि ऋषि पुरुष मृगा कितने पीछे रह गए हैं तो उन्होंने पाया कि ऋषि तो बस उन्हें पकडने ही वाले हैं। यह देख भीम चौंक गए और घबराकर अपनी पूरी शक्ति के साथ शीघ्रता से भागने लगे। लेकिन हर बार पीछे देखने पर उन्हें ऋषि मृगा उनके बिलकुल पास नजर आते थे।

भागते-भागते तभी भीम को हनुमानजी के दिए उन 3 बालों की याद आ गई। हनुमानजी ने कहा था कि संकट काल में ये तुम्हारे काम आएंगे। भीम ने उनमें से एक बाल दौडते-दौडते जमीन पर फेंक दिया। वह बाल जमीन में गिरते ही लाखों शिवलिंगों में परिवर्तित हो गया। भगवान शिव के परम भक्त होने के कारण ऋषि पुरुष मृगा मार्ग में आए प्रत्येक शिवलिंग को प्रणाम करते हुए आगे बढने लगे। इसके चलते भीम को दूर तक भागने का मौका मिल गया। कुंती पुत्र भीम लगातार भागते रहे। फिर जब भीम को लगा कि ऋषि अब फिर से उन्हें पकड ही लेंगे तो उन्होंने फिर से एक बाल गिरा दिया और वह बाल भी बहुत से शिवलिंगों में परिवर्तित हो गया। इस प्रकार से भीम ने ऐसा 3 बार किया।

अंत में जब भीम हस्तिनापुर के द्वार में घुसने ही वाले थे कि ऋषि पुरुष मृगा उन्हें पकडने के लिए दौडे और उन्हें पकड ही लिया था कि तभी भीम ने छलांग लगाई और उनका बस पैर ही द्वार के बाहर रह गया था। इस पर पुरुष मृगा ने उन्हें पकडते हुए खाना चाहा,लेकिन उसी दौरान भगवान कृष्ण और युधिष्ठिर द्वार पर पहुंच गए। दोनों को देखकर युधिष्ठिर ने भी पुरुष मृगा से बहस करनी शुरू कर दी। तब युधिष्ठिर से पुरुष मृगा ने कहा कि शर्त अनुसार इसका पैर द्वार के बाहर ही था अत: यह पहुंच नहीं पाया। ऐसे में मैं इसे खाऊंगा। फिर भी हे धर्मराज तुम न्याय करने के लिए स्वतंत्र हो। ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने ऋषि पुरुष मृगा से कहा कि भीम के केवल पैर ही द्वार के बाहर रह गए थे, बाकी संपूर्ण शरीर तो द्वार के अंदर ही है अत: आप भीम के केवल पैर ही खा सकते हैं।

ऐसा सुनकर युधिष्ठिर के न्याय से ऋषि पुरुष मृगा प्रसन्न हुए तथा उन्होंने भीम को जीवनदान दे दिया। इसके बाद ऋषि ने यज्ञ संपन्न करवाया और सबको आशीर्वाद भी दिया।

क्यों, माता आद्या शक्ति की पूजा मनोकामना पूर्ण दायक होती है

सृष्टि के संचालन हेतु, भगवान विष्णु पालनहार, ब्रहमा रचनाकार, तथा शिव संहारक हुए। क्रमश: तीनो महा देव, तीन प्राकृतिक गुणों के कारक बने, सत्व गुण, रजो गुण तथा तमो गुण, संपूर्ण ब्रहमाण्ड का संचालन इन्हीं गुणों के द्वारा ही होता हैं, परन्तु इन कार्यों में इच्छा शक्ति, माता आदि शक्ति की ही होती हैं। इनकी पूजा मनोकामना पूर्ण दायक होती है ।

त्रि-देवो के अनुसार इन की, जीवन संगिनी भी इन कार्यों में संलग्न रहती हैं। त्रि-देवियाँ या महा-देवियाँ, महा लक्ष्मी, महा सरस्वती तथा महा काली के रूप में, त्रि-देवो की जीवन संगिनी तथा सहायक हैं। महा लक्ष्मी के रूप में ये भगवान विष्णु कि सात्विक शक्ति हैं, महा सरस्वती के रूप में ये ब्रहमा जी की राजसिक शक्ति हैं तथा सती अथवा पार्वती के रूप में ये शिव के तामसी शक्ति हैं। काली कुल की देवियाँ प्राय, घोर भयानक स्वरूप तथा उग्र स्वाभाव वाली होती हैं तथा इन का सम्बन्ध काले रंग से होता हैं, इस के विपरीत श्री कुल के देवियाँ सौम्य तथा कोमल स्वाभाव की तथा लाल रंग से सम्बंधित होती हैं। महा कालीश्मशान के भयानक वातावरण में, शिव की छाती पर पैर रख मग्न रहने वाली, भयानक, घोर-रूपा शक्ति ''महा काली'' के नाम से जानी जाती हैं। आदि काल में, जब कुछ भी व्याप्त नहीं था, केवल चारो ओर अंधकार ही अंधकार दृष्टि-गोचर होता था, व्याप्त अंधकार से एक शक्ति उत्पन्न हुई, जिस का नाम काली पडा। अंधकार से जन्मा होने के परिणाम स्वरूप, ये शक्ति तमोगुणी तथा काले वर्ण वाली हैं। वे दिव्य स्वरूप वाली, हजारों चन्द्रमा के किरणों से प्रतिबिंबित कांति वाली प्रतीत होती हैं। इन्हीं की इच्छा शक्ति ने इस संपूर्ण चराचर जगत को उत्पन्न किया हैं तथा सभी को अपने कर्मों का फल प्रदान करने वाली हैं। प्रलय काल मैं ये स्वयं महाकाल का भी भक्षण करने मैं समर्थ हैं। भगवान विष्णु के योग निमग्न रहते हुए, उदित होने वाली तामसी शक्ति, स्वयं आद्या शक्ति हैं जो संहारक हैं तथा महा माया काली के नाम से विख्यात हैं।



हिन्दू शास्त्रों के अनुसार, आद्या शक्ति माँ, भगवान् विष्णु के अन्तः कारण की शक्ति हैं, योगमाया शक्ति हैं, तथा प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से संपूर्ण ब्रहमाण्ड के उत्पत्ति के कारक हैं। भगवान ब्रहमा और शिव, की उत्पत्ति भी इन्हीं के अनुसार ही हुई हैं।

यह षडक्षर मंत्र सभी दुख दूर करने वाला मंत्र माना गया है

शिव का रूप : शिव यक्ष के रूप को धारण करते हैं और लंबी-लंबी खूबसूरत जिनकी जटाएँ हैं, जिनके हाथ में 'पिनाक' धनुष है, जो सत् स्वरूप हैं अर्थात् सनातन हैं, यकार स्वरूप दिव्यगुणसम्पन्न उज्जवलस्वरूप होते हुए भी जो दिगम्बर हैं। जो शिव नागराज वासुकि का हार पहिने हुए हैं, वेद जिनकी बारह रुद्रों में गणना करते हैं, पुराण उन्हें शंकर और महेश कहते हैं उन शिव का रूप विचित्र है। अर्धनग्न शरीर पर राख या भभूत मले, जटाधारी, गले में रुद्राक्ष और सर्प लपेटे, तांडव नृत्य करते हैं तथा नंदी जिनके साथ रहता है। उनकी भृकुटि के मध्य में तीसरा नेत्र है। वे सदा शांत और ध्यानमग्न रहते हैं। इनके जन्म का अता-पता नहीं हैं। वे स्वयंभू माने गए हैं।

भगवान शिव का मंत्र

''ऊँ नम शिवाय''यह षडक्षर मंत्र सभी दुख दूर करने वाला मंत्र माना गया है।'ऊँ' भगवान शिव का एकाक्षर मंत्र हैं।'नम शिवाय' भगवान शिव का पंचाक्षरी मंत्र है। शिवपुराण के अनुसार भगवान शिव के दो विवाह हुए। दोनों ही बार उनका विवाह भगवती के अवतारों से हुआ। पहला राजा दक्ष की पुत्री सती के साथ और दूसरा हिमालय पुत्री देवी पार्वती के साथ। शिवजी के दो पुत्र माने गए हैं कार्तिकेय और भगवान गणेश। कई जगह शिवांशों यानि शिव के अंशो का वर्णन किया गया जिनमें अंधक नामक शिवांश सबसे प्रमुख हैं।

शिव महिमा : शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर को जो वरदान दिया था उसके जाल में वे खुद ही फँस गए थे। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने दक्ष के यज्ञ को नष्ट कर दिया था। ब्रहमा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रहमा को शापित कर विष्णु को वरदान दिया था। शिव की महिमा का वर्णन पुराणों में मिलता है।

शिव के प्रमुख नाम : शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहाँ प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

शिवलिंग : विश्व कल्याण के लिए भगवान शिव संसार में शिवलिंग के रूप में विद्यमान हैं। भारत में कई जगह शिवलिंग पाए जाते हैं। भारत में बारह अहम ज्योतिर्लिंग हैं जहां भोलेनाथ शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं।

ज्योतिर्लिंग : ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएँ प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रहमात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रहम, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

शिव निवास : तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर प्रारम्भ में उनका निवास रहा। वैज्ञानिकों के अनुसार तिब्बत धरती की सबसे प्राचीन भूमि है और पुरातनकाल में इसके चारों ओर समुद्र हुआ करता था। फिर जब समुद्र हटा तो अन्य धरती का प्रकटन हुआ। जहाँ पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रहमाजी का स्थान है। ऐसा पुराण कहते हैं। काशी मान्यतानुसार भगवान शिव का निवास कैलाश पर्वत पर है। लेकिन उनकी प्रिय नगरी है काशी। पुराणों के अनुसार काशी के कण-कण में शिव विराजमान हैं।

शिव की प्रिय वस्तुएं : रुद्राक्ष : भगवान शिव के आभूषणों में रुद्राक्ष का अहम महत्व है। मान्यता है कि त्रिपुरासुर नामक राक्षस के वध के बाद भगवान शिव के नेत्रों से गिरे अश्रु बिन्दुओं से वृक्ष उत्पन्न हुए और रुद्राक्ष के नाम से प्रसिद्ध हुए।

भस्म : भगवान भोलेनाथ भस्मी में रमते हैं। मान्यता है कि शिवजी की पूजा भस्म के बिना पूर्ण नहीं होती।

बेलपत्र : भगवान शंकर का एक नाम भोलेनाथ भी है क्योंकि वह बहुत जल्दी किसी की भी मनोकामना पूर्ण कर देते हैं। उनकी पूजा में छत्तीस भोग नहीं लगते वह तो मात्र भांग, धतूरे और बेलपत्र के चढावे से प्रसन्न हो जाते हैं।



''ऊँ नम शिवाय'' यह षडक्षर मंत्र सभी दुख दूर करने वाला मंत्र माना गया है। 'ऊँ' भगवान शिव का एकाक्षर मंत्र हैं। 'नम शिवाय' भगवान शिव का पंचाक्षरी मंत्र है। भगवान शिव को आदि देव माना जाता है। हिन्दू मान्यतानुसार भगवान शिव संहार करने वाले माने जाते हैं। जो इस संसार में आता है उसे जाना भी होता है और भगवान शिव इसी कार्य के कर्ता माने जाते हैं। शिव है धर्म की जड। शिव से ही धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष है।

अपार कृपा चाहिए तो कीजिए अपरा एकादशी व्रत

शास्त्रों में कहा गया है कि कार्तिक मास में स्नान करने या गंगा तट पर पितरों का पिंडदान करने से जो फल प्राप्त होता है वैसा ही फल अपरा एकादशी का व्रत करने से प्राप्त होता है। इस दिन भगवान विष्णु के पांचवे अवतार वामन की पूजा कर उनकी कृपा प्राप्त की जाती है।



एकादशी व्रत सिर्फ मोक्ष और मुक्ति की कामना से ही नहीं किया जाता है बल्कि इस व्रत के प्रताप से धन-धान्य और समृद्धि में भी बढोतरी होती है। ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी ही अपरा या अचला एकादशी कही जाती है। भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करके जीवन में सभी तरह के कष्टों से मुक्ति पाई जा सकती है। चूंकि यह अपार भगवत कृपा दिलाने वाली एकादशी है इसलिए इसे अपरा एकादशी के नाम से जाना जाता है। यह एकादशी भवसागर से पार उतारने वाली है। पद्मपुराण में वर्णन है कि इस एकादशी का प्रभाव व्यक्ति को तमाम तरह के आर्थिक संकटों से मुक्ति दिलाता है और उसे मुश्किलों से उबारता है। यह भी मान्यता है कि इस एकादशी पर व्रत के प्रताप से ऐसे बुरे कर्मों का भी शमन होता है जिनके परिणामस्वरूप व्यक्ति को प्रेत योनि में जाना पड सकता है। शास्त्रों में कहा गया है परनिंदा, छल, दूसरों से ठगी और झूठ बोलना ये ऐसी बुराइयां हैं जिनसे व्यक्ति का परलोक बिगडता है और भूलवश भी अगर ये गलतियां मनुष्य से हो जाएं तो आत्मा का मैल धोने के लिए ही एकादशी व्रत श्रेष्ठ है।

यह व्रत आत्मा को निर्मल और स्वच्छ करता है और दूसरों के प्रति अधिक भलाई से पेश आने की सीख देता है। इस व्रत से मिलने वाला सौभाग्य तीर्थ यात्रा, पिंडदान, सुवर्ण दान आदि से बढकर है। विधि-विधान से यह व्रत करने वाला कष्टों से मुक्ति पाकर विष्णु धाम का भागी होता है।

पुराणों में कहा गया है कि एकादशी के दिन प्रात:काल मन को विकारों से मुक्त करें। स्नानादि से निवृत्त होकर भगवान विष्णु की पूजा करें। उन्हें तुलसीदल, फल, चंदन अर्पित करें। पूरे दिन मन को संयमित रखें और झूठ और कपटपूर्ण व्यवहार भूलवश भी न होने पाए। जो श्रद्धालु किसी कारण व्रत नहीं रखते हैं उन्हें एकादशी के दिन चावल का प्रयोग भोजन में नहीं करना चाहिए। इस दिन विष्णु सहानाम का पाठ करने से भगवान की कृपा पाई जा सकती है। 'ऊं नमो भगवते वासुदेवाय इस द्वादश मंत्र का जाप करें। राम, कृष्ण, नारायण आदि विष्णु के सहस्त्रनाम जपें। इस दिन भगवान विष्णु का स्मरण कर प्रार्थना करें कि - 'हे त्रिलोकीनाथ! मेरी लाज आपके हाथ है, अत: मुझे इस व्रत प्रण को पूरा करने की शक्ति प्रदान करना।

एकादशी व्रत करने की इच्छा रखने वाले मनुष्य को दशमी के दिन से कुछ नियमों का पालन करना चाहिए। इस दिन प्याज, मसूर की दाल सहित कुछेक वस्तुओं को त्याज देना चाहिए। ब्रहमचर्य का पालन करना चाहिए तथा भोग-विलास से दूर रहना चाहिए। एकादशी के दिन प्रात: लकडी का दातुन न करें, नीबू, जामुन या आम के पत्ते लेकर चबा लें और अंगुली से कंठ साफ कर लें। वृक्ष से पत्ता तोडना भी इस दिन निषेध है।

अत: गिरे हुए पत्ते लेकर उनका उपयोग करें। इस दिन जाने-अनजाने किसी का दिल दुखाने के लिए बार-बार क्षमा मांगना चाहिए। एकादशी का अर्थ तन और मन दोनों की शुद्धि है। मन में दूसरों के प्रति किसी भी तरह का बैर भाव न रहे यही एकादशी का सच्चा अर्थ है। इस दिन अपने मनोविकारों पर नियंत्रण का पूर्ण प्रयास करना चाहिए। एकादशी के दिन यथाशक्ति दान करना चाहिए या किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना चाहिए। इस दिन किंतु किसी का दिया हुआ अन्ना कदापि ग्रहण न करें। इस दिन जो भी वस्तु ग्रहण करें उसका पहले प्रभु को भोग लगाएं। द्वादशी के दिन ब्राहमणों को मिष्ठान्ना और दक्षिणा देना चाहिए। इस दिन अपनी वाणी को सयंमित रखने का पूरा प्रयास करना चाहिए।

व्रत की महत्ता : ग्रंथों में अचला एकादशी व्रत के साथ एक कथा आती है कि महिध्वज नामक एक धर्मात्मा राजा था। उसका छोटा भाई बज्रध्वज बहुत ही क्रूर, अधर्मी तथा अन्यायी था। वह बडे भाई से बहुत द्वेष रखता था तथा स्वभाव से भी अवसरवादी था। एक रात उसने अपने बडे भाई की हत्या कर दी और उसकी देह को पीपल के नीचे दबा दिया। मृत्यु उपरांत वह पीपल के वृक्ष पर उत्पात मचाने लगा। लोग उससे बहुत परेशान हो गए। एक दिन अकस्मात धौम्य ऋषि का उधर से गुजरना हुआ। जब उन्हें इस बात का बोध हुआ तो उन्होंने अपने तपोबल से पेड पर रहने वाली उस आत्मा को नीचे उतारा और उसे उपदेश दिया। उसे इस योनि से छुटकारे के लिए अपरा एकादशी व्रत का मार्ग सुझाया। इस प्रकार इस व्रत के प्रभाव से उसकी मुक्ति संभव हुई। धर्मग्रंथों की ये प्रतीकात्मक कथाएं हमें बताती हैं कि अगर हम ईश्वर का भजन करते हैं और उसकी शरण पाते हैं तो हम जीवन की भुलभूलैया से निकल पाते हैं और हमें सही रास्ता मिल जाता है।

बिना डॉक्टर से पूछें न लें खांसी सिरप



खांसी होने पर सामान्यत हम कैमिस्ट से कफ सिरप ले आते हैं। लेकिन इनका प्रयोग विशेषज्ञ की सलाहानुसार ही किया जाना चाहिए क्योंकि यह अलग-अलग कारणों से विभिन्न प्रकार की हो सकती है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के संक्रमण से खांसी होने पर इसे एंटीबायोटिक से नियंत्रित किया जाता है। एंटी-हिस्टामाइन्स एलर्जी, खाने की दवा के रिएक्शन से खांसी होने पर एंटी-हिस्टामाइन्स कारगर मानी जाती है।

आपके लिए खतरनाक है धूम्रपान

शोध से यह पता चलता है कि धूम्रपान और मानसिक स्वास्थ्य का परस्पर घनिष्ठ संबंध है। 2700 लोगों पर एक शोध किया गया और पाया गया कि धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, उन व्यक्तियों की तुलना में जो धूम्रपान नहीं करते, अधिक चिंतित व उदास रहते हैं। उनका मानसिक स्वास्थ्य सही नहीं रहता। जो लोग इस आदत से छुटकारा नहीं पा सकते, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर तो इसका बहुत ही बुरा असर पड़ता है।

मिट्टी में सोने के अद्भुत फायदे



मिट्टी में सोने से कई फायदे होते हैं। इसका उपयोग कई तरह के रोगों के इलाज में भी किया जाता है। इससे नींद न आना, स्नायु की कमजोरी और खून की खराबी आदि रोग दूर होते हैं। इसके अलावा मिट्टी की मालिश-मिट्टी को शरीर पर अच्छी तरह से मलने से और शरीर पर लगाने से जहरीले तत्व शरीर से बाहर निकल जाते हैं। साबुन के स्थान पर शुद्ध मिट्टी लगाकर नहाने से कई प्रकार के रोगों में फायदा होता है।

घरेलू उपचार

पित्त और कफ विकारों में गूलर का चमत्कार...



मोरासी परिवारी का सदस्य गूलर लंबी आयु वाला वृक्ष है। इसका वनस्पतिक नाम फीकुस ग्लोमेराता रौक्सबुर्ग है। यह सम्पूर्ण भारत में पाया जाता है। यह नदी-नालों के किनारे एवं दलदले स्थानों पर उगता है। इसके फल गोल, गुच्छों में लगते हैं। फल मार्च से जून तक आते हैं। कच्चा फल छोटा हरा होता है पकने पर फल मीठे, मुलायम तथा छोटे-छोटे दानों से युक्त होते हैं। इसका फल देखने में अंजीर के फल जैसा लगता है। इसके तने से क्षीर निकलता है। आयुर्वेदिक चिकित्सकों के अनुसार गूलर का कच्चा फल कसैला और दाहनाशक है। पका हुआ गूलर रुचिकारक, मीठा गूलर शीतल, पित्तशामक, तृषाशामक, श्रमहर, कब्ज मिटाने वाला तथा पौष्टिक है। इसकी जड़ में रक्तस्राव रोकने तथा जलन शांत करने का गुण है। गूलर के कच्चे फलों की सब्जी बनाई जाती है तथा पके फल खाए जाते हैं। इसकी छाल का चूर्ण बनाकर या अन्य प्रकार से उपयोग किया जाता है। गूलर के नियमित सेवन से शरीर में पित्त एवं कफ का संतुलन बना रहता है। इसलिए पित्त एवं कफ विकार नहीं होते। साथ ही इससे उदरस्थ अग्नि एवं दाह भी शांत होते हैं। पित्त रोगों में इसके पत्तों के चूर्ण का शहद के साथ सेवन भी फायदेमंद होता है।

मधुमेह में राहत: गूलर की छाल ग्राही है, रक्तस्राव को बंद करती है। साथ ही यह मधुमेह में भी लाभप्रद है। गूलर के कोमल-ताजा पत्तों का रस शहद में मिलाकर पीने से भी मधुमेह में राहत मिलती है। इससे पेशाब में शर्करा की मात्रा भी कम हो जाती है।

बवासीर में फायदेमंद: गूलर के तने का दूध बवासीर एवं दस्त के लिए श्रेष्ठ दवा है। खूनी बवासीर के रोगी को गूलर के ताजा पत्तों का रस पिलाना चाहिए। इसके नियमित सेवन से त्वचा का रंग भी निखरने लगता है।

बिवाई फटने पर: हाथ-पैरों की त्वचा फटने या बिवाई फटने पर गूलर के तने के दूध का लेप करने से आराम मिलता है, पीड़ा से छुटकारा मिलता है। गूलर से स्त्रियों की मासिक धर्म संबंधी अनियमितताएं भी दूर होती हैं। स्त्रियों में मासिक धर्म के दौरान अधिक रक्तस्राव होने पर इसकी छाल के काढ़े का सेवन करना चाहिए। इससे अत्याधिक बहाव रुक जाता है। ऐसा होने पर गूलर के पके हुए फलों के रस में खांड या शहद मिलाकर पीना भी लाभदायक होता है।

मुंह के छाले: मुंह के छाले हों तो गूलर के पत्तों या छाल का काढ़ा मुंह में भरकर कुछ देर रखना चाहिए। इससे फायदा होता है। इससे दांत हिलने तथा मसूढ़ों से खून आने जैसी व्याधियों का निदान भी हो जाता है। यह क्रिया लगभग दो सप्ताह तक प्रतिदिन नियमित रूप से करें।

जलने पर: आग से या अन्य किसी प्रकार से जल जाने पर प्रभावित स्थान पर गूलर की छाल को लेप करने से जलन शांत हो जाती है। इससे खून का बहना भी बंद हो जाता है। पके हुए गूलर के शरबत में शक्कर, खांड या शहद मिलाकर सेवन करने से गर्मियों में पैदा होने वाली जलन तथा तृषा शांत होती है।

नेत्र विकार: आंखों में पानी आना, जलन होना आदि के उपचार में भी गूलर उपयोगी है। इसके लिए गूलर के पत्तों का काढ़ा बनाकर उसे साफ और महीन कपड़े से छान लें। ठंडा होने पर इसकी दो-दो बूंद दिन में तीन बार आंखों में डालने से नेत्र ज्योति भी बढ़ती है। नकसीर फूटती हो तो ताजा एवं पके हुए गूलर के लगभग 25 मिली लीटर रस में गुड़ या शहद मिलाकर सेवन करने या नकसीर फूटना बंद हो जाती है। किसी भी दवा का सेवन डॉक्टर या वैद्य की सलाह से ही करें।

सेहतमंद रहने की अनोखी विधि



मामूली खर्च

- अपनाएं गंडूषकर्म या ऑइल पुलिंग तकनीक
- शरीर से विषों को निकालने की आयुर्वेद विधि
- छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा
- पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय, भारतीय नहीं जानते



मामूली से खर्च में हमेशा स्वस्थ और ऊर्जावान रहने की विधि है गंडूषकर्म या तेल चूषण विधि। मुख के अंदर तेल भरकर कुछ समय तक रखने या चूसने मात्र से अनेकानेक रोगों से छुटकारा मिल सकता है। यह बहुत पुरानी आयुर्वेद की चिकित्सा है जिसको आज सिर्फ कुछ गिने चुने लोग ही जानते हैं। आज पश्चिमी जगत इसको आइल पुलिंग थेरेपी के नाम से जानता है। आयल पुलिंग शरीर से विषों को निकाल डी टॉक्सिफाई करने की आसान सरल और सस्ती विधि है। छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा दिलाने में बहुत अहम है यह प्रक्रिया। यह विधि आज पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय है, मगर दुर्भाग्य है कि भारत के लोग ही इसको नहीं जानते। आज हम आपको इसी विधि के बारे में बताएंगे। इससे शरीर विषमुक्त तो होगा ही साथ ही साथ नई ऊर्जा और रोग मुक्त हो कर आप बिल्कुल नया अनुभव करेंगे।

आश्चर्यजनक शोध

ऑइल पुलिंग को आयुर्वेद में गंडूषकर्म के नाम से जाना जाता है। इस तकनीक पर हाल के ही दिनों में कुछ शोधकर्ताओं ने शोध भी किए हैं और उनके परिणाम इतने सकारात्मक निकले हैं कि भरोसा करना मुश्किल है। कुछ रोगों में तो लाभ महज दो दिनों में ही सामने आ जाता है, जबकि कुछ में एक साल का समय लग जाता है। आमतौर पर फायदे के लिए ऑइल पुलिंग तकनीक को कम से कम लगातार चालीस से पचास दिनों तक प्रयोग में लाए जाने के आवश्यकता होती है।

आइल पुलिंग की विधि

सवेरे उठकर मुंह साफ करने के बाद लेकिन नाश्ते से पहले एक बड़ा चम्मच 10 एमएल सूरजमुखी का तेल, या तिल का तेल, या मूंगफली का तेल लीजिए, इसको मुंह में भर लेने के बाद मुंह बंद रखकर उसे मुंह में घुमाए और दांतो से खींचे और ऐसा 15-20 मिनट तक करें। अन्य शब्दों में, तेल को चबाने की क्रिया करे। चबाते समय ठोड़ी को हिलाएं (घोड़े द्वारा दाना खाने के समान)। इससे अच्छी लार बनती है और मुख की श्लैष्मिक झिल्ली के माध्यम से रक्तदोष और विष खींच लिए जाते हैं। मुंह में तेल भरकर इस क्रिया को करने से 15-20 मिनट में तेल दूषित, पतला और सफेद हो जाता हैं। इसके बाद दूषित तेल को थूक दीजिए।



कुछ सावधानियां रखें

किसी भी हालत में इस जहरीले तेल को निगलना नहीं हैं। इसके बाद मुंह को अच्छी तरह धो लीजिए और दातुन या दंत मंजन कर लीजिये। आइल पुलिंग के बाद शरीर के जहरीले तत्व तेल के साथ मुंह में आ जाते हैं। यह चिकित्सा रोगी को अपने रोग अनुसार दिन में दो या तीन बार करनी चाहिए। ध्यान रहे यह करने से पहले पेट खाली ही हो, अर्थात भोजन के पहले ही करना है।

ताजे और पुराने रोग

ताजे रोग और प्रारंभिक चिकित्सा काल के संक्रमण 2 से 4 दिन में शीघ्रता से ठीक हो जाते हैं परंतु पुरानी बीमारियां ठीक होने में अधिक समय लग जाता है। अतः चिकित्सा प्रक्रिया छोड़नी नहीं चाहिए। प्रयोग के प्रारंभ में खासकर एक से अधिक रोग वाले रोगी की तकलीफे बढ़ सकती हैं। जैसे शरीर का तापमान बढ़ जाना इत्यादि। ऐसी स्थिति में घबराकर चिकित्सा नहीं छोड़ें। बिना किसी दखल के अपने आप सब ठीक हो जाता है। ऐसे लक्षण इस बात का सूचक हैं के रोग खत्म हो रहा है और चय अपचय बढ़ने से रोगी का स्वास्थ्य सुधर रहा है।

ये हैं फायदे

आयल पुलिंग से विषैले ट्यूमर का बनना रुक जाता है और धीरे धीरे रोग समाप्त हो जाता है। इसके परिणाम से आंखों के नीचे काले घेरे मिट जाते हैं और ताजगी, स्फूर्ति, शक्ति, स्मरणशक्ति, बढ़ जाती है।

इन बीमारियों से छुटकारा आइल पुलिंग से निरंतर स्वस्थ रहने को तो बल मिलता है। इसके इलावा जिन रोगो के ठीक होने का दावा विज्ञान भी करता है उनमें खास हैं दांतों की बीमारियां, मसूड़ों से खून का बहना, दांत दर्द, दांतो का पीलापन, पुराने रक्त रोग, झाइयां, झुर्रियां, सिरदर्द, श्वासनली की सूजन (ब्रोंकाइटिस), थ्रोम्बोसिस, हृदय रोग, गुर्दे और मूत्र संबंधी बीमारियां, पेट, फेफड़े और जिगर के रोग, अस्थिरोग, चर्मरोग, स्नायु रोग, पक्षाघात, अनिद्रा आदि। यह प्रक्रिया कैंसर में भी बहुत लाभदायक है।

इंटरेस्टिंग फैक्ट

ब्रेन के हुनर की वजह से यात्रा के दौरान आती है मितली...



बस या कार में यात्रा करते हुए जी मचलना या उल्टी आना, ऐसी परेशानी बहुत लोगों को होती है। असल में ऐसा मस्तिष्क के जबरदस्त हुनर के चलते होता है। बस, कार, विमान या पानी के जहाज में यात्रा करने के दौरान शरीर और मस्तिष्क के बीच एक असमंजस की स्थिति बन जाती है। यात्रा के दौरान दिमाग को ऐसा लगता है जैसे शरीर में जहर फैल रहा है। जान बचाने के लिए मस्तिष्क हरकत में आता है। जी मचलने लगता है और उल्टी सी आने लगती है। इस तरह दिमाग शरीर से विषैले तत्वों को बाहर करने की कोशिश करता है। लेकिन दिमाग को ऐसे संकेत मिलते क्यों हैं? इसका कारण समझाते हुए डॉक्टर कहते हैं कि यात्रा के दौरान सीट पर बैठा इंसान स्थिर होता है लेकिन कान लगातार गति की आवाज मस्तिष्क तक पहुंचा रहे होते हैं। कान, दिमाग को बताते हैं कि हम गतिशील है। एक तरफ स्थिर शरीर होता है तो दूसरी तरफ गति से जुड़ी जानकारी। ऐसी परस्पर विरोधाभासी जानकारी मिलने पर मस्तिष्क को लगने लगता है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।



कान के भीतर बैलेंस सेंसर

अगर आप पानी के जहाज में बैठे हैं और बाहर सब एक समान है तो आपकी आंखें गति की जानकारी नहीं देती हैं, लेकिन हमारे कानों में द्रवीय पदार्थ होते हैं जो भौतिक विज्ञान के सिद्धांतों पर चलते हैं। गति के दौरान ये द्रवीय पदार्थ गतिमान होते हैं। ऐसी स्थिति में मस्तिष्क को कई तरह के सिग्नल मिलते हैं। मांसपेशियां और आंखें बता रही होती हैं कि हम स्थिर हैं और कान के बैलेंस सेंसर कह रहे होते हैं कि हम गतिमान हैं। ये दोनों विरोधाभासी संकेत सही नहीं हो सकते। दिमाग को पता चल जाता है कि कुछ गड़बड़ है। लाखों साल के क्रमिक विकास के दौरान दिमाग यह सीख चुका है कि ऐसी गड़बड़ तभी होती है जब शरीर के भीतर विषैले तत्व आ जाएं। उनसे निपटने के लिए ब्रेन तुरंत हरकत में आता है और मितली सी आने लगती है या उल्टी होने लगती है।



कैसे बचें

यात्रा के दौरान आगे तरफ देखते हुए अगर आंखें खुली रखी जाएं तो काफी आराम मिलता है। असल में ऐसा करने से दिमाग को पता चलता है कि हम गतिमान हैं और वह इस तथ्य को स्वीकार कर लेता है और बचाव की मुद्रा में नहीं आता है। आम तौर पर बच्चों या कम सफर करने वालों को ऐसी समस्या सबसे ज्यादा होती है। बच्चों का दिमाग विकास कर रहा होता है, वह यात्रा करने का आदी नहीं होता, इसीलिए बचपन में ऐसी तकलीफ ज्यादा होती है लेकिन धीरे धीरे उम्र बढ़ने और यात्रा के बढ़ते अनुभव के साथ मस्तिष्क इसे समझ जाता है और तालमेल बैठा लेता है।



समाजशास्त्र में बेहतर करियर ...

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग- अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती सामाजिक जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जन संपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है। आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों सहित समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र, समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्त्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण है बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है। यही वजह है कि इस विषय का इतना महत्त्व है।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस, इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

समाज शास्त्र का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 14वीं शताब्दी के उत्तर अफ्रीकी अरब विद्वान इब्न खल्दून प्रथम समाजशास्त्री थे, जिन्होंने सामाजिक एकता और सामाजिक संघर्ष के वैज्ञानिक सिद्धांतों को पहली बार उजागर किया। एक विषय के रूप में समाजशास्त्र की शुरुआत सबसे पहले 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में हुई। 1891 ई. में कंसास विश्वविद्यालय में इतिहास और समाजशास्त्र विभाग की स्थापना की गई। समाजशास्त्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग 1895 में शुरू हुआ। 1905 में सारी दुनिया के पेशेवर समाजशास्त्रियों के संगठन की स्थापना हुई। एक विषय के रूप में समाशास्त्र सर्वप्रथम 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में पढ़ाया गया।

क्यों खास है समाजशास्त्र

मनुष्य एक समाजिक प्राणी है। बिना समाज के मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इस वजह से समाज का महत्त्व बढ़ा है और जरूरत बढ़ी है समाजशास्त्र की। समाजशास्त्र यह जानने के लिए जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं, उनकी विसंगतियों को कैसे दूर किया जाए। इस तरह यह अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने तथा व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने का विवेक भी देता है। एक तरह से कहा जाए तो सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की उन्नति से जुड़ा होता है। इसलिए करियर के लिहाज से इस विषय का महत्त्व स्वता ही बढ़ जाता है। मानव सभ्यता, संस्कृति, सोसायटी, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हम अपने वर्तमान को अधिक बेहतर बना सकते हैं।

रोजगारपरक है विषय

देश में नए उद्योग, विद्युत प्रोजेक्ट और सीमेंट कारखाने लग रहे हैं। यहां पर इस विषय के जानकारों की जरूरत है। यह एक प्रोफेशनल विषय है। यदि आपको नौकरी नहीं करनी है तो आप एनजीओ बनाकर समाजसेवा कर सकते हैं। कंपनियां जहां अपना प्रोजेक्ट लगाती हैं, वहां श्रमिकों के पुनर्वास के लिए योजना बनाने के लिए समाजशास्त्रियों की मदद लेती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य को देखते हुए यह करियर ज्यादा रोजगारपरक है। स्कूलों और कालेजों में इस विषय की काफी डिमांड होने से इस का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा कई गैर सरकारी संगठन भी हैं, जिनमें समाजशास्त्रियों की बहुत डिमांड रहती है।

रोजगार के अवसर

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएं, मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और इसी कारण संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो, अपितु संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतरराष्ट्रय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएं जैसे यूनीसेफ, रेडक्रॉस तो हर वर्ष समाजशास्त्र एवं समाज कार्य में विशेषज्ञों की खोज में बड़े-बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करती हैं। इन संस्थाओं में निदेशक, प्रोग्राम आफिसर, टीम लीडर जैसे उच्च पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्ति दी जाती है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां छात्रों को को.आर्डिनेटर, सर्वे आफिसर या पब्लिक रिलेशन आफिसर जैसे उच्च पदों पर कार्य करने का मौका मिलता है। अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन में विशेषज्ञता रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, जेल, सुधारगृहों, बालगृहों जैसे स्थानों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

शिक्षण संस्थान

- बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल
- देवी अहिल्या विवि इंदौर
- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला
- पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी हुबली,धरवाड़ (कर्नाटक)
- जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र

विभिन्न कोर्सेज

अप्लाइड सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
इकॉनोमिक सोशोलॉजी
पोलिटिकल सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास
- समाज विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास

रेसिपी



मलाई कोफ्ता

सामग्री

कोफ्ता सामग्री: 200 ग्राम उबले आलू, 200 ग्राम पनीर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च, 100 ग्राम मकई आटा, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 1 चम्मच नमक, 1 चम्मच धनिया, 1/2 चम्मच हरी मिर्च, काजू, **ग्रेवी सामग्री:** 50 मि.ली. जैतून तेल, 4 लौंग, 1 इलायची और दालचीनी, 3/4 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, 150 ग्राम प्याज, गरम मसाला, 1 चम्मच लाल मिर्च, 1/2 चम्मच हल्दी, 100 ग्राम काजू, 100 ग्राम टमाटर, 50 मि.ली. जल, 50 मि.ली. दही, 1 चम्मच हरी मिर्च, 100 मि.ली. टमाटर, 50 मि.ली. क्रीम

विधि

एक बर्तन में उबले आलू,पनीर,लाल मिर्च पाउडर, मकई का आटा, गरम मसाला,नमक,धनिया, हरी मिर्च आदि को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। तैयार किए मिश्रण का एक छोटा सा हिस्सा लेकर इसकों कोफ्ते का आकार दें और सुनहरा भूरा होने तक भून लें। फिर इसे निकालकर कागज पर रख लें। अब एक पैन में जैतून का तेल डालकर गर्म कर लें और इसमें लौंग, बड़ी इलायची, दालचीनी, हरी इलायची, काली मिर्च डालकर कर चलाएं। इन रंग सुनहरा होने तक इसमें अदरक और लहसुन का पेस्ट, प्याज डालें। फिर इसमें नमक, गरम मसाला,लाल शिमला मिर्च,चम्मच हल्दी पाउडर डाल कर मिक्स कर लें। इसके बाद काजू,टमाटर और पानी डालकर 5 मिनट तक पकने दें। जब तक यह सामग्री अच्छे से मिक्स हो जाएं इसको ब्लेंड कर दें। अब एक पैन लेकर उसमें जैतून का तेल डालकर हरी मिर्च, टमाटर प्यूरी को भूनें। इसके बाद पेन में पानी डालकर 5-10 मिनट के लिए पकने दें। इसमें ताजा क्रीम और तले हुए कोफ्ते अच्छी तरह से मिश्रित करें। मलाई कोफ्ता तैयार होने के बाद इसको धनिया के साथ गार्निश करें।



मिनी अनियन समोसा

सामग्री

आटे के लिए: 1/2 कप मैदा, 1 स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, **भरवां मिश्रण के लिए:** 1 कप प्याज, 2 किलो तेल, 1/2 स्पून ज़ीरा, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून गरम मसाला, 1/2 स्पून अमचुर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून कटा हुआ हरा धनिया, 1 स्पून बेसन, **अन्य सामग्री:** तलने के लिए तेल , परोसने के लिए: टमैटो कैचप, हरी चटनी

विधि

आटे के लिए: सभी सामग्री को एक गहरे बाउल मे डालकर ज़रुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। एक तरफ रख दें। **भरवां मिश्रण के लिए:** एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज और नमक डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। आंच से हठाकर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, अमचुर, हल्दी पाउडर, धनिया और बेसन डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। आटे को नरम होने तक गूथ लें और 20 भाग में बांट लें। आटे के एक भाग को 75 मिमी। अंडाकार में बेल लें। गोले को चाकू से 2 भाग में तिरछा काट लें। एक भाग को निकालकर कोन के आकार में मोड़कर पानी से चिपका लें। कोन को 1 टी-स्पून भरवां मिश्रण से भरे और किनारों पर थोड़ा पानी लगाकर चिपका लें। बचे हुए आटे और भरवां मिश्रण का प्रयोग कर 19 और मिनी समोसे बना लें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई मे तेल गरम करें, समोसे डालकर, मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल ले। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। टमैटो कैचप और हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

हर साल 'दमघोंटू' दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के शहरों के लिए यह कोई नई बात नहीं है। हर साल अक्तूबर से आधी फरवरी तक दिल्ली 'दमघोंटू' बन जाती है। न्यायाधीश तो अक्सर 'गैस चैंबर' तक की टिप्पणी करते रहे हैं। प्रदूषण इतना होता है कि वह 'खतरनाक' से भी आगे 'जानलेवा' श्रेणी तक बढ़ जाता है। अद्र्धराज्य सरकार 'ग्रैप-3' सरीखी पाबंदियां थोप देती है। राजधानी में निर्माण-कार्य ठप कर दिए जाते हैं। दिहाड़ीदार मजदूर की चिंता कौन करता है? उन्हें तो हररोज कुआं खोदना और रोटी का जुगाड़ करना पड़ता है। मजदूरों में अधिकांश दिल्ली के मतदाता ही नहीं हैं, लिहाजा सरकार परवाह भी नहीं करती। अलबत्ता सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों को हिदायत दी जाती है कि उनके अधिकांश कर्मचारी 'वर्क फ्रॉम होम' करें। सर्वोच्च अदालत बार-बार टिप्पणियां करती रही है कि पाबंदियों से प्रदूषण खत्म नहीं किया जा सकता। बुनियादी वजह सडक़ों पर निजी वाहनों का सैलाब है, जिससे लगातार प्रदूषण फैल रहा है। एक अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में 3 करोड़ से अधिक निजी वाहन सडक़ों पर भाग रहे हैं। प्रदूषण कैसे रोका जा सकता है? दीपावली पर शीर्ष अदालत के फैसले के बावजूद, आस्था के नाम पर, इतने पटाखे और बम फोड़े गए कि राजधानी में रात्रि 10 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई), यानी दिल्ली में हवा, पर्यावरण की स्थिति, 376 दर्ज किया गया। एक्यूआई 100 तक ही सामान्य माना जाता है। उसके बाद खराब, गंभीर जैसी स्थितियां आती हैं, लेकिन दिवाली की रात के बाद सुबह 4 बजे के आसपास एक्यूआई 400 के पार था। ऐसे 15 से ज्यादा इलाके थे। यह 'जानलेवा' स्तर का प्रदूषण है। राजधानी में 35 इलाके ऐसे दर्ज किए गए, जहां प्रदूषण का स्तर 300-400 के बीच था। यह भी 'खतरनाक' स्तर का प्रदूषण है। 2025 में किए गए एक अध्ययन के आधार पर जो रपट तैयार की गई थी, उसके मुताबिक, देश भर में प्रदूषण से हर सेकंड एक मौत हो रही है। अर्थात हररोज 5500 से अधिक मौतें... ! एक माह में 1,67,000 से अधिक मौतें... ! साल भर में 20 लाख से अधिक मौतें हो रही हैं। यह किसी वैश्विक महामारी के दौरान मारे गए लोगों से भी विकराल और भयावह यथार्थ है। यदि विश्व में औसतन 100 शहर प्रदूषित हैं, तो उनमें भारत के 66 शहर भी शामिल हैं। कितनी डरावनी और जानलेवा स्थिति है? देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में भी दिवाली की रात का एक्यूआई 1708-1844 तक पहुंच गया था! यह केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और विभिन्न रपटों का निष्कर्ष है। ऐसी भी रपटें हैं कि पंजाब के खेतों में पराली जलाने से सिर्फ 14 फीसदी ही प्रदूषण फैलता है, शेष 86 फीसदी प्रदूषण वाहनों, निर्माण-कार्य, फैक्ट्रियों, चीजों को जलाने से फैलने वाले धुएं से पैदा होता है। यथार्थ तो यह है कि दिवाली की एक रात में ही करीब 300 करोड़ रुपए के पटाखे और बम फोड़े गए। सर्वोच्च अदालत के निर्देशों को 'ठेंगा' दिखा दिया गया! बेशक दिल्ली और 65 अन्य शहर प्रदूषित हैं, लेकिन भारत कहीं से भी 'गरीब देश' नहीं है। दिवाली पर हजारों वाहन खरीदे गए। 'धनतेरस' पर दिल्ली में ही 1.20 लाख करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। पैसे हैं, तो खरीददारी की गई न! बहरहाल दिवाली की रात 8 नवंबर को ही पराली जलाने की 1152 घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि ऐसी कुल घटनाएं अभी तक 4459 बताई जा रही हैं। दिल्ली में सरकार 'आप' की हो अथवा अब भाजपा की है, लेकिन 'खलनायक' पराली जलाने वाला किसान ही करार दिया जाता रहा है। यह क्षुद्र राजनीति छोड़ दीजिए, क्योंकि सवाल जीवन-मौत का है। कुछ सवाल हैं। क्या पराली जलाना ही 66 शहरों को प्रदूषित कर सकता है? देश के प्रधानमंत्री मोदी 'क्रांतिकारी नेता' करार दिए जाते रहे हैं। उनकी सत्ता दिल्ली में ही स्थापित है। राष्ट्रपति और सर्वोच्च अदालत भी दिल्ली में ही मौजूद हैं। फिर केंद्र सरकार खामोश और निष्क्रिय क्यों है? यह राज्यों की ही समस्या नहीं है। यदि चीन बीजिंग का प्रदूषण समाप्त कर सकता है, तो भारत राजधानी दिल्ली-एनसीआर का ही प्रदूषण खत्म करने में असमर्थ, नाकाम व लाचार क्यों दिख रहा है? दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए सरकार को ठोस योजना बनानी होगी। और यह भी कि केवल योजना बनाना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उस पर अमल भी होना चाहिए। भारत के कई अन्य शहर भी प्रदूषण से त्रस्त हैं। विश्व स्तर पर देखें तो भारत के कई शहर प्रदूषण की चपेट में हैं।

प्रदूषण इतना होता है कि वह 'खतरनाक' से भी आगे 'जानलेवा' श्रेणी तक बढ़ जाता है। अद्र्धराज्य सरकार 'ग्रैप-3' सरीखी पाबंदियां थोप देती है। राजधानी में निर्माण-कार्य ठप कर दिए जाते हैं। दिहाड़ीदार मजदूर की चिंता कौन करता है? उन्हें तो हररोज कुआं खोदना और रोटी का जुगाड़ करना पड़ता है। मजदूरों में अधिकांश दिल्ली के मतदाता ही नहीं हैं, लिहाजा सरकार परवाह भी नहीं करती। अलबत्ता सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों को हिदायत दी जाती है कि उनके अधिकांश कर्मचारी 'वर्क फ्रॉम होम' करें। सर्वोच्च अदालत बार-बार टिप्पणियां करती रही है कि पाबंदियों से प्रदूषण खत्म नहीं किया जा सकता। बुनियादी वजह सडक़ों पर निजी वाहनों का सैलाब है, जिससे लगातार प्रदूषण फैल रहा है। एक अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में 3 करोड़ से अधिक निजी वाहन सडक़ों पर भाग रहे हैं। प्रदूषण कैसे रोका जा सकता है? दीपावली पर शीर्ष अदालत के फैसले के बावजूद, आस्था के नाम पर, इतने पटाखे और बम फोड़े गए कि राजधानी में रात्रि 10 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई), यानी दिल्ली में हवा, पर्यावरण की स्थिति, 376 दर्ज किया गया। एक्यूआई 100 तक ही सामान्य माना जाता है। उसके बाद खराब, गंभीर जैसी स्थितियां आती हैं, लेकिन दिवाली की रात के बाद सुबह 4 बजे के आसपास एक्यूआई 400 के पार था। ऐसे 15 से ज्यादा इलाके थे। यह 'जानलेवा' स्तर का प्रदूषण है। राजधानी में 35 इलाके ऐसे दर्ज किए गए, जहां प्रदूषण का स्तर 300-400 के बीच था। यह भी 'खतरनाक' स्तर का प्रदूषण है। 2025 में किए गए एक अध्ययन के आधार पर जो रपट तैयार की गई थी, उसके मुताबिक, देश भर में प्रदूषण से हर सेकंड एक मौत हो रही है।

भारत-विरोधी तत्व किसी विदेशी न्यायिक व्यवस्था को भारत के विरुद्ध राजनीतिक दबाव के माध्यम के रूप में इस्तेमाल न कर सके

पन्नू प्रकरण में समन से संप्रभुता तक उठे गंभीर सवाल

भारत-अमेरिका संबंधों के सामने एक गंभीर कूटनीतिक और कानूनी प्रश्न खड़ा कर दिया है। यह मामला केवल किसी व्यक्ति के आरोपों या अदालत की सामान्य कार्यवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके केंद्र में भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रक्रियाओं के सम्मान का प्रश्न भी है। पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि ''किसी अदालत द्वारा समन जारी किया जाना आरोपों के सही होने या किसी व्यक्ति के दोषी होने का प्रमाण नहीं होता।'' अमेरिकी न्यायालय में पन्नू द्वारा दायर मुकदमे में लगाए गए आरोपों को भारत सरकार पहले ही खारिज कर चुकी है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम को अंतिम न्यायिक निष्कर्ष के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इस मामले को आगे बढ़ाने में अपनाई गई प्रक्रिया और उसके संभावित कूटनीतिक प्रभाव क्या हैं।



अमेरिकी अदालत द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के दीवानी मुकदमे के सिलसिले में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल तथा अन्य भारतीय अधिकारियों को समन जारी करने की प्रक्रिया ने भारत-अमेरिका संबंधों के सामने एक गंभीर कूटनीतिक और कानूनी प्रश्न खड़ा कर दिया है। यह मामला केवल किसी व्यक्ति के आरोपों या अदालत की सामान्य कार्यवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके केंद्र में भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रक्रियाओं के सम्मान का प्रश्न भी है। पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि ''किसी अदालत द्वारा समन जारी किया जाना आरोपों के सही होने या किसी व्यक्ति के दोषी होने का प्रमाण नहीं होता।'' अमेरिकी न्यायालय में पन्नू द्वारा दायर मुकदमे में लगाए गए आरोपों को भारत सरकार पहले ही खारिज कर चुकी है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम को अंतिम न्यायिक निष्कर्ष के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इस मामले को आगे बढ़ाने में अपनाई गई प्रक्रिया और उसके संभावित कूटनीतिक प्रभाव क्या हैं। इसी प्रकार अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा किसी न्यायिक दस्तावेज को राजनयिक माध्यम से भारतीय दूतावास तक पहुंचाना अपने आप में आरोपों की पुष्टि नहीं करता। वह कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। फिर भी भारत की आपत्ति का महत्व कम नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ''कानूनी प्रक्रिया और राजनयिक मर्यादा दोनों साथ-साथ चलती हैं।'' किसी विदेशी सरकार या उसके वरिष्ठ अधिकारियों को न्यायिक दस्तावेज तामील कराने के लिए निर्धारित अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक है। भारत का यह कहना उचित है कि विदेशी न्यायिक दस्तावेजों की तामील के लिए निर्धारित भारतीय केंद्रीय प्राधिकरण और विधिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि इस प्रक्रिया को दरकिनार करने की कोशिश होती है, तो वह केवल तकनीकी भूल नहीं रह जाती, बल्कि संप्रभुता और पारस्परिक सम्मान का प्रश्न बन जाती है। इस पूरे विवाद का दूसरा बड़ा पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा है। अजीत डोभाल भारत की सुरक्षा नीति के अत्यंत महत्वपूर्ण अधिकारी हैं। किसी विदेशी अदालत में उनके विरुद्ध व्यक्तिगत रूप से लगाए गए आरोपों को केवल सामान्य दीवानी विवाद मानना भारत के लिए कठिन होगा। सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज और निर्णय अनेक बार गोपनीय सूचनाओं तथा राष्ट्रीय हितों से जुड़े होते हैं। इसलिए ऐसे मामलों में भारत को कानूनी जवाब देने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलताओं की भी रक्षा करनी होगी। हालांकि भारत को इस मामले में भावनात्मक प्रतिक्रिया से बचना चाहिए। ''दृढ़ता और आक्रामकता में अंतर है।'' भारत की शक्ति उसकी संस्थागत स्थिरता, संवैधानिक व्यवस्था और कूटनीतिक संयम में भी दिखाई देती है। इसलिए उचित रास्ता यही होगा कि भारत अमेरिकी न्यायालय के समक्ष क्षेत्राधिकार, संप्रभु प्रतिरक्षा और अन्य लागू कानूनी आधारों पर अपना पक्ष मजबूती से रखे तथा साथ ही अमेरिकी प्रशासन के साथ स्पष्ट राजनयिक संवाद जारी रखे। यह घटनाक्रम कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े विवाद की याद भी दिलाता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में सक्रिय भारत-विरोधी अलगाववादी समूहों ने वहां की लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकारों का उपयोग भारत विरोधी प्रचार के लिए किया है। लोकतांत्रिक देशों को अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन ''लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का अर्थ किसी दूसरे देश की संप्रभुता और सुरक्षा चिंताओं की अनदेखी करना नहीं हो सकता। भारत-अमेरिका संबंध आज रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, हिंद-प्रशांत रणनीति और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में पन्नू प्रकरण को दोनों देशों के व्यापक संबंधों पर हावी होने देना किसी के हित में नहीं होगा। व्यापार और टैरिफ को लेकर पहले से मतभेद हैं; यदि उनके ऊपर इस प्रकार के संवेदनशील न्यायिक और आतंकवाद संबंधी विवाद भी लगातार जुड़ते रहे, तो संबंधों में अनावश्यक तनाव बढ़ सकता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि ''भारत कोई ऐसा देश नहीं है जिसे दबाव की भाषा से अपनी नीतियां बदलने के लिए विवश किया जा सके।'' भारत आतंकवाद और अलगाववाद के प्रश्न पर अपने राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता नहीं करेगा। साथ ही भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि वह अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करता है, लेकिन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के सम्मान पर कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिका के लिए भी यह आत्ममंथन का अवसर है। यदि वह भारत को अपना रणनीतिक साझेदार मानता है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी आतंकवादी या अलगाववादी गतिविधियों के लिए न हो। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग तभी प्रभावी हो सकता है, जब आतंकवाद की परिभाषा राजनीतिक सुविधा के अनुसार न बदली जाए। पन्नू प्रकरण का समाधान अदालतों और कूटनीतिकृदोनों स्तरों पर तलाशना होगा। भारत को न तो अनावश्यक रूप से उत्तेजित होने की जरूरत है और न ही किसी दबाव में आने की। उसे अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट, दृढ़ और मर्यादित रुख अपनाना चाहिए। ''अमेरिका के लिए संदेश सीधा है-भारत मित्रता चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता की कीमत पर नहीं; सहयोग चाहता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करके नहीं; और कूटनीतिक सम्मान देता है, तो बदले में समान सम्मान की अपेक्षा भी रखता है।'' पन्नू जैसे तत्वों के आरोपों को भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा निर्धारित करने का अवसर देना दोनों देशों के दीर्घकालीन हित में नहीं होगा।

बैंकिंग सेवा का जीवनभर समर्पण, लेकिन सेवानिवृत्ति में संघर्ष!

रिटायर बैंक कर्मचारियों की अनसुनी पीड़ा, आर्थिक असुरक्षा और उपेक्षित स्थिति पर गंभीर चिंता

सेवानिवृत्ति जीवन का स्वर्णिम चरण होना चाहिए। यह वह समय है, जब व्यक्ति दशकों तक पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ सेवा करने के बाद शांति, सम्मान और आर्थिक सुरक्षा के साथ जीवन व्यतीत कर सके। दुर्भाग्यवश, भारत में सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग के लिए जीवन का यह स्वर्णिम चरण आजीवन संघर्ष में बदलता जा रहा है। जिन लोगों ने अपना पूरा कार्यकाल बैंकिंग संस्थानों की मजबूती और विकास के लिए समर्पित कर दिया, आज उन्हीं में से अनेक लोग आर्थिक असुरक्षा और उपेक्षा का सामना कर रहे हैं।

भारत के बैंकिंग उद्योग की प्रभावशाली प्रगति, विस्तारित पहुंच और उल्लेखनीय परिवर्तन के पीछे हजारों बैंक कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन कर्मचारियों ने अपने जीवन के बहुमूल्य वर्ष बैंकिंग संस्थानों के निर्माण और विकास में लगाए। उन्होंने लंबे समय तक काम किया, स्थानांतरण स्वीकार किए, पेशेवर दबावों का सामना किया, कठिन परिस्थितियों में ग्राहकों को सेवाएं प्रदान कीं तथा वित्तीय समावेशन और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हालांकि, आज एक असहज प्रश्न सामने खड़ा है कि क्या उन बैंकिंग संस्थानों और व्यवस्था ने उन लोगों की पर्याप्त देखभाल की है, जिन्होंने अपने जीवन के सबसे उत्पादक वर्ष इन संस्थानों को मजबूत बनाने में लगा दिए? कई सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों के लिए इसका उत्तर बेहद निराशाजनक है।

पेंशन से घरेलू खर्च चलाना भी हुआ मुश्किल

सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग, विशेषकर पुरानी और अपर्याप्त पेंशन व्यवस्था के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को अपनी बुनियादी घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। कई मामलों में उनकी पेंशन जीवन-यापन की लागत में लगातार हो रही वृद्धि के अनुरूप नहीं बढ़ पाई है। चिकित्सा उपचार, दवाइयां, बिजली के बिल, भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं पर होने वाला खर्च उनकी सीमित मासिक आय का बड़ा हिस्सा खर्च कर देता है।

उम्र बढ़ने के साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और बीमारियां भी बढ़ने लगती हैं, जिन्हें नियमित चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता होती है। ऐसे समय में, जब वरिष्ठ नागरिकों को आराम, सहयोग और देखभाल की सबसे अधिक जरूरत होती है, तब अनेक सेवानिवृत्त कर्मचारियों को डॉक्टर के पास जाने अथवा निर्धारित दवाइयां खरीदने से पहले भी हर रुपये का हिसाब लगाना पड़ता है।



कुछ लोगों को ऐसे खर्चों के लिए अपने बच्चों या परिवार के अन्य सदस्यों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिन्हें आदर्श रूप से उनकी सेवानिवृत्ति आय से पूरा किया जाना चाहिए।

बढ़ती महंगाई ने बढ़ाई आर्थिक चुनौतियां

विगत वर्षों की आर्थिक परिस्थितियों और वर्तमान जीवन-यापन की लागत के बीच का अंतर इस समस्या को और गंभीर बना रहा है। कुछ दशक पहले जो पेंशन सम्मानजनक और पर्याप्त प्रतीत होती थी, वही आज की आर्थिक परिस्थितियों में अपर्याप्त साबित हो रही है। पर्याप्त मुद्रास्फीति सुरक्षा और सार्थक पेंशन संशोधन के अभाव में कुछ सेवानिवृत्त कर्मचारियों की आय और उनकी आवश्यकताओं के बीच का अंतर लगातार बढ़ता जा रहा है।

यह समस्या केवल पेंशन की राशि तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध मानवीय गरिमा, सामाजिक सुरक्षा और संस्थानों की नैतिक जिम्मेदारी से है। इसलिए सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों पर तत्काल तथा सहानुभूतिपूर्ण विचार किया जाना आवश्यक है। सरकार, बैंकिंग प्रबंधन, कर्मचारी संगठनों और पेंशन से जुड़े सभी हितधारकों को मिलकर व्यावहारिक और समयबद्ध समाधान तलाशने चाहिए।

इन महत्वपूर्ण उपायों पर ध्यान देना आवश्यक

सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण उपायों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

सार्थक पेंशन संशोधन: मौजूदा पेंशन व्यवस्था की कमियों को दूर करने के लिए एक निष्पक्ष और स्थायी व्यवस्था बनाई जाए, विशेषकर अधिक आयु वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए।

महंगाई से सुरक्षा: पेंशन की पर्याप्तता की नियमित समीक्षा की जाए, ताकि जीवन-यापन की बढ़ती लागत के कारण सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आर्थिक असुरक्षा का सामना न करना पड़े।

व्यापक स्वास्थ्य सुविधाएं: वरिष्ठ सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके जीवनसाथियों के लिए किफायती एवं सुलभ चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके साथ ही पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और चिकित्सा कवरेज की व्यवस्था भी होनी चाहिए।

पीढ़ियों के बीच समानता: सेवानिवृत्त कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों के बीच पेंशन संबंधी असमानताओं और वास्तविक शिकायतों का निष्पक्ष एवं रचनात्मक विश्लेषण किया जाए, ताकि सभी के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित हो सके।

सम्मान और मान्यता: सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कल्याण, गरिमा और उनकी जायज चिंताओं के प्रति बैंकिंग संस्थानों में अधिक संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए।

सेवानिवृत्त कर्मचारी दान नहीं, अपना अधिकार मांग रहे हैं

सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी किसी प्रकार की दया या दान की अपेक्षा नहीं कर रहे हैं। वे केवल निष्पक्षता, न्याय और उस वित्तीय सुरक्षा की मांग कर रहे हैं, जो जीवनभर ईमानदारी एवं समर्पण के साथ सेवा करने के बाद उन्हें मिलनी चाहिए।

किसी बैंकिंग संस्थान की सफलता का मूल्यांकन केवल उसके मुनाफे, कारोबार के विस्तार, तकनीकी प्रगति या बाजार में उसकी स्थिति के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। किसी भी संस्थान का वास्तविक चरित्र इस बात से भी सामने आता है कि वह उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है, जिन्होंने उसकी नींव मजबूत करने में अपना पूरा जीवन लगा दिया।

आज यही वरिष्ठ नागरिक कभी बैंक के काउंटर के पीछे खड़े होकर ग्राहकों की सेवा करते थे, शाखाओं का प्रबंधन संभालते थे, लाखों ग्राहकों की बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करते थे और पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाते थे। लेकिन आज उनमें से अनेक अपने ही संस्थानों के दरवाजे पर खड़े होकर इस उम्मीद में हैं कि उनकी वास्तविक समस्याओं और जायज मांगों को सुना जाएगा।

जो राष्ट्र अपने कार्यरत कर्मचारियों का सम्मान करता है, उसका यह दायित्व भी है कि वह अपने सेवानिवृत्त नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करे। जिस बैंकिंग व्यवस्था को अपनी प्रगति और उपलब्धियों पर गर्व है, उसे उन लोगों को कभी नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने इस विकास को संभव बनाया।

सेवानिवृत्ति संघर्ष नहीं, सम्मान और सुरक्षा का दूसरा नाम बने

समय की मांग है कि सेवानिवृत्ति को आर्थिक निर्भरता और असुरक्षा का दौर बनाने के बजाय सम्मान, आत्मनिर्भरता और सुकून का चरण बनाया जाए। बैंकिंग उद्योग की सेवा करने वाले इन वरिष्ठ नागरिकों के जीवन के उत्तरार्ध को आर्थिक सुरक्षा, सम्मान और संवेदनशीलता से रोशन किया जाना चाहिए।

उनकी वर्षों की सेवा अमूल्य रही है। उनके योगदान का मूल्य केवल पेंशन की राशि से नहीं आंका जा सकता। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि जीवनभर बैंकिंग व्यवस्था को समर्पित करने वाले इन कर्मचारियों को अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में आर्थिक परेशानियों और उपेक्षा का सामना न करना पड़े।

-डॉ. अजय कुमार अग्रवाल



-पूर्व सहायक महाप्रबंधक एवं कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस विभाग के प्रमुख।
- संसद, लंदन में अंतरराष्ट्रीय भारत गौरव पुरस्कार के प्राप्तकर्ता।
-दुबई में ग्लोबल आइकॉन अवॉर्ड से सम्मानित।
-गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के धारक।
-महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवॉर्ड से सम्मानित।

कुछ अलग

परमाणु से बड़ी प्रकृति शक्ति

ट्रॉम्बे मुंबई में जब भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की आधारशिला रखी जा रही थी। इंजीनियर्स दौड़े-दौड़े डॉ. होमी जहांगीर भाभा के पास आए। बोले, 'सर, मुख्य मार्ग के ठीक बीच में एक विशाल, प्राचीन वृक्ष आ रहा है। उसे काटे बिना इमारत का लेआउट संभव नहीं है।' सबको लगा, भाभा तुरंत हां कह देंगे। विज्ञान की प्रचंड शक्ति को नियंत्रित करने वाले वैज्ञानिक के लिए एक पेड़ क्या है? भाभा क्षण भर रुके। उस मूक, खड़े वृक्ष को देखा और दृढ़ स्वर में कहा, 'विज्ञान का उद्देश्य जीवन का सृजन है, विनाश नहीं। यदि हम एक जीवित वृक्ष की रक्षा नहीं कर सकते, तो हम कैसा भविष्य बना रहे हैं?' उन्होंने तुरंत आदेश दिया—वृक्ष नहीं कटेगा। इतना ही नहीं, उन्होंने पूरी परियोजना का नक्शा बदलवा दिया। मुख्य सड़क घुमाई गई, इमारत का अभिमुखीकरण बदला गया। समय लगा, पैसा अधिक लगा, पर वह वृक्ष आज भी परिसर में खड़ा है। यह केवल एक पेड़ को बचाने की कहानी नहीं है।

दृष्टि कोण

युवाओं का भरोसा फिर से कायम करने का समय

जैसा कि जीन-जैक्स रूसो ने कहा है—'सामाजिक अनुबंध' वह आधार है जिस पर नागरिक साझी व्यवस्था बनाने एवं जनकल्याण के लिए, अपनी नैसर्गिक स्वतंत्रता को संप्रभु शासन अथवा कानून के अनुसार चलने वाली सरकार द्वारा शासित होने के लिए छोड़ना गवारा करते हैं अर्थात् वोलोन्टे जेनरल (स्वैच्छिक सामान्य इच्छा)। और यह 'सामाजिक अनुबंध' आज दुनिया के अधिकांश हिस्सों में टूटा पड़ा है। युद्ध, दंगे, बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और हड़तालें इस घटनाक्रम का स्पष्ट प्रतिबिंब हैं। चरम आंदोलन और पार्टियों का उदय, चाहे वे चरम वामपंथी हों या दक्षिणपंथी, खतरनाक समय के अग्रदूत हैं। सरकार और नागरिक, दोनों को, इस टूटे अनुबंध पर पुनः विचार करना चाहिए। मैं इसे टूटा हुआ कहता हूं क्योंकि राज्य के सात प्राथमिक कर्तव्य-रक्षा एवं सुरक्षा; कानून एवं व्यवस्था; न्याय; अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा; सार्वजनिक वस्तुएं और बुनियादी ढांचा निर्माण; आर्थिक प्रबंधन; और सामाजिक कल्याण—आज अधिकांश देशों में अव्यवस्था की स्थिति में हैं। हम ऐसे समय में रह रहे हैं जहां दुनिया परस्पर युद्धरत है। मानव जाति का इतिहास मोटे तौर पर युद्ध का वर्णन ही है। इलाके, व्यापार और साम्राज्य-निर्माण को को लेकर युद्ध, आंतरिक अस्थिरता से ध्यान भटकाने और 'विदेशी हाथ' को दोष देने की इच्छा रखने वाले नेताओं द्वारा हमेशा उचित ठहराया जाता है। इन युद्धों में राष्ट्र एक-दूजे पर हमले करते रहते हैं और लाखों-करोड़ों निर्दोष लोग फंस जाते हैं। मतलब यह भी कि देश की संपत्ति और वित्त का बड़ा



हिस्सा युद्धक प्रयासों में लगा दिया जाता है, नतीजन शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक उत्थान पर जोर कहीं पीछे छूट जाता है, देश के भीतर असमानता एवं कलह बढ़ जाती है। आज जिस ओर भी देखें, हम देशों को युद्ध में उलझे पा रहे हैं या तो वे सीधे तौर पर शामिल हैं, सक्रिय या निष्क्रिय रूप से मदद दे रहे हैं या व्यापक विध्वंस पहुंचा रहे हैं। यूक्रेन को नाटो और रूस को चीन एवं उत्तर कोरिया का समर्थन प्राप्त है। रूसी और यूक्रेनी अर्थव्यवस्थाएं खस्ताहाल हैं, यूक्रेन को हथियारों और सामरिक समर्थन की एवज में अमेरिका को अपने विशाल प्राकृतिक संसाधन देने पड़ रहे हैं। रूस लगभग पूर्ण आर्थिक नाकेबंदी के तहत है, वह चीन पर अत्यधिक निर्भर है। रूसी-यूक्रेनी तेल, गैस और गेहूं की बाधित आपूर्ति के चलते बढ़ी मुद्रास्फीति के कारण दुनिया के बाकी हिस्सों को भी भारी नुकसान हो रहा है। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों ने अपने अन्य क्षेत्रों की एवज में सैन्य खर्च में भारी वृद्धि की। यूरोप अब घरेलू अशांति, कलह का नया मैदान है। फ्रांस, इटली, जर्मनी व सर्बिया में हाल में हिंसक आंदोलन हुए जिनमें सैकड़ों-हजारों प्रदर्शनकारी सुरक्षा बलों से भिड़ते रहे। संपत्तियां लूटी गईं या नष्ट की गईं। फ्रांस में, आंदोलन छात्र प्रदर्शनों के साथ शुरू हुआ और समाज के अन्य वर्गों में फैल गया, जिसमें पैरेंट्स, शिक्षक और पेशेवर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। छात्र दोयम बुनियादी ढांचे और शिक्षकों की कमी को लेकर आंदोलनरत थे। जैसे-जैसे यह अन्य वर्गों में फैला, पर्याप्त और सस्ते आवास की समस्या, जीवनयापन की बढ़ती लागत और तेल की कीमत जैसी मांगें जुड़ती गईं। इन देशों में अनियंत्रित आप्रवासन को अक्सर अव्यवस्था के लिए दोषी ठहराया जाता है। एक दशक से, अधिकांश यूरोप में बेरोजगारी, उच्च मुद्रास्फीति व जीवन स्तर में गिरावट सहित अर्थव्यवस्था गतिहीन पड़ी है। इसी तरह, अगर मध्य पूर्व को देखें, तो लगता है हर कोई हर किसी से लड़ रहा है, ईरान अमेरिकियों और इस्राइलियों के निशाने पर है।



सैंडपेपर विवाद : कमिंस पर भड़के डेविड वार्नर, बोले- उन्होंने ख्वाजा को बलि का बकरा बनाया

पर्थ

आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने 2018 के सैंडपेपर विवाद पर कप्तान पैट कमिंस के बयान को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कमिंस पर उस्मान ख्वाजा को बलि का बकरा बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कप्तान के इस रवैये से उन्हें बेहद निराशा हुई है।

आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ में खेले जा रहे वनडे मुकाबले के दौरान फाक्स स्पोर्ट्स के लिए कमेंट्री करते हुए वार्नर ने ख्वाजा का समर्थन किया। ख्वाजा की हाल ही में जारी आत्मकथा में केपटाउन टेस्ट में हुए गेंद से छेड़छाड़ विवाद को लेकर किए गए दावों ने एक बार फिर इस पुराने मामले को चर्चा में ला दिया है।

वार्नर ने कहा, पैट कमिंस पूरी तैयारी के साथ आए थे। लेकिन मैं अब भी उज्जी (उस्मान ख्वाजा) और उनकी किताब में लिखी बातों के साथ खड़ा हूं। यह सच

वार्नर ने ख्वाजा के दावों का किया समर्थन, कहा- आठ साल से हम रोजाना भुगत रहे हैं सजा, जांच भी ठीक से नहीं हुई

है और मैं उनका पूरा समर्थन करता हूं। इस समय मुझे उनके लिए वास्तव में बुरा लग रहा है। मुझे लगता है कि आज कप्तान ने उज्जी को बलि का बकरा बना दिया। इससे मैं बहुत, बहुत निराश हूं।

उन्होंने कहा, इस मामले में हम तीनों ने बहुत बड़ी कीमत चुकाई है। मैंने आठ वर्षों तक इस बारे में बात नहीं की। लेकिन आखिरकार हमें हर दिन इसके परिणामों के साथ जीना पड़ता है। हमें ऐसी सजा मिली है, जो जिंदगी भर चलती रहेगी। इसलिए जब दूसरे लोग इस बारे में बात करते हैं कि उन पर इसका क्या असर पड़ा, तो मेरे, स्टीवन और कैमरन के लिए इससे बुरा कुछ नहीं हो सकता। हमें हर दिन मैदान पर उतरना पड़ता है और लोगों की गालियां सुननी पड़ती हैं। हां, हमने अपनी गलती स्वीकार की थी, लेकिन आखिरकार इसकी सबसे बड़ी कीमत मेरी पत्नी और मैंने चुकाई है। उस दौरान हमने अपना बच्चा खो दिया था और जब तक सच को स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक यह बात मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ देती रहेगी।

वार्नर ने उस समय हुई जांच पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, यह बहुत मुश्किल रहा है, क्योंकि शुरुआत में जिस तरीके से इस मामले को संभाला गया, उससे हमारे लिए वापस जाकर और सबूत देना कठिन हो गया। मुझे लगा कि जांच ठीक से नहीं हुई थी। यह मामला जल्दबाजी में निपटाने के लिए की गई जांच थी।

उन्होंने आगे कहा, हमें दोबारा वहां जाकर अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला। टाड ग्रीनबर्ग ने पिछले दिनों इस संभावना को खारिज कर दिया। इसलिए मुझे लगा था कि शायद इस पूरे मामले के बाद पर्दे के पीछे कुछ बातचीत होगी। इससे पहले कमिंस ने ख्वाजा के आरोपों को 100 प्रतिशत गलत और पूरी तरह बकवास बताया था। ख्वाजा ने अपनी नई आत्मकथा में दावा किया है कि 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी आस्ट्रेलियाई टीम को गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी थी, जिसमें कमिंस भी शामिल थे। इस विवाद में शामिल होने के कारण स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और कैमरन बेनक्राफ्ट पर प्रतिबंध लगाए गए थे। वार्नर के ताजा बयान से स्पष्ट है कि यह मामला उनके लिए आज भी बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। उनका मानना है कि इस पूरे प्रकरण और इसकी जांच से जुड़ी परिस्थितियों पर अब तक पर्याप्त और सही तरीके से विचार नहीं किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन, जापान के तनाका को सीधे गेमों में हराया

कुमामोटो। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल



में जगह बना ली है। आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान के युशी तनाका को सीधे गेमों में 21-16, 21-15 से हराया। यह मुकाबला 40 मिनट तक चला। लक्ष्य ने पहले गेम में मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, तनाका ने वापसी करते हुए मुकाबले को चुनौतीपूर्ण बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सही समय पर अपना खेल तेज किया और 21-16 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और स्कोर 4-4 से बराबर था। इसके बाद लक्ष्य ने बढ़त बनाई और मध्यांतर तक 11-9 से आगे रहे। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए 21-15 से गेम और मुकाबला जीत लिया। लक्ष्य पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आए हैं। उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे दौर में चीन के डोंग तियान याओ को केवल 35 मिनट में 21-8, 21-14 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना अब इंडोनेशिया के एल्वी फरहान से होगा। इससे पहले शुक्रवार को भारत के किदांबी श्रीकांत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

जापान मास्टर्स : क्वार्टर फाइनल में हारे किदांबी श्रीकांत, वतनबे ने सीधे गेमों में दी मात

कुमामोटो। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का जापान मास्टर्स में सफर शुक्रवार



को क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें जापान के कोकी वतनबे के खिलाफ 22-24, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला 41 मिनट तक चला। पहला गेम बेहद रोमांचक रहा और दोनों खिलाड़ियों के बीच 20 अंकों के बाद भी कड़ा मुकाबला जारी रहा। घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहे वतनबे ने दबाव के क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 24-22 से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की और मध्यांतर तक 11-5 की बढ़त बना ली। इसके बाद भी वह 14-9 से आगे थे, लेकिन वतनबे ने जबरदस्त वापसी की। जापानी खिलाड़ी ने 14-9 से पिछड़ने के बाद अगले 13 में से 12 अंक जीतकर गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया। इस तरह उन्होंने सीधे गेमों में मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। हार के बावजूद श्रीकांत के लिए यह टूर्नामेंट कुल मिलाकर अच्छा रहा। इससे पहले उन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त और घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी कोडाई नाराओका को पांचवीं भिड़ंत में पहली बार हराया था। श्रीकांत ने नाराओका के खिलाफ 21-15, 11-21, 21-18 से जीत दर्ज की थी। दूसरे गेम में बड़ी हार के बाद उन्होंने निर्णायक गेम में वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया था।

मेजर लीग साकर : लगातार तीसरी बार मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर पुरस्कार के फाइनलिस्ट बने मेसी

न्यूयार्क। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेसी लगातार तीसरे वर्ष मेजर लीग साकर (एमएलएस) के



प्रतिष्ठित लैंडन डोनोवन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) पुरस्कार के फाइनलिस्ट बने हैं। लीग ने सत्र के समापन पर दिए जाने वाले आठ व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए फाइनलिस्ट की घोषणा की। एमवीपी पुरस्कार की दौड़ में मेसी के साथ 17 वर्षीय उभरते खिलाड़ी कैवन सुलिवन भी शामिल हैं। इंटर मियामी के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले मेसी ने पिछले लगातार दो सत्रों में यह पुरस्कार जीता था। इस बार भी वह इसके प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। उन्होंने नियमित सत्र में लीग के सर्वाधिक 26 गोल किए, जबकि उनके नाम 17 असिस्ट भी रहे, जो लीग में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एमवीपी पुरस्कार के लिए मेसी और सुलिवन के अलावा एफसी सिनसिनाटी के इवांडर, ह्यूस्टन डायनमो के गिलहर्मे और नैशविले एससी के हानी मुख्तार फाइनलिस्ट हैं। सिगी श्मिड कोच आफ द ईयर पुरस्कार के लिए नैशविले के बीजे कैलाघन, सेंट लुइस सिटी के योआन डामे और वैंकूवर व्हाइटकैप्स के जेस्पर सोरेनसन दावेदार हैं। कैलाघन के मार्गदर्शन में नैशविले ने 23 जीत, तीन हार और आठ ड्रा के साथ 77 अंक हासिल कर सपोर्टर्स शील्ड अपने नाम की। डिफेंडर आफ द ईयर पुरस्कार के लिए नैशविले के तीन खिलाड़ी एंडी नाजार, जेइसन पलासियोस और मैक्सवेल वोल्डेजी फाइनलिस्ट हैं। वहीं, गोलकीपर आफ द ईयर पुरस्कार की दौड़ में नैशविले के ब्रायन श्वाके, सेंट लुइस सिटी के रोमन बुर्की और न्यू इंग्लैंड रिवोल्यूशन के मैट टर्नर शामिल हैं। कमबैक प्लेयर आफ द ईयर पुरस्कार के लिए वैंकूवर व्हाइटकैप्स के रयान गाल्ड, सिनसिनाटी के निक हैगलंड और सैन जोस अर्थक्वेक्स के एडुआर्ड लोवेन फाइनलिस्ट हैं। न्यूकमर आफ द ईयर पुरस्कार के लिए गिलहर्मे, आरलैंडो सिटी के एंटोनी ग्रीजमैन और स्पोर्टिंग कैनसस सिटी के आंद्रे लुइज के बीच मुकाबला होगा।

माउंट माउंगानुई में भारत की शर्मनाक हार, बने वनडे के 5 बड़े रिकॉर्ड

244 रनों से न्यूजीलैंड ने दी करारी शिकस्त, 89 रन पर सिमटी टीम इंडिया; मैट हेनरी ने झटके 6 विकेट



माउंट माउंगानुई।

बे ओवल मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड ने 244 रनों की ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 334 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम महज 89 रनों पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 27 रन देकर 6 विकेट हासिल किए। भारतीय बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन और हेनरी की शानदार गेंदबाजी के चलते इस एकतरफा मुकाबले में एकदिवसीय क्रिकेट के पांच बड़े रिकॉर्ड बने। इनमें भारतीय टीम के नाम कई शर्मनाक रिकॉर्ड भी दर्ज हुए।

भारतीय टीम इस मुकाबले में महज 89 रनों पर सिमट गई, जो एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में टीम इंडिया का छठा सबसे कम टीम स्कोर है। भारत का सबसे कम वनडे स्कोर 54 रन है, जो वर्ष 2000 में शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ बना था। इसके बाद वर्ष 1981 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 63 रन, 1986 में कानपुर में श्रीलंका के खिलाफ 78 रन, 1978 में सियालकोट में पाकिस्तान के खिलाफ 79 रन और 2010 में दांबुला में न्यूजीलैंड के खिलाफ 88 रन बने थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रनों का मौजूदा स्कोर इस सूची में छठे स्थान पर है। इसके बाद वर्ष 2006 में डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 91 रन और 2019 में हैमिल्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 92 रनों के स्कोर शामिल हैं। रनों के अंतर से भारतीय टीम अपने एकदिवसीय इतिहास की सबसे बड़ी हार के रिकॉर्ड की बराबरी करने से महज एक रन दूर रह गई। भारत की सबसे बड़ी हार का रिकॉर्ड 245 रनों का है, जो वर्ष 2000 में शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ मिली थी। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ 244 रनों की यह करारी शिकस्त भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार बन गई है। इससे पहले भारत को वर्ष 2015 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका से 214 रनों से, 2004 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया से 208 रनों से, 1975 के विश्व कप में लॉर्ड्स में इंग्लैंड से 202 रनों से और 2010 में दांबुला में न्यूजीलैंड से 200 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। मैट हेनरी ने इस मुकाबले में छह विकेट चटकाकर भारत के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में चौथी बार चार या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। इसके साथ ही उन्होंने वेस्टइंडीज के रवि रामपॉल (14 पारियां), श्रीलंका के अजंता मेंडिस (19 पारियां), ऑस्ट्रेलिया के ब्रेट ली (30 पारियां) और पाकिस्तान के आकिब जावेद (36 पारियां) की बराबरी कर ली, जिन्होंने भारत के खिलाफ चार-चार बार यह उपलब्धि हासिल की है। हालांकि, हेनरी ने महज 12 पारियों में यह मुकाम हासिल कर इन सभी गेंदबाजों को पीछे छोड़ दिया और भारत के खिलाफ सबसे तेज चार या उससे अधिक विकेट लेने के चार कारनामे करने वाले गेंदबाज बन गए।मैट हेनरी ने भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ते हुए अपने एकदिवसीय करियर का चौथा पांच विकेट हॉल पूरा किया। इसके साथ ही उन्होंने न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड की भी बराबरी कर ली, जिन्होंने अपने करियर में चार बार यह उपलब्धि हासिल की थी। इस उपलब्धि के साथ हेनरी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के लिए एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा पांच विकेट हॉल लेने का रिकॉर्ड ट्रेंट बोल्ट के नाम है, जिन्होंने छह बार यह कारनामा किया है। दूसरे स्थान पर सर रिचर्ड हैडली पांच बार और पांचवें स्थान पर टिम साउदी तीन बार पांच विकेट हॉल के साथ मौजूद हैं।रनों के अंतर से यह न्यूजीलैंड के एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। कीवी टीम की सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड 290 रनों का है, जो उसने वर्ष 2008 में एबरडीन में आयरलैंड के खिलाफ दर्ज किया था। भारत के खिलाफ 244 रनों की यह जीत अब इस सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। इस सूची में तीसरे स्थान पर वर्ष 2004 की चैंपियंस ट्रॉफी में अमेरिका के खिलाफ मिली 210 रनों की जीत, चौथे स्थान पर 1986 में एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली 206 रनों की जीत और पांचवें स्थान पर 2017 में क्राइस्टचर्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ दर्ज की गई 204 रनों की जीत शामिल है।

ऋषभ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड रवाना हुए



बेंगलूर

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड रवाना हो गये हैं। ऋषभ अब तक यहां बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस हासिल करने में लगे थे। गत दिवस ही उन्हें सीओई ने फिटनेस क्लियरेंस दिया। जिसके बाद ही उनके टेस्ट सीरीज में खेलने का रास्त साफ हुआ। ऋषभ के फिट होने से भारतीय टीम को राहत मिली है क्योंकि विदेशी मैदानों पर उनका काफी अच्छा रिकार्ड रहा है।

वह अगस्त से ही भारतीय टीम से बाहर थे। इस कारण साइड स्ट्रेन की समस्या होना है। अक्टूबर में खेले गए ईरानी कप के मैच में उन्हें एक और चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें न्यूजीलैंड ए के खिलाफ अनआफिशियल टेस्ट मैचों के लिए इंडिया ए स्क्वाड से बाहर कर दिया गया था। इन बाधाओं के बावजूद, ऋषभ ने सेंटर आफ एक्सीलेंस में 23 अक्टूबर से दो सप्ताह से अधिक समय तक रहकर अपनी फिटनेस पर काम किया। इस दौरान वह कई मैच सिम्यूलेशन प्रक्रियाओं से गुजरे, जो किसी भी खिलाड़ी की गेम फिटनेस को परखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। इन सभी प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर अपनी वापसी हुई है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज 19 नवंबर से होना है, और इस अनभवी विकेटकपर के टीम से जुड़ने से शुभमन गिल की टीम को लाभ हुआ है। इसका कारण है कि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कौशल से किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं।

हालांकि, उनकी वापसी के साथ ही टीम प्रबंधन के सामने विकेटकीपिंग स्लाट को लेकर एक दिलचस्प चुनौती खड़ी हो गई है। टीम में केएल राहुल और युवा ध्रुव जुरेल के रूप में दो अन्य विकेटकीपिर पहले से ही उपलब्ध हैं। केएल राहुल जहां टीम के लिए ओपनिंग करते हैं और उनकी बल्लेबाजी फार्म शानदार रही है, वहीं जुरेल ने हालिया अनआफिशियल टेस्ट सीरीज में प्रभावित है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अंतिम ग्यारह में उनके , राहुल और जुरेल में से किस खिलाड़ी को जगह मिलती है।

टेस्ट सीरीज के लिए कप्तान शुभमन गिल सहित प्रमुख खिलाड़ों ने अभ्यास शुरु कर दिया है। कप्तान शुभमन गिल के साथ-साथ केएल राहुल और अंशुल कंबोज जैसे प्रमुख खिलाड़ी इसी कारण अंतिम दो एकदिवसीय मैचों से बाहर हैं।

अर्शदीप और माडल समरीन की सगाई : एक नए सफर की शुरुआत



वैलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप ने अभिनेत्री और माडल समरीन कौर के साथ सगाई की है। से दोनो ही लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। अब इस जोड़े ने अपनी जिंदगी के इस नए अध्याय की शुरुआत कर दी है, जिसपर प्रशंसकों ने इन दोनो को बधाइयां दी हैं। इस जोड़े ने अपने प्रशंसकों के साथ ही सोशल मीडिया पर भी कुछ तस्वीरें साझा की हैं, इसमें अर्शदीप घुटनों के बल बैठकर समरीन को शादी के लिए प्रपोज करते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में समरीन की शानदार हीरे की अंगूठी भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है, जिसे उन्होंने खुशी-खुशी स्वीकार किया। इस खूबसूरत पल का जश्न दोनो ने एक-दूसरे को गले लगाकर मनाया, जो उनके गहरे प्यार और साथ की मजबूत नींव को दर्शाता है। अपनी पोस्ट के साथ ही इस जोड़े ने लिखा था, जिंदगी हमें जो कुछ भी दे सकती थी, उनमें से सबसे अच्छी बात यह है कि उसने हमें एक-दूसरे से मिलाया। जीवन भर साथ रहने के लिए। जैसे ही यह खबर सोशल मीडिया पर साझा की गई, इस जोड़े को बधाई संदेश मिलने शुरू हो गए। प्रशंसकों और दोस्तों ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

बुडापेस्ट फास्ट क्लासिक में कारुआना और नीमन की लगातार दो जीत, असौबायेवा ने एरिगैसी को हराया

दूसरे दिन 24 में से 13 बाजियों के निकले निर्णायक परिणाम, अलीरेजा फिरोजा ग्रुप ए और फैबियानो कारुआना ग्रुप बी में शीर्ष पर



बुडापेस्ट

अमेरिका के फैबियानो कारुआना और हंस मोके नीमन ने बुडापेस्ट में जारी टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट के फास्ट क्लासिक ग्रुप चरण के दूसरे दिन अपनी दोनों बाजियां जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, उज्बेकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा ने भारत के अर्जुन एरिगैसी को हराकर दिन का बड़ा उलटफेर किया।

दूसरे दिन तीसरे और चौथे दौर में कुल 24 में से 13 बाजियों के निर्णायक परिणाम निकले। पहले दिन की तुलना में यह तीन अधिक था। प्रतियोगिता के इस प्रारूप में प्रत्येक खिलाड़ी को एक ही प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दो बाजियां खेलनी होती हैं, जिनमें रंग बदल जाते हैं। जीत पर तीन अंक और ड्रा पर एक अंक दिए जाते हैं। दोनों बाजियां जीतने के कारण कारुआना और नीमन ने छह-छह अंक हासिल किए।

ग्रुप ए में अलीरेजा फिरोजा आठ अंकों के साथ अकेले शीर्ष पर पहुंच गए हैं। ग्रुप बी में कारुआना 10 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। ग्रुप सी में इयान नेपोमनियाची और हाइक मार्टिरोस्यान छह-छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। ग्रुप डी में नीमन ने मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ आठ अंकों पर बराबरी कर ली है।

ग्रुप ए : फिरोजा ने बनाई बढ़त - ग्रुप ए में अलीरेजा फिरोजा ने जार्डन वान फारेस्ट के खिलाफ सफेद मोहरों से लंबी बाजी जीत ली, जबकि दूसरी बाजी ड्रा रही। इस प्रदर्शन से फिरोजा को चार अंक मिले और वह कुल आठ अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए। जान-क्रिस्टोफ डूडा उनसे एक अंक पीछे हैं। डूडा और नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के बीच दोनों बाजियों में जीत का आदान-प्रदान हुआ। डूडा ने पहली बाजी जीती, जो दिन की सबसे लंबी बाजी रही। इसके बाद अब्दुसत्तोरोव ने दूसरी बाजी जीतकर हिसाब बराबर कर लिया। दोनों को तीन-तीन अंक मिले। डूडा के सात और अब्दुसत्तोरोव के चार अंक हैं। लेवोन एरोनियन और एंड्रयू होंग के बीच दोनों बाजियां ड्रा रहीं। एरोनियन के पांच और होंग के तीन अंक हो गए हैं। वान फारेस्ट के खाते में चार अंक हैं।

ग्रुप बी : कारुआना की दोहरी जीत - ग्रुप बी में फैबियानो कारुआना ने आर. प्रज्ञानानंद के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। सफेद मोहरों से खेलते हुए कारुआना ने एक मोहरा बलिदान कर काले मोहरों से खेल रहे प्रतिद्वंद्वी की रक्षा को कमजोर किया और आसानी से जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने काले मोहरों से भी दूसरी बाजी जीत ली। दोनों जीत से कारुआना के कुल 10 अंक हो गए हैं और उन्होंने दूसरे स्थान पर मौजूद लियेम ले पर दो अंकों की बढ़त बना ली है। लियेम ले ने विंसेंट कीमर के खिलाफ एक जीत और एक ड्रा के साथ चार अंक हासिल किए। उन्होंने सफेद मोहरों से कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की। ले के आठ अंक हैं, जबकि कीमर तीन अंकों पर हैं। रिचर्ड रापोर्ट और व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के बीच दोनों बाजियां ड्रा रहीं। दोनों के तीन-तीन अंक हैं। प्रज्ञानानंद दो अंकों पर बने हुए हैं।

ग्रुप सी : मार्टिरोस्यान ने की वापसी, कार्लसन की चौथी बाजी भी ड्रा - ग्रुप सी में हाइक मार्टिरोस्यान ने अनिश गिरि के खिलाफ पहली बाजी गंवाने के बाद शानदार वापसी की। गिरि ने सफेद मोहरों से खेलते हुए महज 26 चालों में जीत हासिल की, लेकिन मार्टिरोस्यान ने वापसी की बाजी सफेद मोहरों से जीत ली। इस तरह मार्टिरोस्यान के छह अंक हो गए और वह इयान नेपोमनियाची के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए। गिरि के पांच अंक हैं। नेपोमनियाची और शाखरियार मामेद्यारोव के बीच दोनों बाजियां ड्रा रहीं। दोनों खिलाड़ियों को दो-दो अंक मिले और मामेद्यारोव के कुल पांच अंक हो गए।

केकेआर की कप्तानी के लिए रिंकू सिंह का नाम आगे लाए आकाश चोपड़ा, बोले- विदेशी खिलाड़ी से बेहतर विकल्प

नई दिल्ली

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को पिछले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में प्लेआफ में जगह नहीं मिली थी। अब पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे के संन्यास के बाद फ्रेंचाइजी के सामने आईपीएल 2027 से पहले कई अहम फैसले लेने की चुनौती है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने रिंकू सिंह को टीम की कप्तानी सौंपने की सलाह दी है। उनका मानना है कि यदि नीलामी में कोई उपयुक्त विकल्प नहीं मिलता है, तो विदेशी खिलाड़ी की बजाय रिंकू को कप्तान बनाया जाना चाहिए।

जियोस्टार के कार्यक्रम गेम प्लान में आकाश चोपड़ा और अभिनव मुकुंद ने केकेआर की संभावित रिटेंशन और रिलीज रणनीति पर चर्चा की। इसमें कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना और रिंकू सिंह सहित कई खिलाड़ियों के भविष्य पर विचार किया गया।

आकाश चोपड़ा ने पिछले सत्र की नीलामी में महंगी कीमत पर खरीदे गए कैमरन ग्रीन और मथीशा पथिराना को रिलीज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, मैं 25.2 करोड़ रुपये में खरीदे गए कैमरन ग्रीन को रिलीज करने के पक्ष में हूं। यह विश्व कप और एशेज का साल है, इसलिए मुझे उनकी उपलब्धता और वह कितने मैच खेल पाएंगे, इसे लेकर भरोसा नहीं है। अगर आप उन्हें रिलीज करते हैं और दोबारा खरीदना भी चाहते हैं, तो उन्हें 50 प्रतिशत कम कीमत पर आसानी से हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मथीशा पथिराना भी नहीं खेल रहे हैं, इसलिए यह 18 करोड़ रुपये का एक और निवेश है। केकेआर इस नीलामी में सबसे ज्यादा पैसे के साथ उतर सकती है और यही



सबसे बड़ी चर्चा होगी। मुस्तफिजुर रहमान को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। अगर वह उपलब्ध हैं और खेल सकते हैं, तो आप उन्हें टीम में बनाए रखना चाहेंगे। लेकिन क्या वह खेल पाएंगे, यह हमें नहीं पता। अगर वह खेल सकते हैं, तो मैं उन्हें जरूर रिटेन करूंगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों को रिलीज करने से आपके पास पहले ही 43 करोड़ रुपये अतिरिक्त हो जाएंगे।

रिंकू सिंह को कप्तानी सौंपने के सवाल पर चोपड़ा ने कहा, रिंकू को कप्तान बना दीजिए। आपने उन्हें उपकप्तान बनाया था, है ना तो अब उन्हें कप्तान बना दीजिए। वह यूपी टी20 लीग में अपनी टीम की कप्तानी करते हैं। कभी-कभी आपको खिलाड़ियों को बड़ी जिम्मेदारी देकर गहरे पानी में उतारना पड़ता है और देखना होता है कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं। यह वैसा ही मौका है, बशर्ते नीलामी में आपको कोई दूसरा उपयुक्त खिलाड़ी न मिल जाए। अगर कोई और विकल्प नहीं मिलता है, तो विदेशी खिलाड़ियों की तरफ देखने के बजाय मैं वास्तव में रिंकू को कप्तानी सौंपना पसंद करूंगा।

चोपड़ा ने रमनदीप सिंह और उमरान मलिक के भविष्य पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं चार करोड़ रुपये के रमनदीप सिंह को लेकर थोड़ा चिंतित हूं। उनका बिल्कुल इस्तेमाल नहीं हो रहा है और यह मेरे लिए चिंता का विषय है। अगर मैं उन्हें खिलाने वाला नहीं हूं और वह अच्छा प्रदर्शन भी नहीं कर रहे हैं, तो क्या मुझे किसी दूसरे विकल्प की तरफ जाना चाहिए मुझे पता है कि यह सिर्फ चार करोड़ रुपये हैं, लेकिन इस पैसे का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। उमरान मलिक पर उन्होंने कहा, एक अन्य खिलाड़ी उमरान मलिक हैं। क्या केकेआर उन्हें रिलीज करेगी उनकी कीमत केवल 75 लाख रुपये है, लेकिन उन्हें खिलाया नहीं जा रहा है। अगर आप उन्हें मौका नहीं दे रहे हैं, तो उमरान के हित में मैं कहूंगा कि उन्हें रिलीज कर दीजिए। इस लड़के के लिए आपको बुरा लगता है, क्योंकि उनमें काफी क्षमता है। फिर उन्हें बेंच पर क्यों बैठाए रखना अगर आप उन्हें नहीं खिला सकते और हर्षित उपलब्ध हैं, तो इस खिलाड़ी को जाने दीजिए और कहीं दूसरी जगह खेलने दीजिए।

विवेक और मानवीय संवेदनाएं कभी न भूलें : युगभूषण सूरीश्वरजी



बेंगलूरु, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एसएमजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के स्कूल एवं कॉलेज परिसर में परम पूज्य गच्छाधिपति आचार्यश्री युगभूषणसूरीश्वरजी म.सा. (पंडित म.सा.) आदि श्रमण-श्रमणीवृंद का भव्य एवं मंगलमय प्रवेश अत्यंत हर्षोल्लास और श्रद्धा के वातावरण में संपन्न हुआ।

शुक्रवार सुबह गुरुभगवंतों के आगमन पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने बैंड की मधुर स्वर लहरियों के साथ सलामी देकर उनका स्वागत किया। वहीं, मातृछाया की बहनों ने मंगल गीतों के साथ सामैया कर आचार्यश्री एवं साधु-साध्वी भगवंतों का भावपूर्ण अभिनंदन किया। इसके पश्चात कॉलेज के सभागार में भव्य धर्मसभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष चम्पालाल भंडारी ने सभी अतिथियों एवं गुरुभगवंतों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जहां धर्म के संस्कार हैं, वहीं सच्ची शिक्षा है। गुरुदेव का आगमन हमारे लिए धर्म, ज्ञान और संस्कार का त्रिवेणी संगम है।

पूज्य गुरुदेव ने छात्र-छात्राओं को ज्ञान, सदाचार, संस्कार एवं जीवन की सही दिशा का बोध कराया।

विशेष रूप से आज के आधुनिक युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की बढ़ती उपयोगिता, उसके प्रभाव, संभावनाओं एवं चुनौतियों पर अत्यंत गहनता से सरल शब्दों में प्रकाश डाला। उन्होंने समझाया कि एआई हमारे प्रश्नों के उत्तर तो दे सकता है, लेकिन हमारे निर्णयों को सही या गलत के आधार पर परखने का विवेक मनुष्य को अपने संस्कारों और अंतरात्मा से ही प्राप्त होता है।

इस विषय को गुरुदेव ने एक अत्यंत प्रभावशाली विचार के माध्यम से प्रस्तुत किया।

एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच नैतिकता, जिम्मेदारी और मानवीय विवेक के महत्व को समझाते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि तकनीक का उपयोग अवश्य करें, लेकिन अपने विवेक, नैतिक मूल्यों एवं मानवीय संवेदनाओं को कभी न भूलें।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में आदर्श ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के सचिव जितेन्द्र कुमार मरडिया, जैन मिशन हॉस्पिटल चिक्कबल्लापुर के अध्यक्ष सुरेश कुमार जैन, भामाशाह एवं समाजसेवी बाबूलाल रांका तथा पूर्व अध्यक्ष भगवान महावीर अस्पताल फूलचंद जैन की गरिमामय उपस्थिति रही।

अनाथ बच्चों संग मनाई दीपावली



मुंबई, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इंडिया मीडिया लिंक एंड इवेंट्स मैनेजमेंट की ओर से संचालक के. रविदादा के नेतृत्व में मुंबई स्थित डेविड ससून चिल्ड्रन स्कूल एवं चिल्ड्रन होम में रहने वाले सैकड़ों अनाथ एवं निराश्रित बच्चों के साथ दीपावली मनाई गई। इस अवसर पर बच्चों को घर में बनी पारंपरिक मिठाइयां, फराल एवं उपहार वितरित किए गए।

इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों के साथ त्योहार की खुशियां साझा करना तथा उन्हें प्रेम, अपनत्व और सम्मान का एहसास कराना था।

कार्यक्रम में के. रविदादा के साथ चिदंबरम बी. कुलकर्णी, अधिवक्ता यशवंत गंगावने, नासिर पठान, प्रकाश दुपारगुडे, प्रो. हेमंत सामंत, जॉन मेढ़े, अतुल राजकुले, अरुण वडनेरे, राजेश चव्हाण, डॉ. सीमा टिबरेवाल एवं प्रो. मंजिरी माने सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं मीडिया कर्मियों ने भाग लिया।

आयोजन में डेविड ससून चिल्ड्रन होम के अधीक्षक तुषार रघुवंशी एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा। इस पहल के माध्यम से आयोजकों ने सामाजिक संवेदनशीलता एवं मानवता का संदेश दिया।



भाजयुमो प्रवक्ता, गोलकुंडा जिला, हैदराबाद (तेलंगाना) आशीष व्यास ने शुभम कन्वेंशन, नागोल में आयोजित भाजयुमो संवाद बैठक के दौरान भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमांग जोशी का स्वागत किया।

उत्तर भारतीय नागरिक संघ द्वारा

कर्मनघाट में छठ पूजा की भव्य तैयारियां



हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लोक आस्था, सूर्य उपासना एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महापर्व छठ पूजा उत्तर भारतीय नागरिक संघ हैदराबाद की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कर्मनघाट हनुमान मंदिर परिसर में श्रद्धा एवं भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। इस महापर्व को लेकर मंदिर परिसर एवं तालाब में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। श्रद्धालुओं और व्रतधारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पिछले दो दिनों से तालाब की साफ-सफाई तथा रंगाई-पुताई का कार्य किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, 14 नवंबर की रात तक सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी।

इस आयोजन को सफल बनाने के लिए मंदिर कमेटी के पदाधिकारी एवं उत्तर भारतीय नागरिक संघ के चेयरमैन एन.के. सिंह सहित संस्था के सभी सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। तालाब की सफाई, रंगाई-पुताई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। संस्था की ओर से श्रद्धालुओं एवं व्रतधारियों के लिए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। इनमें रोशनी, साउंड सिस्टम, फल, दूध तथा पूजा में उपयोग होने वाली अन्य आवश्यक सामग्री शामिल हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

चार दिवसीय छठ महापर्व का शुभारंभ 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ हो चुका है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 14 नवंबर को खरना एवं खरना प्रसाद का आयोजन होगा। 15 नवंबर को प्रथम अर्घ्य (अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य) अर्पित किया जाएगा, जबकि 16 नवंबर को द्वितीय अर्घ्य (उदीयमान सूर्य को अर्घ्य) के साथ छठ महापर्व का विधिवत समापन होगा।

इसी क्रम में तालाब की तैयारियों का निरीक्षण करते हुए उत्तर भारतीय नागरिक संघ के चेयरमैन एन.के. सिंह, अमरजीत सिंह, मंदिर कमेटी के सहायक पी.एस. प्रसाद, पी. सुरेश, अंजैया, वीराशम, बसवराज सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने तैयारियों का जायजा लिया और निर्धारित समय तक व्यवस्थाएं पूरी करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उत्तर भारतीय नागरिक संघ की ओर से सभी पुरुष एवं महिला छठ व्रतधारियों तथा श्रद्धालुओं से विनम्र अपील की गई है कि वे कर्मनघाट हनुमान मंदिर परिसर में पहुंचकर स्वच्छ जल से भरे तालाब में भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें और इस पावन महापर्व का पुण्य लाभ प्राप्त करें।

छठ पूजा के अवसर पर समाज के सभी लोगों से परिवार सहित शामिल होकर लोक आस्था के इस महान पर्व को श्रद्धा, भक्ति एवं सामाजिक एकता के साथ मनाने का आग्रह किया गया है।

रेलवे सुरक्षा विशेष बल ने मनाया 65वां स्थापना दिवस



हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के अंतर्गत मौला-अली, हैदराबाद स्थित रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) की 7वीं बटालियन द्वारा 13 नवंबर 2026 को बल का 65वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व 7वीं बटालियन, आरप-ीएसएफ, मौला-अली के कमांडिंग ऑफिसर श्री अनिल कुमार पांडेय ने किया।

यह महत्वपूर्ण अवसर बल के मिशन और उद्देश्यों को संगठन के भीतर तथा समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारियों के संदर्भ में और अधिक मजबूत करने का प्रतीक रहा। इस अवसर पर बल के मूल संस्थागत मूल्यों को दोहराने, पूर्व एवं वर्तमान जवानों के समर्पण और बलिदान को सम्मान देने तथा आपसी एकता, सहयोग और संगठनात्मक भावना को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

स्थापना दिवस को उचित उत्साह और गरिमामय ढंग से मनाने के लिए 7वीं बटालियन, आरपीएसएफ द्वारा मौला-अली परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इन कार्यक्रमों के अंतर्गत एकता और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ईस्ट आनंदबाग मुख्य मार्ग पर 'रन फॉर यूनिटी' (एकता दौड़) आयोजित की गई। पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को प्रोत्साहित करने के लिए यूनिट परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया गया।

इसके अलावा जवानों के बीच आपसी सौहार्द, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए मैत्रीपूर्ण खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बल के जवानों का मनोबल बढ़ाने तथा उनके कल्याण से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श करने के उद्देश्य से 'सुरक्षा सम्मेलन' भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का समापन सम्मान समारोह एवं 'बड़ा खाना' (बाराखाना) के साथ भव्य रूप से हुआ। इस अवसर पर सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। समारोह में सेवारत अधिकारी, बल के जवान तथा उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे। इस आयोजन के माध्यम से 7वीं बटालियन ने रेलवे सुरक्षा बल की गौरवशाली परंपरा, समर्पण, एकता और सेवा भावना को सम्मानित करते हुए 65वें स्थापना दिवस को यादगार बनाया।

छठ पूजा सूर्य उपासना और लोक आस्था का महापर्व : राम प्रकाश अग्रवाल







हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास शुक्रवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने छठ पूजा के पावन पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि छठ पूजा सूर्य उपासना का सबसे बड़ा और पवित्र पर्व है। यह पर्व लोक आस्था, श्रद्धा, विश्वास, अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम प्रतीक है। भगवान सूर्य देव एवं छठी मैया की आराधना से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व हमें प्रकृति के प्रति सम्मान, परिवार की खुशहाली और समाज के कल्याण की भावना का संदेश देता है। सूर्य देव समस्त संसार को प्रकाश और ऊर्जा प्रदान करते हैं। छठ पूजा के माध्यम से हम उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हैं। यह पर्व आपसी प्रेम, सामाजिक एकता, पवित्रता और समर्पण की भावना को भी मजबूत करता है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने छठ पूजा के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कामना की कि भगवान सूर्य देव और छठी मैया की असीम कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य, खुशहाली एवं समृद्धि बनी रहे। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य नियमित अन्नसेवा के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं की भावना को मजबूत करना है। जरूरतमंदों की सेवा करना ही सच्ची मानव सेवा और ईश्वर की आराधना है।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, डॉ. चंद्रकला अग्रवाल एवं ई. जगन चंपापेट सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने मिलकर सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया और छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

और...

मंत्री रानोज पेगू जल्द ही काजीरंगा जाएंगे, जबकि मुख्यमंत्री स्वयं शनिवार को घटनास्थल का दौरा करेंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री अतुल बोरा पहले से ही मौके पर राहत और बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हादसे पर दुख जताया है।

दुर्घटना की जांच शुरू, यातायात नियमों के उल्लंघन की पड़ताल

पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि दोनों वाहनों में से किसी ने यातायात नियमों का उल्लंघन तो नहीं किया था। जांच में तेज रफ्तार और निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है।

ट्रक के डैशकैम का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें यात्री वाहन तेज रफ्तार में अपनी लेन से दूसरी तरफ जाता दिखाई दे रहा है। हालांकि, दुर्घटना की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

उम्र 30...

डॉ. अरविंद के मुताबिक, जिन इलाकों में प्रदूषण का स्तर अधिक रहता है, वहां बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को भी अपने फेफड़ों की सेहत को लेकर सतर्क रहना चाहिए। विशेषकर जिन लोगों को लगातार खांसी रहती है या जिनका धूम्रपान का इतिहास रहा है, उन्हें फेफड़ों की जांच करानी चाहिए। युवाओं में फेफड़ों की क्षमता का पता लगाने के लिए पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट और स्पाइरोमेट्री जैसी जांच की जा सकती हैं। बच्चों और बुजुर्गों में भी जरूरत के अनुसार फीनो और ऑडियोमेट्री जांच की जा सकती हैं।

फेफड़ों को डिटॉक्स करने के दावों से रहें सावधान

बाजार में फेफड़ों को साफ करने के नाम पर कई तरह के दावे किए जाते हैं। कहीं विशेष आहार से फेफड़ों को डिटॉक्स करने की बात कही जाती है, तो कहीं 15 मिनट ऑक्सीजन लेने से फेफड़े साफ होने का दावा किया जाता है। डॉ. अरविंद कुमार ऐसी बातों को लेकर आगाह करते हैं।

उनका कहना है कि फेफड़ों को साफ करने का कोई जादुई तरीका नहीं है। न कोई विशेष आहार, न सांस के जरिए किसी पदार्थ को अंदर लेने का तरीका और न ही कुछ देर ऑक्सीजन लेने से फेफड़ों में जमा प्रदूषण बाहर निकाला जा सकता है। फेफड़ों की अपनी प्राकृतिक सफाई व्यवस्था होती है, लेकिन गंभीर नुकसान को किसी डिटॉक्स तरीके से ठीक नहीं किया जा सकता।

राहुल ...

साथ सार्वजनिक बहस करना चाहते हैं। वहीं, भाजपा संसद में चर्चा कराने की बात कर रही है। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि भाजपा संसद में बहस कराने पर ही क्यों जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि यदि बहस होनी है तो वह सार्वजनिक रूप से होनी चाहिए। इसी दौरान उन्होंने सोनिया गांधी की पुस्तक को लेकर भाजपा की ओर से की जा रही बयानबाजी पर भी सवाल उठाए।

दिल्ली के प्रदूषण और प्रधानमंत्री को दिए गए बहस के न्योते पर तंज कसते हुए राहुल गांधी ने पूछा कि दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक और बहस के न्योते में से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसे अधिक नजरअंदाज करेंगे।

राहुल गांधी ने संसद में उन्हें बोलने का अवसर नहीं दिए जाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कृषि कानूनों, वोट चोरी, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), चीन, जनरल नरवणे की पुस्तक और एप्सटीन से जुड़े मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें इन मामलों पर संसद में अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया गया।

सीधे सवाल-जवाब और आरोप-प्रत्यारोप चाहते हैं राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि वह ऐसी बहस नहीं चाहते, जिसमें दोनों पक्षों की ओर से लंबे-लंबे भाषण दिए जाएं। उनके अनुसार, आमने-सामने की बहस में दोनों नेताओं को एक-दूसरे से सीधे सवाल पूछने और आरोप लगाने का अवसर मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके सामने बैठें और दोनों के बीच सीधे सवाल-जवाब हों। प्रधानमंत्री उन पर आरोप लगाएं और वह प्रधानमंत्री पर आरोप लगाएं। उनके मुताबिक, बहस में एक तरफ नरेंद्र मोदी हों और दूसरी तरफ वह स्वयं हों।

शरीफ मुंगेरी...

इसके लिए उत्पादकता, रोजगार, शिक्षा, निवेश और औद्योगिक विकास भी जरूरी हैं।

यही पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। देश को लगातार राजकोषीय घाटे, विदेशी मुद्रा की कमी, कर्ज के भुगतान और महंगाई जैसी समस्याओं से जूझना पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्यक्रमों पर निर्भरता भी उसकी आर्थिक कमजोरियों को उजागर करती रही है।

गोल्डमैन सैक्स ने जोखिमों को लेकर भी किया आगाह

इस रिपोर्ट को केवल पाकिस्तान के लिए खुशखबरी मानना अधूरा होगा। गोल्डमैन सैक्स ने पर्यावरणीय आपदाओं, जलवायु परिवर्तन और लोकलुभावन राष्ट्रवाद को अपनी दीर्घकालिक भविष्यवाणी के लिए बड़े जोखिमों में गिना है। पाकिस्तान पहले ही बाढ़, जल संकट और जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों का सामना कर चुका है।

बिना कर्ज के पाकिस्तान का काम नहीं चलता। आतंकवाद और आंतरिक हिंसा से भी पाकिस्तान लगातार जूझ रहा है। अलगाववादी संगठन बीएलए ने हाल ही में 18 पुलिसकर्मियों को मारने का दावा किया है।गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि इतने लंबे समय के आर्थिक अनुमान में अनिश्चितता काफी अधिक होती है। स्वयं गोल्डमैन सैक्स ने इसे भविष्य की संभावित आर्थिक दिशा समझने का एक आकलन बताया है, न कि कोई तयशुदा नतीजा।

ऐसे में शहबाज शरीफ के सामने असली चुनौती वर्ष 2075 के सपने को दोहराने की नहीं, बल्कि आज पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को स्थिर करने की है।

मेड इन...

इसी तरह 'गोरी ब्यूटी क्रीम विद लाइकोपीन' में 6,924.94 पीपीएम पारा पाया गया।पुलिस ने बताया कि यह छापेमारी इतवारा पुलिस थाने की टीम ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों के साथ मिलकर की थी। दुकान संचालक मोहम्मद जियाउद्दीन मोहम्मद वाजिद के पास उर्दू और अंग्रेजी में लेबल वाले ऐसे सौंदर्य उत्पाद मिले थे, जिन पर पाकिस्तान में निर्मित होने का दावा किया गया था।

अधिकारियों के मुताबिक, जांच में सामने आए नतीजों से इन नकली उत्पादों के संभावित स्वास्थ्य नुकसान को लेकर गंभीर चिंता बढ़ गई है। लंबे समय तक सौंदर्य प्रसाधनों के जरिए अधिक मात्रा में पारा और आर्सेनिक के संपर्क में रहने से त्वचा संबंधी गंभीर समस्याएं, गुर्दों को नुकसान और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।

पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम तथा विदेशी व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे नकली, बिना लाइसेंस वाले या संदिग्ध आयातित उत्पादों की बिक्री की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दें।

तालिबान...

ओवरचुक के मुताबिक, वर्ष 2026 के शुरुआती आठ महीनों में रूस और अफगानिस्तान के बीच व्यापार दोगुने से अधिक होकर 34.9 करोड़ डॉलर के पार पहुंच गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देशों के संबंध अब केवल कूटनीतिक बातचीत तक सीमित नहीं हैं। मॉस्को अफगानिस्तान में अपनी आर्थिक मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

रूस ने जुलाई 2025 में दी थी तालिबान सरकार को मान्यता

दरअसल, रूस ने जुलाई 2025 में तालिबान सरकार को आधिकारिक मान्यता दी थी। ऐसा करने वाला वह दुनिया का पहला और अब तक इकलौता देश है। इससे पहले अप्रैल 2025 में रूस ने तालिबान को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की सूची से भी हटा दिया था। मई 2026 में दोनों देशों के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग का समझौता भी हुआ था। इसके तहत अफगानिस्तान में पहले से मौजूद रूसी सैन्य उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव में सहयोग की बात सामने आई थी।

रूस की वेबसाइट रशिया टुडे के अनुसार, मॉस्को तालिबान के साथ अपने तेजी से बढ़ते संबंधों का बचाव मुख्य रूप से दो आधारों पर करता है। पहला, काबुल की मौजूदा सत्ता को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण साझेदार माना जाता है। रूस का मानना है कि तालिबान ने इतनी ताकत जुटा ली है कि वह देश को फिर से पूर्ण गृहयुद्ध की स्थिति में जाने से रोक सकता है और देश पर काफी हद तक स्थिर नियंत्रण बनाए रख सकता है।

रूसी नेतृत्व के लिए तालिबान इस्लामिक स्टेट-खुरासान के खिलाफ प्रयासों में एक जरूरी बातचीत करने वाला पक्ष बन गया है। इस संगठन की गतिविधियां न केवल रूस, बल्कि मध्य एशिया में उसके साझेदारों के लिए भी खतरा हैं।

दूसरा कारण यह है कि काबुल की सत्ता ने नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने की इच्छा दिखाई है। अफीम आधारित नशीले पदार्थों के उत्पादन में आई कमी के आंकड़ों से भी इसका संकेत मिलता है।

खरना आज...

पवित्रता का ध्यान रखा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि खरना का प्रसाद ग्रहण करने से व्रती को छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

खरना के दिन सुबह सबसे पहले घर और पूजा स्थल की अच्छी तरह साफ-सफाई की जाती है। इसके बाद व्रती स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और पूरे दिन उपवास रखते हैं। इस दौरान मन को शांत रखते हुए छठी मैया और सूर्यदेव का स्मरण किया जाता है।

शाम के समय सूर्यास्त के आसपास पूजा की तैयारी की जाती है। इसी दौरान खरना का प्रसाद भी तैयार किया जाता है। प्रसाद बनाने के लिए मिट्टी के चूल्हे और आम की लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है। कई स्थानों पर प्रसाद बनाने में गन्ने के रस का भी उपयोग किया जाता है। पूजा के दौरान छठी मैया और सूर्यदेव की विधिवत आराधना की जाती है।खरना के दिन गुड़ की खीर बनाने की विशेष परंपरा है। इसे रसियाव भी कहा जाता है। इस खीर को तैयार करने के लिए चावल, दूध और गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें तुलसी के पत्ते भी डाले जाते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 14 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

हिन्दी महाविद्यालय में प्राचीन अर्थव्यवस्था पर कार्यशाला आयोजित



हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाविद्यालय के इतिहास विभाग की ओर से 12 नवंबर को 'प्राचीन भारत में अर्थव्यवस्था और व्यापार' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर इंदिरा पी. सूर्यवंशी उपस्थित थीं। उद्घाटन सत्र का शुभारंभ महाविद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, संयुक्त सचिव प्रदीप कुमार दत्त, प्राचार्य डॉ. बाला कुमार तथा इतिहास विभागाध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर डॉ. रजनी धारी ने मंत्रोच्चारण और डॉ. श्रीदेवी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

प्राचार्य डॉ. बाला कुमार ने स्वागत भाषण देते हुए हिन्दी महाविद्यालय का परिचय दिया और कार्यशाला के विषय के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद महाविद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव, प्राचार्य एवं इतिहास विभागाध्यक्ष ने अतिथि वक्ता प्रोफेसर इंदिरा पी. सूर्यवंशी का शॉल एवं पौधा भेंट कर सम्मान किया।

समिति के उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा ने कहा कि कार्यशाला के लिए चयनित विषय इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र एवं वाणिज्य विभागों के लिए वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने बताया कि सभी की सहमति से इस कार्यशाला को इतिहास विभाग के प्रथम विभागाध्यक्ष एवं उपप्राचार्य स्वर्गीय केशव राव को समर्पित किया गया है। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि कुछ लोग इतिहास लिखते हैं, जबकि कुछ इतिहास का निर्माण करते हैं।

संयुक्त सचिव प्रदीप कुमार दत्त ने कहा कि आज भारत दुनिया के साथ लेन-देन कर रहा है। संस्कृति हमारे मस्तिष्क में मानवता की जागृति लाती है।

प्राचीन भारत की समृद्ध अर्थव्यवस्था पर प्रकाश

इतिहास विभागाध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह ने विषय प्रवर्तन करते हुए कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि भारत में अर्थव्यवस्था और व्यापार की शुरुआत उसी समय से हो गई थी, जब मानव ने समूह में रहना प्रारंभ किया। नवपाषाण युग में पहिए का आविष्कार सर्वप्रथम कुम्हार के चाक के रूप में विकसित हुआ, जिसने आधुनिक युग में वायुयान तक को गति प्रदान की। मौर्य काल की अर्थव्यवस्था एवं कर व्यवस्था इस बात का प्रमाण है कि विश्व की अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण था। अतिथि वक्ता का परिचय हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी धारी ने दिया। प्रोफेसर इंदिरा पी. सूर्यवंशी ने अपने व्याख्यान में प्राचीन भारत की सुदृढ़ अर्थव्यवस्था, आंतरिक एवं समुद्री व्यापारिक मार्गों, प्रमुख बंदरगाहों और तत्कालीन मुद्रा प्रणाली पर ज्ञानवर्धक एवं शोधपरक जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि किसान भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और भारतीय संस्कृति उत्पादन की संस्कृति है। प्राचीन काल में किसान कौन-कौन से अनाज उगाते थे, जो हमें ताकत देते थे, इस पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं का शारीरिक विकास पौष्टिक आहार लेने से होता है। मोटे और बारीक मिलेट्स का सेवन कर हमारे पूर्वज स्वस्थ रहते थे। उस समय देश में लगभग 200 प्रकार के मिलेट्स का उत्पादन किया जाता था। उन्होंने इस काल को स्वर्ण युग की संज्ञा दी।

उन्होंने कहा कि हरित क्रांति अच्छी फसलों के उत्पादन से संबंधित थी। वर्तमान समय में खान-पान पर पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के कारण बीमारियों की संख्या बढ़ी है। ऐसे में भारतीय ज्ञान प्रणाली (इंडियन नॉलेज सिस्टम) की आवश्यकता है। हमें पाश्चात्य प्रभाव से प्राचीन परंपराओं की ओर लौटकर आर्थिक एवं व्यापारिक विकास की दिशा में विचार करना चाहिए। हमारी संस्कृति का संदेश है कि हमें उगाना है, जलाना नहीं। भारत कृषि कार्य में सिद्धहस्त था, इसलिए भारत महान था।

प्रोफेसर सूर्यवंशी ने मेगस्थनीज के लेखन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भारत को ऐसा देश बताया था, जहां कपड़े पौधों पर उगते हैं। सूती और रेशमी कपड़ों के उत्पादन में भारत विश्व में प्रथम स्थान रखता था। सूती कपड़े का इतिहास लगभग 7,000 वर्ष पुराना है। उन्होंने कहा कि जब हम जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे, तभी हमें नौकरी और व्यापार में सफलता मिलेगी।

उन्होंने बताया कि भारत के गर्म मसालों से पश्चिमी दुनिया बहुत आकर्षित हुई थी। प्राचीन व्यापारिक नाम 'मेलुहा' था, जिसका अर्थ आर्थिक रूप से समृद्ध देश है। इसका उल्लेख सुमेरियन अभिलेखों में मिलता है। सिंधु घाटी सभ्यता का नामकरण लगभग 100 वर्ष पहले जॉन मार्शल ने किया था। उन्होंने प्रमुख व्यापारिक बंदरगाहों से होने वाले वस्तुओं के व्यापार के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी।

अंडमान-निकोबार में आज भी प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध हैं और वहां के लोग प्रकृति के बीच सरल जीवन व्यतीत करते हैं। उन्होंने बताया कि मौर्य, सातवाहन और गुप्त साम्राज्यों ने भारत की अर्थव्यवस्था एवं व्यापार को अधिक समृद्ध बनाया। अलेक्जेंडर कनिंघम ने लगभग 150 वर्ष पहले प्राचीन भारत के व्यापार और संस्कृति को जोड़कर बताया था कि इतिहास जीवन की विकास यात्रा है। उन्होंने युवाओं से विदेश जाकर अपने देश लौटने और भारत के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में विषय प्रवर्तन एवं संचालन इतिहास विभागाध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह ने किया, जबकि अतिथि परिचय एवं आभार ज्ञापन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी धारी ने किया।

जलपान विराम के बाद कार्यशाला का द्वितीय सत्र प्रारंभ हुआ। इसमें कुल 82 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें इंटरमीडिएट के दो तथा स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के तीन समूह बनाए गए। विषय पर गंभीर चर्चा के लिए प्रत्येक समूह के निर्देशन की जिम्मेदारी एक अध्यापक को सौंपी गई।

इस दौरान डॉ. सुरभि दत्त, डॉ. रजनी धारी, श्री सी. पी. सिंह, श्रीमती अर्चना सिंह, श्रीमती अर्चना पांडेय, कन्हैया कुमार, परीक्षा नियंत्रक सत्यनारायण राव, वकील पांडे, डॉ. पुष्पवल्ली, श्वंती एवं राधिका ने विद्यार्थियों के साथ सक्रिय सहयोग किया।

प्रत्येक समूह ने भारतीय अर्थव्यवस्था एवं व्यापार के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

बिहार समाज सेवा संघ ने की छठ पूजा घाटों की तैयारियां पूरी

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा पर विशेष ध्यान



हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोक आस्था, सूर्य उपासना और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महापर्व छठ पूजा को लेकर हैदराबाद में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसी क्रम में बिहार समाज सेवा संघ हैदराबाद की ओर से शहर के विभिन्न छठ पूजा घाटों पर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। संघ ने अपने सभी निर्धारित छठ पूजा घाटों की व्यवस्थाएं लगभग पूरी कर ली हैं, ताकि व्रतधारियों एवं श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बिहार समाज सेवा संघ हैदराबाद की ओर से नेकलेस रोड स्थित रेलवे लाइन के बगल में बेबी पाउंड हर्बल गार्डन, संजीवैया पार्क के सामने छठ पूजा घाट पर विशेष तैयारियां की गई हैं। इस घाट की व्यवस्थाओं में बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा, हैदराबाद अध्यक्ष मनीष तिवारी, कोषाध्यक्ष दीपक तिवारी तथा वरिष्ठ सदस्य जितेन्द्र यादव, विकास सिंह और अरविंद सिंह सहित अन्य सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। सभी सदस्य मिलकर घाट की साफ-सफाई, पूजा स्थल की व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित कार्यों को पूरा करने में लगे हैं।

इसी प्रकार अंबरपेट स्थित बतुकम्मा कुंटा छठ पूजा घाट पर भी व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। यहां घाट की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी इंचार्ज संजीव मिश्रा के साथ शीशिर मिश्रा, अरविंद सिंह, संतोष जायसवाल, शिवकुमार जायसवाल, विनोद जायसवाल और दिलीप जायसवाल सहित अन्य सदस्यों द्वारा संभाली जा रही है। सभी सदस्य आपसी सहयोग और समर्पण के साथ छठ व्रतियों तथा श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में जुटे हैं। छठ पूजा के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित घाटों पर पहुंचकर अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए घाटों पर स्वच्छता, पूजा के लिए उपयुक्त स्थान, श्रद्धालुओं के आवागमन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संघ के सदस्य लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे हैं, ताकि पूजा के दौरान सभी कार्यक्रम व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें।

बिहार समाज सेवा संघ हैदराबाद ने बताया कि छठ महापर्व बिहार की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता, पारिवारिक परंपरा और लोक आस्था का प्रतीक है। इस पर्व के माध्यम से समाज के लोग अपनी परंपराओं से जुड़े रहते हैं और नई पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति एवं संस्कारों से परिचित कराते हैं। संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य सामूहिक सहयोग से इस महापर्व को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं।

संघ की ओर से सभी छठ व्रतियों, बिहार एवं पूर्वांचल समाज के परिवारों तथा समस्त श्रद्धालुओं से छठ पूजा में उत्साहपूर्वक भाग लेने और घाटों की स्वच्छता एवं व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है।

हाइटेक सिटी में पहली बार होगा सिद्धचक्र महामंडल विधान

आर्यिका 105 परीक्षा श्री माताजी एवं आर्यिका 105 प्रेक्षा श्री माताजी के सान्निध्य में होगा आयोजन



हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाइटेक सिटी दिगंबर जैन समाज के इतिहास में पहली बार साधु-संतों के सान्निध्य में सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर जैन समाज में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है। समाज के अधिक से अधिक श्रद्धालु इस विधान में शामिल होकर सिद्ध भगवंतों की आराधना का लाभ प्राप्त करने के लिए उत्सुक हैं। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वैशाली नगर स्थित सरोवर जिनालय में आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज जी की शिष्याएं आर्यिका 105 परीक्षा श्री माताजी एवं आर्यिका 105 प्रेक्षा श्री माताजी चातुर्मास कर रही हैं। दोनों माताजी के पावन सान्निध्य में हाइटेक सिटी जैन समाज द्वारा उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ सिद्धचक्र महामंडल विधान में सहभागिता की जा रही है। इस विधान में मुख्य पुण्यार्जक के रूप में सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य साईंराम टॉवर निवासी विनीत जैन एवं ज्योति जैन को प्राप्त हुआ है। दोनों पुण्यार्जक धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धापूर्वक आराधना करेंगे। आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए चातुर्मास कमेटी द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है। कमेटी के सदस्य व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। आयोजकों ने हैदराबाद के समस्त जैन समाज के श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में वैशाली नगर स्थित सरोवर जिनालय पहुंचकर इस पावन धार्मिक अवसर का लाभ उठाएं। सिद्धचक्र महामंडल विधान में शामिल होकर सिद्ध भगवंतों की आराधना करें तथा धर्म, तप और भक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपने जीवन को आध्यात्मिक रूप से सफल बनाएं। इसी क्रम में आगामी 28 एवं 29 नवंबर को आर्यिका 105 परीक्षा श्री माताजी एवं आर्यिका 105 प्रेक्षा श्री माताजी का दीक्षा जयंती समारोह तथा पिच्छिका परिवर्तन कार्यक्रम भी आयोजित होने जा रहा है। इस विशेष धार्मिक अवसर पर हैदराबाद सहित आसपास के क्षेत्रों के सभी जैन श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता दर्ज कराने का आग्रह किया गया है।

वारिसगुड़ा में अखण्ड रामायण पाठ आज से

हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी सेवा संघ, वारिसगुड़ा एवं महिला मंडल की कोर कमेटी की बैठक अध्यक्ष पारसमल सोलंकी के आवास पर संपन्न हुई। रामस्वरूप डालिया, बद्रीनारायण चांडक एवं हरिकिशन मूंदड़ा के संयोजकत्व में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से 14 एवं 15 नवंबर को पारसीगुट्टा स्थित आई माता मंदिर में दीपावली मिलन समारोह एवं अन्नकूट प्रसादी आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ 14 नवंबर को प्रातः 8:31 बजे अखण्ड रामायण पाठ से होगा। 15 नवंबर को सायं 3:31 बजे संघ द्वारा 1484वां सामूहिक सुंदरकांड पाठ तथा सायं 7:31 बजे अन्नकूट प्रसादी का आयोजन होगा।

अखण्ड रामायण पाठ की जिम्मेदारी रामगोपाल सोमानी एवं महिला मंडल अध्यक्ष कमल सोमानी को, जबकि प्रसादी



व्यवस्था की जिम्मेदारी गोपाल लड्ढा, शांति देवड़ा, कैलाश राठौड़, शिवप्रकाश लाहोटी एवं हनुमान मनियार को सौंपी गई। सुंदरकांड कार्यक्रम का संयोजन दिनेश देवड़ा एवं केतन लड्ढा करेंगे।

अध्यक्ष पारसमल सोलंकी एवं महिला मंडल अध्यक्ष कमल सोमानी ने समाज के सभी वर्गों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया।

निस्वार्थ सेवा और समर्पण से समाज में नई प्रेरणा जगा रहा राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : नरेश बंसल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शुक्रवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवा और सहयोग की भावना के साथ ग्रुप के सदस्यों ने अपनी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए नरेश बंसल ने कहा कि सेवा और समर्पण का भाव ही राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सबसे बड़ी पहचान है। किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसके आपसी प्रेम, सहयोग और एक-दूसरे के प्रति संवेदनशीलता में निहित होती है। जब व्यक्ति अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज और जरूरतमंदों के लिए कुछ करने का संकल्प लेता है, तभी सेवा का वास्तविक अर्थ साकार होता है।

उन्होंने कहा कि मानव सेवा केवल एक सामाजिक गतिविधि नहीं, बल्कि एक ऐसा पुनीत कार्य है, जिसके माध्यम से हम ईश्वर के प्रति अपनी सच्ची श्रद्धा और भक्ति प्रकट करते हैं। भूखे को भोजन कराना, जरूरतमंदों की सहायता करना और बिना किसी भेदभाव के सभी के प्रति प्रेम एवं सद्भाव रखना ही सच्चे मानवीय संस्कार हैं। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी सेवा भावना को आत्मसात करते हुए निरंतर अन्नसेवा के माध्यम से समाज में मानवता, अपनत्व और परोपकार का संदेश दे रहा है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, नरेश बंसल, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय एवं लता गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने सामूहिक रूप से सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए निस्वार्थ सेवा और समर्पण की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

दो दिवसीय बालनाट्य महोत्सव का शुभारंभ आज

हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

निर्मिती कलाभिषेक प्रस्तुति उडान आर्ट्स के तत्वावधान में बड़ी चावड़ी, सुल्तान बाज़ार, कोठी स्थित सौ. राधाबाई पलनीटकर सभागृह (आर.पी. हाईस्कूल) में 14 व 15 नवंबर को बालनाट्य महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। नाट्यकर्मी सौरभ घारापुरीकर के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस महोत्सव का उद्घाटन 14 नवंबर की शाम 5 बजे और तदुपरांत राम होलागुंडी (निशुम्बिता) द्वारा दिग्दर्शित (निर्देशित) डेथ कॉल्स नामक विशेष नाटक का मंचन होगा। दूसरे दिन 15 नवंबर को 3 से 5 बजे तक एकांकियों का मंचन तथा 5.30 बजे के बाद पुरस्कार वितरण समारोह व स्नेहभोजन का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में बाल और किशोरावस्था के विद्यार्थी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। संयोजिका श्रीमती सरोज घारापुरीकर व जी. निशांत ने सभी रसिकों, अभिभावकों और नाट्य प्रेमियों से महोत्सव में पधारकर कलाकारों को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए मो. नंबर 9493231155 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

छप्पन भोग के साथ अन्नकूट महोत्सव आयोजित



हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल समाज के मरुधर क्षेत्र के गांव निम्बोल के तडबा तिवारी परिवार की ओर से छप्पन भोग एवं छत्तीसों व्यंजनों के साथ भव्य अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इस धार्मिक एवं भक्तिमय आयोजन में संत-महात्माओं के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने आरती, दर्शन एवं अन्नकूट प्रसादी का लाभ प्राप्त किया।

इस अवसर पर श्री सेवाराम जी महाराज (रामनाथ आश्रम) तथा श्री राहुलदास जी महाराज (श्री रामचन्द्र जी मठ, संगम, लंगर हौज) विशेष रूप से पधारे। तडबा तिवारी परिवार एवं समाज के सदस्यों ने दोनों संत-महात्माओं का शाल एवं माला पहनाकर श्रद्धापूर्वक सम्मान किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

हाईलाइफ फैशन एवं लाइफस्टाइल प्रदर्शनी कल से

हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश के प्रमुख फैशन एवं लाइफस्टाइल प्रदर्शनी ब्रांड 'हाई-लाइफ' की ओर से नवंबर फैशन स्पेशल प्रदर्शनी का आयोजन दि. 15, 16 एवं 17 नवंबर 2026 को हाईटेक सिटी स्थित एचआईसीसी (नोवोटेल) में किया जाएगा।

इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में देशभर के प्रसिद्ध फैशन डिजाइनरों एवं प्रमुख फैशन ब्रांडों के आकर्षक कलेक्शन प्रदर्शित किए जाएंगे। इसमें डिजाइनर वियर, फेस्टिव वियर, ब्राइडल वियर, वेडिंग कलेक्शन, फैशन परिधान, ज्वेलरी, एक्सेसरीज एवं लाइफस्टाइल उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला देखने और खरीदने का अवसर मिलेगा।



हाई-लाइफ एग्जीबिशन फेस्टिवल, लाइफस्टाइल एवं वेडिंग शॉपिंग के लिए देश के लोकप्रिय प्रदर्शनी आयोजनों में शामिल है। अपने आकर्षक फैशन कलेक्शन, प्रतिष्ठित डिजाइनरों और प्रमुख फैशन लेबल्स के कारण यह प्रदर्शनी शॉपिंग के शौकीनों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहती है।

प्रदर्शनी में फैशन एवं लाइफस्टाइल से जुड़ी विभिन्न श्रेणियों के नए और रचनात्मक कलेक्शन प्रस्तुत किए जाएंगे। आयोजकों के अनुसार, तीन दिनों तक चलने वाली यह प्रदर्शनी फैशन, शादी-ब्याह और उत्सवी खरीदारी के शौकीनों को एक ही छत के नीचे विविध विकल्प उपलब्ध कराएगी।

राहुल गांधी के विरोध में भाजपा और बीआरएस एकजुट : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।



मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को हैदराबाद में भारत समिट आयोजित करने के राज्य सरकार के फैसले का जोरदार बचाव किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की इस कार्यक्रम में भागीदारी की आलोचना करने और तेलंगाना को एक आदर्श निवेश गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में बाधा डालने के लिए भाजपा और बीआरएस एकजुट हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इस समिट का उद्देश्य राज्य की क्षमताओं को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना, निवेशकों का विश्वास बढ़ाना और नए निवेश आकर्षित करना है। यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि 7 से 9 दिसंबर को प्रस्तावित 'इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट' से पहले भारत समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसमें करीब 70 देशों के लगभग 1,000 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों और वर्गों से जुड़े लोगों को हैदराबाद आने, यहां के बुनियादी ढांचे को देखने तथा तेलंगाना की औद्योगिक एवं निवेश नीतियों को प्रत्यक्ष रूप से समझने के लिए आमंत्रित किया है।

उन्होंने कहा कि भारत समिट कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि जलवायु परिवर्तन, बुनियादी ढांचे, निवेश और अन्य वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने का एक मंच है। सरकार ने ग्लोबल समिट के प्रचार एवं परिचय कार्यक्रम बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली में आयोजित किए हैं। इसी तरह मुंबई और अहमदाबाद में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य दुनिया को यह बताना है कि तेलंगाना निवेश के अनुकूल राज्य है और हैदराबाद में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है।

भाजपा और बीआरएस पर लगाए विरोध के आरोप

रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव द्वारा भारत समिट का विरोध किए जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और बीआरएस तेलंगाना के हित में कांग्रेस सरकार द्वारा लिए जा रहे प्रत्येक निर्णय का विरोध कर रहे हैं और जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कुछ भी करते हैं, वह इनके लिए सही होता है, लेकिन राहुल गांधी जो भी करते हैं, वह इन्हें गलत लगता है। आखिर वे विपक्ष के नेता का विरोध क्यों कर रहे हैं? उन्होंने भाजपा के रवैये को तानाशाहीपूर्ण बताते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने इसी तरह मूसी नदी पुनर्जीवन कार्यक्रम, मेट्रो रेल विस्तार, क्षेत्रीय रिंग रोड और तुम्मिडीहट्टी में बैराज निर्माण का भी विरोध किया था।

प्रताड़ना से तंग क्रिकेटर ने की खुदकुशी

अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में हुआ था चयन, दो युवकों पर परेशान करने का आरोप

हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।



विकाराबाद जिले में बीसीसीआई की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयनित क्रिकेटर नंदिनी ने आत्महत्या कर ली। उनकी अचानक हुई मौत से परिवार में शोक की लहर छा गई है। परिजनों ने अनिल और कृष्णा नामक दो युवकों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया और दोनों की गिरफ्तारी की मांग की।

मृतका नंदिनी मूल रूप से विकाराबाद जिले के यलाल मंडल स्थित संगयापल्ली गांव की निवासी थीं। वह विकाराबाद की मधु कॉलोनी में अपनी नानी के घर रहकर पढ़ाई के साथ-साथ क्रिकेट की कोचिंग ले रही थीं। हाल ही में उनका बीसीसीआई की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयन हुआ था।

परिजनों के अनुसार, अनिल पिछले कुछ दिनों से प्यार के नाम पर नंदिनी का पीछा कर उन्हें लगातार परेशान कर रहा था। आरोप है कि कृष्णा भी इस काम में उसका साथ दे रहा था। परिवार का कहना है कि दोनों युवकों की प्रताड़ना से तंग आकर नंदिनी ने यह कदम उठाया। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

छत के पंखे से लगाया फंदा

विकाराबाद के सर्किल इंस्पेक्टर रघु ने बताया कि पुलिस को सुबह करीब 9 बजे नंदिनी की मौत की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि नंदिनी ने छत के पंखे के हुक से चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या की। पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया है। शुक्रवार, 13 नवंबर की सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।सीआई रघु ने बताया कि परिजनों ने दो युवकों पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। मामले की जांच के तहत पुलिस ने नंदिनी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है और उसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है।

सीआई रघु ने कहा कि पुलिस नंदिनी के इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप खातों की जांच करेगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से कोई परेशान तो नहीं कर रहा था।

जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों के मोबाइल इस्तेमाल पर नजर रखें तथा कठिन परिस्थितियों में उन्हें अकेला छोड़ने के बजाय भावनात्मक सहयोग दें।

महेश भागवत ने संभाला हैदराबाद पुलिस आयुक्त का कार्यभार



हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

के बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी वातावरण में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना, साइबर अपराधों एवं मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों पर अंकुश लगाना तथा यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना नवनियुक्त हैदराबाद पुलिस आयुक्त महेश मुरलीधर भागवत की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने शुक्रवार को हैदराबाद पुलिस आयुक्त का कार्यभार संभाल लिया।

भागवत ने कहा कि शहर की विविध और लगातार बदलती चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित पुलिस व्यवस्था तथा रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने की आवश्यकता है। आदतन अपराधियों के खिलाफ निवारक निरोध अधिनियम (पीडी एक्ट) के इस्तेमाल के लिए पहचाने जाने वाले भागवत ने कहा कि बार-बार अपराध करने वालों पर अंकुश लगाने तथा जेल से रिहा होने के बाद उनके दोबारा आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने से रोकने के लिए इस व्यवस्था को फिर से प्रभावी बनाया जाएगा।

नए पुलिस आयुक्त ने कहा कि पुलिसिंग एक सामूहिक प्रयास है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद में कई अधिकारी ऐसे हैं, जिनके साथ वे अपने पूर्व कार्यकाल में काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा, ''मैं सबसे पहले उनके अनुभवों से सीखूंगा और पूरी टीम के साथ मिलकर काम करूंगा।''

भागवत ने बताया कि पुलिस थानों में शाम के समय गश्त और पुलिसिंग को तेज किया जाएगा। शहर में कानून-व्यवस्था की प्रतिदिन समीक्षा होगी तथा विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस की गश्त बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्थिति में नागरिक डायल 100 या 112 के माध्यम से भी पुलिस से संपर्क कर सकते हैं।

छठ महापर्व आस्था, श्रद्धा और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक : सतीश कुमार गुप्ता





हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क में शुक्रवार को छठ पूजा के पावन अवसर पर नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि छठ पूजा भगवान सूर्य की आराधना का महापर्व है। यह पर्व भारतीय संस्कृति, लोक आस्था, श्रद्धा, पवित्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता की भावना का अनुपम प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह त्याग, तपस्या, अनुशासन, स्वच्छता और आत्मिक शुद्धता का भी संदेश देता है। भगवान सूर्य संपूर्ण सृष्टि को ऊर्जा, प्रकाश और जीवन प्रदान करते हैं। छठ पर्व के माध्यम से श्रद्धालु सूर्यदेव एवं छठी मैया के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा प्रकट करते हुए परिवार, समाज और समस्त मानवता के सुख, शांति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि की मंगलकामना करते हैं। यह पर्व प्रकृति के प्रति सम्मान और जीवन में सकारात्मकता बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

सतीश कुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय त्योहार हमारी संस्कृति और संस्कारों को जीवंत बनाए रखने के साथ-साथ समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता की भावना को भी मजबूत करते हैं। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद भी इसी सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ निरंतर समाजसेवा के कार्यों में जुटा हुआ है। ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी जाति, धर्म अथवा भेदभाव के जरूरतमंदों की सेवा करना और मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना है।

उन्होंने कहा कि अन्नसेवा सबसे पुनीत सेवाओं में से एक है। किसी जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराना केवल उसका पेट भरना नहीं, बल्कि उसके प्रति प्रेम, संवेदना और मानवीय अपनत्व प्रकट करना है। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसे बिना किसी स्वार्थ, अपेक्षा और दिखावे के पूरी निष्ठा के साथ किया जाए। मानव सेवा ही सच्चे अर्थों में ईश्वर की आराधना है और इसी भावना को आत्मसात कर राधे-राधे ग्रुप अपने सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, कमल मूंदड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए समाज में सेवा, सद्भाव, सहयोग और मानवता की भावना को निरंतर मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

वरिष्ठ पत्रकार एवं फोटोग्राफर हीरालाल राव का निधन

सिरोही, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।



सिरोही जिले के वरिष्ठ फोटोग्राफर एवं पत्रकार हीरालाल जी राव (गोयली) का गोयली के निकट सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। रमेश पी. तातेड, सिरोही ने यह जानकारी देते हुए बताया कि झालमचंदजी तातेड परिवार के साथ उनका पिछले 60-65 वर्षों से पारिवारिक परिचय और आत्मीय संबंध रहा था।

हीरालाल जी राव पेशे से फोटोग्राफर थे और कई समाचार पत्रों के लिए भी फोटोग्राफी किया करते थे। 15 अगस्त एवं 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर उत्कृष्ट फोटोग्राफी के लिए जिला प्रशासन द्वारा उन्हें कई बार सम्मानित किया गया था। वे सरल, मिलनसार एवं हंसमुख व्यक्तित्व के धनी थे। उनके परिवार में दो पुत्र, दो पुत्रियां तथा पौत्र-पौत्रियां हैं।

उनके निधन पर सुरेश पी. तातेड, महावीर चौधरी, वी.के. त्रिवेदी, पारस तातेड, छगनलाल सुथार, रमेश पी. तातेड, सुरेंद्र सिंह डाबी, डॉ. श्रवण मोदी, प्रमोद एम. मोदी, डॉ. जगदीश, रंजीत सिंह, अरविंद तातेड, हेमंत सेठ, अनिल सेठ सहित अनेक मित्रों एवं रमेश पी. तातेड परिवार, सिकंदराबाद ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

शोकाकुल जनों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल देने की प्रार्थना की।

गोपिका भजन मंडल का अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न





हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोपिका भजन मंडल की ओर से अन्नकूट महोत्सव का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। भजन-कीर्तन के माध्यम से पूरे कार्यक्रम में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम में श्रीमती रजनी राठी, श्रीमती प्रभा मालपानी, श्रीमती वंदना राठी, श्रीमती सुनीता मंत्री, श्रीमती शोभना भट्टड़ एवं श्रीमती सुमित्रा बंग ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी उपस्थित महिलाओं ने भक्तिभाव से भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की तथा अन्नकूट महोत्सव के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व को साझा किया। कार्यक्रम का समापन भगवान श्रीकृष्ण की आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस आयोजन ने सभी उपस्थित महिलाओं के मन में भक्ति, प्रेम, सेवा एवं आपसी सद्भाव की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

हम देश प्रेमी फिल्म के प्रचार-प्रसार को लेकर उज्जैन में महत्वपूर्ण बैठक





उज्जैन (मध्य प्रदेश), 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन में राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं फिल्म निर्माता-निर्देशक योगेश राज शीवास्तव (हैदराबाद) की आचार्य साध्वी महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 सुश्री दीपात्मिका जी (लखनऊ) एवं राष्ट्रीय सैनिक संस्था, मध्य प्रदेश युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष विशाल मेहता से विशेष आत्मीय भेंट हुई।

इस अवसर पर विशाल मेहता के निज निवास पर योगेश शीवास्तव द्वारा निर्मित देशभक्ति एवं सामाजिक जागरूकता पर आधारित फिल्म 'हम देश प्रेमी' के प्रचार-प्रसार, प्रदर्शन तथा इसे राष्ट्रीय स्तर पर जन-जन तक पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

योगेश शीवास्तव ने बताया कि 'हम देश प्रेमी' फिल्म का मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक जिम्मेदारी एवं राष्ट्रीय एकता की भावना जागृत करना है। इसके साथ ही भारतीय थल सेना, नौसेना, वायुसेना एवं अर्धसैनिक बलों के वीर जवानों तथा उनके परिवारों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता एवं कृतज्ञता का भाव समाज में मजबूत करना भी फिल्म का प्रमुख उद्देश्य है।

उन्होंने बताया कि यह फिल्म रक्तदान एवं अंगदान जैसे जीवनरक्षक अभियानों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इसके अतिरिक्त युवाओं को नशामुक्ति अपनाने, तंबाकू एवं गुटखा से दूर रहने तथा सकारात्मक सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित करने का संदेश भी फिल्म के माध्यम से दिया गया है।

योगेश शीवास्तव ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि उनका प्रयास है कि राष्ट्रीय सैनिक संस्था के माध्यम से इस फिल्म को देश के विभिन्न राज्यों में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए, ताकि राष्ट्रसेवा एवं मानवसेवा का संदेश व्यापक स्तर पर प्रसारित हो सके।

इस अवसर पर विशाल मेहता ने फिल्म के उद्देश्य की सराहना करते हुए राष्ट्रीय सैनिक संस्था, मध्य प्रदेश की ओर से इसके प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता अभियान में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास युवाओं को राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस आत्मीय मुलाकात के दौरान योगेश शीवास्तव को विशाल मेहता एवं उनके परिवार की ओर से विशेष स्नेह, सम्मान एवं आत्मीय आतिथ्य प्राप्त हुआ। उनकी पूजनीय माताजी का आशीर्वाद प्राप्त करना योगेश शीवास्तव के लिए विशेष सौभाग्य का विषय रहा। परिवार के सदस्यों एवं उपस्थित मित्रों ने भी उनका प्रेम एवं सम्मान के साथ स्वागत किया।

योगेश शीवास्तव ने विशाल मेहता, उनके परिवार, मित्रों एवं राष्ट्रीय सैनिक संस्था, मध्य प्रदेश के सभी साथियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। साथ ही राष्ट्रीय सैनिक संस्था के मध्य प्रदेश के आधिकारिक संगठनात्मक समूह में शामिल किए जाने पर भी धन्यवाद दिया।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय सैनिक संस्था के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मिलकर 'हम देश प्रेमी' फिल्म के संदेश को देश के युवाओं एवं आम नागरिकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

उन्होंने कहा कि 'हम देश प्रेमी' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, सैनिक सम्मान, रक्तदान, अंगदान एवं मानवता की सेवा के प्रति जनजागरण का एक अभियान है।

महापात्रो को पदोन्नति पर सम्मानित किया गया



हैदराबाद, 13 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एआईजीएसआईएससीएसटीडब्ल्यूए की ओर से श्री एस. एन. महापात्रो को पदोन्नति प्राप्त होने पर एडीजी, सीआर, नागपुर के पद पर नियुक्त किए जाने के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन के अध्यक्ष श्री अडारला महेश ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय सचिव जे. राजशेखर, कोषाध्यक्ष बी. आनंद कुमार, श्री अरुण कुमार, श्री प्रभाकर, श्री शिवशंकर, श्री यदगिरि, श्री चक्रेश्वर, श्री देवैया नायडू, श्री बी. नरेश, श्री मल्लेश, श्री जयचंद्र बाबू, श्री रविंदर, श्रीमती भुवनेश्वरी एवं श्रीमती मालती सहित अन्य पदाधिकारियों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सभी ने श्री एस. एन. महापात्रो को उनकी पदोन्नति पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.